शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 331 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 30 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

भारतीय सीमा में घुसा बाइकसवार संदिग्ध बांग्लादेशी, तलाश में जुटी... पेज 3
जेपी नड्डा ने किया भरतपुर में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन, कहा-मां... पेज 4
योगी सरकार में अति प्राचीन राम कुंड तालाब का होगा जीर्णोद्धार, पुरातत्व... पेज 5
कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने पीएम मोदी को बताया कायर पेज 8

मणिपुर : दंगाइयों और सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कई घायल

अतिरिक्त सैनिकों की हुई तैनाती

इंफाल। मणिपुर में कई दिनों से हिंसा जारी है। हिंसा में अब तक 100 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच, मणिपुर के कांगपोकपी जिले के हारोथेल गांव में गुरुवार सुबह अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद गोलीबारी अब रुक गई है। बताया गया कि अज्ञात ने बिना किसी कारण के गोलीबारी की। सेना ने कहा कि किसी भी अतिरिक्त क्षति को रोकने के लिए सैनिकों ने सुव्यवस्थित तरीके से जवाब दिया। सैनिकों की त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप गोलीबारी बंद हो गई। अपुष्ट रिपोर्टों से कुछ लोगों के हताहत होने का संकेत मिला है। सुरक्षा बलों के एक सूत्र ने कहा हरओथेल गांव में बंदूकधारियों ने सुबह करीब 5.45 बजे बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू कर दी। असम राइफल्स के जवानों ने जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी बंद हो गई। ऑपरेशन चल रहे हैं। बता दें कि पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में अब तक कई लोग घायल हुए हैं। मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद तीन मई को -शेष पृष्ठ दो पर

बकरीद है शांति का प्रतीक : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम में लोग ईद-उल-अजहा के त्योहार को बड़ी ही धूमधाम से मना रहे हैं। बकरीद के मौके पर पूरे राज्य में अकीदत व एहतेराम के साथ ईद कुर्बां मनाई गई। ईद के मद्देनजर मस्जिदों में काफी बड़ी तादाद में नमाजी जमा हुए और ईद उल अजहा की नमाज अदा की। ईद के अवसर पर सब लोगों पर त्योहार का खुमार नजर आया। आज पूरे मुल्क के साथ-साथ गुवाहाटी में भी ईद उल अजहा की नमाज पढ़ी गई। गुवाहाटी में मस्जिदों में ईद की नमाज का खास इंतेजाम किया गया। लगातार बारिश की वजह से दखिनगांव की ईदगाह में नमाज अदा नहीं की जा सकी, हालांकि प्रशासन की ओर से ईद की नमाज का पूरा इंतेजाम किया गया था, लेकिन बारिश ने तमाम व्यवस्था पर पानी फेर दिया। असम के दखिनगांव की शाही जामा मस्जिद में सामूहिक तौर पर ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई। मस्जिद का कैम्पस बड़ा होने के कारण एक ही बार में 5 हजार से भी ज्यादा लोगों ने ईद की नमाज एक साथ अदा की। इस अवसर पर मुफीदुल इस्लाम कासमी ने कहा कि सभी लोग मिलजुलकर ईद उल अजहा का त्योहार मनाएं। उन्होंने कहा कि कुर्बानी का अमल सही तरीके और सरकारी -शेष पृष्ठ दो पर

मेरा वेलकम चाय और शाकाहारी खाने से करें : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सभी उपायुक्तों को एक परामर्श जारी किया है, जिसमें जिलों के उनके आधिकारिक दौरे के दौरान पालन किए जाने सादगीपूर्ण कार्यक्रमों के विवरण सूचीबद्ध किए गए हैं। परामर्श में कहा गया है कि मुख्यमंत्री को गामोछा/फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित करने से सख्ती से बचा जाना चाहिए और उन्हें कोई उपहार नहीं दिया जाना चाहिए। समारोह शुरू होने से पहले आयोजक द्वारा दीप प्रज्जवलित किया जा सकता है जो पूरी बैठक के दौरान जलता रह सकता है। इसमें कहा -शेष पृष्ठ दो पर

एसआई के दोषी पाए जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई : डीजीपी

गुवाहाटी। असम पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने आश्वासन दिया है कि अगर नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों में घोगरापार पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक (एसआई) दोषी पाया गया तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटनाक्रम तब हुआ जब पीड़िता ने पुलिस अधिकारी के खिलाफ नग्न तस्वीरें खींचने और उसे परेशान करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई। हालांकि, जब मामला सार्वजनिक डोमेन में आया, तो डीजीपी ने डीआईजी सीडब्ल्यूआर ब्रजेंजीत सिघा -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम से सीएम की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी। वहीं मुख्यमंत्री शर्मा ने ट्वीट कर कहा कि मुझे दिल्ली में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। असम की भलाई प्रधानमंत्री के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। मैंने उन्हें हमारी विकास यात्रा से अवगत कराया और आगे बढ़ने के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। उधर मुख्यमंत्री ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान डॉ शर्मा ने उनसे असम से संबंधित वित्तीय मामलों पर चर्चा की। गुरुवार को डॉ शर्मा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से उनके आवास पर मुलाकात की। लगभग 55 मिनट की इस चर्चा के -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सिलचर : दो समुदायों में झड़प, पुलिस का लाठीचार्ज

कछार (हि.स.)। ईद-उद-अजहा के दिन कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर में दो समुदायों के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए लाठीचार्ज किया। घटना की सूचना पर जिले के वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे है। इलाके में तनाव है लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। इलाके में बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान तैनात कर दिए गए हैं। सिलचर में गुरुवार को इस्लाम धर्मावलंबी खुशी से ईद का जश्न मना रहे थे। इस बीच दिन के करीब 11 बजे के बाद कुर्बानी के बाद कॉलेज रोड के पास पंचायत रोड पर एक मस्जिद से सटे इलाके में स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई। दो समुदायों के आमने-सामने आने पर मारपीट शुरू हो गई। भीड़ ने एक कार में तोड़फोड़ कर दी। तनाव फैलने की खबर -शेष पृष्ठ दो पर

मंत्रिपरिषद की बैठक 3 जुलाई को

नई दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में तीन जुलाई को मंत्रिपरिषद की बैठक होगी, बैठक प्रगति मैदान में नवनिर्मित कन्वेंशन सेंटर में हो सकती है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। वहीं अब सरकार सहित संगठन में फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। मंत्रिपरिषद की बैठक संसद के मानसून सत्र से कुछ दिनों पहले हो रही है। मानसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। वहीं इससे एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा रथ यात्रा हादसे को लेकर एफआईआर

अगरतला। त्रिपुरा में उनाकोटि जिले के कुमारघाट में भगवान जगन्नाथ के *उल्टा रथ यात्रा* उत्सव के दौरान एक दर्दनाक हादसा हुआ। इस्कॉन की तरफ से आयोजित इस यात्रा में एक रथ हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया, जिसकी वजह से रथ में आग लग गई। इस हादसे में 7 लोगों की जान चली गई। मारे जाने वालों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 16 लोग घायल हो गए। हादसे में जान गंवाने वाले एक मृत व्यक्ति के परिवार की शिकायत पर पुलिस ने कुमारघाट में आयोजित रथ यात्रा के आयोजकों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की। कुमारघाट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शंकर साहा ने बताया कि रथ यात्रा के आयोजकों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हमने पहले ही जांच शुरू कर दी है। बता दें कि इस हादसे में घायल हुए लोगों को कुमारघाट, कैलाशहरंद और अगरतला के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जीबी पंत अस्पताल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर के लोगों से संवाद नहीं करने दे रही सरकार : राहुल

नई दिल्ली (हि.स.)। हिंसा प्रभावित राज्य मणिपुर के दौरे पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि सरकार उन्हें मणिपुर के लोगों से संवाद नहीं करने दे रही है। उन्हें रोका जा रहा है। राहुल ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि वह मणिपुर के भाई-बहनों को सुनने आए थे। यहां सभी समुदाय के लोग उनका स्वागत भी कर रहे थे लेकिन सरकार ने उन्हें मणिपुर की जनता से मिलने नहीं दिया। राहुल ने कहा कि मणिपुर को उपचार की जरूरत है। ऐसे में शांति हमारी एकमात्र प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि राहुल -शेष पृष्ठ दो पर

फ्लेक्स फ्यूल कारें जल्द की जाएगी लॉन्च : नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि देश में सौ फीसद इथेनॉल से चलने वाले वहन अगस्त में लॉन्च की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगस्त से मैं इथेनॉल पर 100 प्रतिशत चलने वाले वाहन लॉन्च करूंगा। बजाज, टीवीएस और हीरो ने 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलने वाली मोटरसाइकिल बनाई हैं। उन्होंने आगे कहा कि टोयोटा कंपनी की तरह 60 फीसदी इथेनॉल और 40 फीसदी बिजली से चलने वाली गाड़ियां भी मार्केट में लायी जाएंगी। उन्होंने कहा टोयोटा कंपनी की कैमरी कार 60 प्रतिशत पेट्रोल और 40 प्रतिशत बिजली से चलती है और इस कंपनी के माध्यम से हम इस तरह के और भी ऐसे वाहन लॉन्च करेंगे, जो 60 प्रतिशत इथेनॉल और 40 प्रतिशत बिजली से चलेंगे और ये देश में एक क्रांति की तरह होगी। मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि -शेष पृष्ठ दो पर

शोक संदेश

जन्म 15.11.1961
स्वर्गवास 27.06.2023

स्व. भंवर सिंह

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूजनीय **भंवर सिंह** पुत्र श्री दयाल सिंह शेखावत एवं श्रीमती भंवर कंवर का निधन दिनांक 27.06.2023, मंगलवार को हो गया है, जिनका **एकादशा** शुक्रवार, 07.07.2023 (जागरण) एवं **द्वादशा** शनिवार, 08.07.2023 को है।

बैठक रविवार, 02.07.2023 को निवास स्थान फतेहपुरा में होगी।

शोकाकुल
राजेंद्र सिंह (भाई) सुरेंद्र सिंह (भाई)
श्रवण सिंह (भाई)
तवर सिंह (पुत्र) गजेंद्र सिंह (पुत्र)
एवं समस्त शेखावत परिवार

:: निवास ::
करणी कृपा निवास
गांव : फतेहपुरा,
जिला : सीकर (राजस्थान)
मोबाइल : 9413063304

सुप्रभात

समय का ध्यान नहीं रखने वाला व्यक्ति अपने जीवन में निर्विघ्न नहीं रहता।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मणिपुर से 12000 लोग मिजोरम पहुंचे

एजल। मिजोरम की सरकार ने हिंसा प्रभावित मणिपुर के विस्थापितों के लिए केंद्र सरकार से मदद की अपनी मांग को दोहराई है। मिजोरम की सरकार ने कहा है कि हिंसा की वजह से मणिपुर के 12000 से अधिक लोग उसके राज्य के राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। मई में मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर जातिय हिंसा की वजह से विस्थापित लोगों को सुविधा मुहैया कराने के लिए कम से कम 10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की -शेष पृष्ठ दो पर

चीन ने जान-बूझकर फैलाया कोरोना : वुहान रिसर्चर

बीजिंग। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के एक रिसर्चर ने एक बड़ा खुलासा करते हुए दावा किया है कि चीन ने जानबूझकर पूरी दुनिया में कोरोना वायरस फैलाया था। यह पूरी दुनिया के खिलाफ जैविक आतंकवाद का एक हिस्सा था। चीन ने कोविड-19 को एक जैविक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था ताकि लोग इससे संक्रमित होकर मौत के मुंह में जा सकें। यह चीन द्वारा चलाए जा रहे दुनिया के खिलाफ जैविक आतंकवाद का एक हिस्सा था। इंटरनेशनल प्रेस एसोसिएशन की सदस्य जेनिफर जेंग को दिए गए एक बयान में कई शोधकर्ताओं ने चीन की वायरस बनाने वाली हरकत की पुष्टि की है। चीनी शोधकर्ता का कहना है कि चीन ने कथित तौर पर कोरोना वायरस को तैयार करके इसे जैविक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का काम किया। वहीं लैब के अन्य शोधकर्ता शान चाओ ने स्वीकार किया है कि उन्हें मनुष्य सहित विभिन्न प्रजातियों में वायरस की संक्रामकता का परीक्षण करते हुए एक जैव हथियार की तरह इसे तैयार करने को कहा गया था। उनका कहना है कि चीन ने प्रभावी ढंग से वायरस फैलाने के लिए वायरस के चार प्रकारों पर शोध करने को कहा था। और तय किया गया कि जो सबसे ज्यादा प्रभावशाली होगा, उसी को वायरस के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। खासकर इंसानों को यह वायरस कितना बिमार कर सकता है इस पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

शिमला नहीं, बेंगलुरु में होगी विपक्षी एकता की बैठक : पवार

मुंबई। विपक्षी एकता की अगली बैठक अब 13-14 जुलाई को बेंगलुरु में होगी। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। इससे पहले यह बैठक 10-12 जुलाई को शिमला में होनी थी। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान 23 जून की बैठक का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि पटना में विपक्षी दलों की बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेचैन हो गए हैं। बिहार की राजधानी पटना में हुई इस बैठक में 15 विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए थे। इस बैठक में सभी पार्टियों के नेताओं ने एकजुटता दिखाई। इस दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हारने को लेकर प्लानिंग की गई। इस बैठक के बाद ये कहा गया था कि विपक्षी एकता की अगली बैठक अगले महीने यानी जुलाई को शिमला में होगी। मगर अब इसका ठिकाना बदल

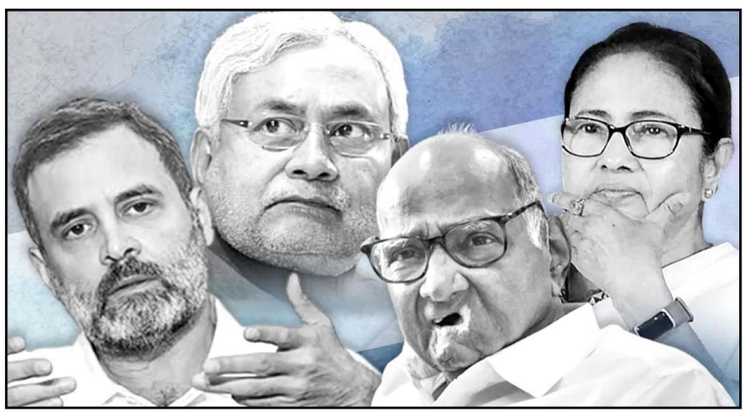

गया है। अब यह बैठक शिमला की जगह बेंगलुरु में होगी, जिसकी घोषणा पवार ने की। बैठक के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि सभी नेताओं से अच्छी मुलाकात हुई। सभी विपक्षी दलों ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इस मीटिंग में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और एनसीपी प्रमुख शरद पवार सहित विपक्षी पार्टियों के कई नेता शामिल हुए थे। विपक्षी एकता की बैठक के बाद आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच अध्यादेश को लेकर अनबन हो गई। आप ने बयान जारी कर कहा कि जिस बैठक में कांग्रेस रहेगी, उस बैठक में हम नहीं रहेंगे। दरअसल, आम आदमी पार्टी का कहना था कि कांग्रेस अध्यादेश पर अपना रुख साफ करे। उधर, विपक्षी एकता की बैठक पर हमला बोलते हुए भाजपा ने कहा कि यह स्वार्थ का गठबंधन है। इसमें सभी के अपने-अपने हित हैं। इस बैठक से कुछ होने जाने वाला नहीं है।

आग में झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी शहर अग्निकांड में आग में झुलसे एक युवक की ईलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक का नाम पंकज हजारिका बताया गया है। उल्लेखनीय है कि नलबाड़ी शहर के मध्य मंगलवार को आग लग गई थी। आग में अनिल जैन, खुशबू जैन और उनके यहां काम करने वाला युवक पंकज हजारिका घायल हो गये थे। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि तीनों घायलों को उसी दिन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिनमें से पंकज हजारिका ईलाज के दौरान बीती रात मौत हो गई।

जहर खाने से महिला की मौत

दरंग (हिंस)। दरंग जिला के दलगांव के घिलाधारी में हबीबा खातून (21) नामक एक महिला ने पवित्र ईद उत्सव के बीच जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। महिला के जहर खाने की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य उसे खारुपेटिया के अस्पताल ले गए। महिला स्वस्थ होकर घर लौट भी आई। लेकिन, रात में महिला की मौत हो गई। खबरों के मुताबिक, महिला का उसके पति जियारुल इस्लाम के साथ जुआ खेलने को लेकर झगड़ा हुआ था।

किशोर का शव बरामद

दरंग (हिंस)। दरंग जिला के खारुपेटिया में 13 वर्षीय किशोर का शव मिलने को लेकर सनसनी फैल गई है। मृतक के गले पर व्याप्त निशान से पता चलता है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। मृतक हर्षित जैन बुधवार की सुबह 10 बजे से ही लापता था।

धुपधारा में मिला जंगली हाथी का शव

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिला के एक वन क्षेत्र में गुरुवार को एक वयस्क जंगली हाथी मृत अवस्था में पाया गया। जंगली हाथी का शव रोहजुली तहसील के धूपधारा गांव के पास एक जंगल से बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार जंगली हाथी की मौत करंट लगने से होने की आशंका है। उसके चेहरे और शरीर पर चोट के निशान हैं। वन विभाग के अधिकारियों को इसके बारे में सूचित किया गया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पशु चिकित्सकों की मदद से हाथी के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद दफना दिया। वन विभाग ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोकराझाड़ के नयागांव बाताबाड़ी में केवीके का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के दोतमा उन्नयन खंड अंतर्गत नायगांव बाताबाड़ी में कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) की पहल और असम कृषि व्यापार और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (एपार्ट) के तत्वावधान में तथा अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के सहयोग से आज *ग्रैंड हार्वेस्ट* कार्यक्रम आयोजन किया। आईआरआरआई के कनिष्ठ वैज्ञानिक अक्षय भारद्वाज ने केवीके के सामुदायिक विज्ञान विषय विशेषज्ञ पर्ना शर्मा द्वारा आयोजित कार्यक्रम के उद्देश्य की व्याख्या की। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिक तरीके से कृषि कार्य करें और अधिक उत्पादन करें। इस अवसर पर क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक और केवीके के प्रभारी प्रमुख डॉ. सुनील कुमार पाल भी उपस्थित थे। कोकराझाड़ जिला कृषि अधिकारी बुरलुंग बुथुर नार्जारी ने कृषि क्षेत्र के विकास के हित में उपस्थित किसानों को महत्वपूर्ण बहुमूल्य सुझाव दिए। कृषि अधिकारी ने किसानों को कृषि के विकास के लिए सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं जैसे पीएम किसान, फसल बीमा आदि के बारे में जागरूक किया। उपस्थित आईआरआरआई के वरिष्ठ सहायक वैज्ञानिक डॉ. सूर्यकांत खंडई ने विशेष उपकरणों के बारे में बताते हुए धान की कटाई और उसके उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी दोतमा उन्नयन खंड के अधिकारी वासुदेव पाल, प्रार्थना गोगोई, सहायक सहायक नर्जिना परवीन, एप्टा परियोजना सहायक सुनील पातर सहित सैकड़ों किसान एवं ग्रामीण उपस्थित थे। ज्ञात हो कि बैठक के अंत में खेतों में धान की कटाई एवं अन्य कृषि उपयोगी मशीनों का प्रदर्शन किया गया।

बोको-लाम्पी मार्ग पर भूस्खलन

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको-लाम्पी मार्ग पर हुए भूस्खलन से आवागमन ठप्प हो गया। असम के रास्ते लांपी को जोड़ने वाली एकमात्र यह सड़क है, भूस्खलन के कारण काफी देर तक अवरूद्ध रही। यह भूस्खलन की घटना बोको के कांपाडली में हुई। भूस्खलन लगातार बारिश के कारण हुआ। गार्ड वॉल गिरने से सड़क का एक हिस्सा ढह गया है। अगर मरम्मत नहीं की गई तो लाम्पी रोड के और ढहने की आशंका है।

बीस किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। जिले की हाजो पुलिस थाने के निरीक्षक नबजीत नाथ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बीती रात में छापा मारकर भारी मात्रा में गांजा जब्त किया। छापेमारी के दौरान 20 किलो गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गांजे की बाजार में कीमत करीब दो लाख रुपए आंका गया है। पुलिस की एक टीम ने पहले हाजो के बागटा बेसीमारी इलाके में कमल डेका के घर पर छापा मारकर 20 किलो गांजा जब्त कर कमल डेका को गिरफ्तार किया।

गुजरात में दीवार गिरने से चार बच्चों की मौत, पांच घायल

अहमदाबाद। गुजरात के पंचमहल जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को भारी बारिश के बीच एक बंद पड़ी फैक्टरी की दीवार के कुछ अस्थायी तंबुओं पर गिरने से पांच साल से कम उम्र के चार बच्चों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित परिवार मध्य प्रदेश के धार जिले के रहने वाले हैं और हलोल तालुका के चंद्रपुरा गांव में रसायन बनाने वाली एक बंद पड़ी फैक्टरी के पास एक निर्माण स्थल पर मजदूर के रूप में काम करने के लिए यहां आए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक हिमांशु सोलंकी ने कहा कि निर्माण श्रमिकों के परिवार अस्थायी तंबू में रह रहे थे, जो उन्होंने कारखाने की चारदीवारी के पास बनाया था। पुलिस अधीक्षक हिमांशु सोलंकी ने कहा कि बारिश के बीच इन परिवारों पर अचानक दीवार गिर गई। दीवार गिरने से घायल हुए कुल नौ लोगों में से पांच साल से कम उम्र के चार बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। दो महिलाओं और दो बच्चों सहित पांच अन्य लोगों को हलोल के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बाद में घायलों में से एक को आगे के इलाज के लिए वडोदरा स्थानांतरित कर दिया गया। मृतक बच्चों की पहचान चिरिराम डामोर (5), अभिषेक भूरिया (4), गुनगुन भूरिया (2) और मुस्कान भूरिया (5) के रूप में हुई है। इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण गुजरात के कई हिस्सों में पिछले 36 घंटों में भारी बारिश हुई है और अगले दो दिनों में और बारिश होने की उम्मीद है। गुरुवार सुबह छह बजे समाप्त हुए पिछले 36 घंटों में, दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले के पारदी तालुका में 182 मिमी तक बारिश हुई।

संदिग्ध हालत में मिला युवक का शव

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिला मुख्यालय काजलगांव में सर्किट हाऊस के सामने आज तड़के एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला। शव एक गुलमोहर के पेड़ पर प्लास्टिक की रस्सी से लटकता हुआ मिला। लेकिन, रहस्यमय तरीके से मृतक के पैरों को स्थानीय लोगों ने जमीन से चिपके हुए देखा। युवक ने आत्महत्या की है या किसी ने उसकी हत्या कर उसे पेड़ पर लटका दिया है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से महज 50 मीटर की दूरी पर संदिग्ध परिस्थितियों में यह शव मिला। मृतक की पहचान चिरांग जिले के बिजनी पुलिस थाने के अंतर्गत फसलाबाड़ी गांव निवासी समेश्वर बसुमतारी (25) के रूप में हुई। बाद में काजलगांव थाने की पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए काजलगांव के जेएसबी सिविल अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक समेश्वर बासुमतारी अपनी पत्नी के साथ काजलगांव के वैखूनगांव में किराए के घर में रहकर मजदूरी कर जीवकोपार्जन कर रहा था।

पृष्ठ एक का शेष

बकरीद है शांति का ...

निर्देशानुसार के साथ करें। ईद के मौके पर असम के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लोगों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद पेश की। सीएम ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि ईद का त्योहार लोगों को इंसानियत के आदर्शों पर चलते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि ईद उल अजहा का त्योहार त्याग, धर्मपरायणता, मानवता और भाईचारे के लिए प्यार को दर्शाता है। ये उच्च आदर्श सभी के बीच बंधन को मजबूत करेगा। सीएम ने आगे कहा कि शांति, भाईचारे और मानवता की भावना सभी का मार्गदर्शन करेगी। गवर्नर गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि मैं तमाम लोगों से अपील करता हूं कि एक-दूसरे के लिए बलिदान की भावना को पुनर्जीवित करें और राष्ट्र की भलाई के लिए आगे आएं।

मेरा वेलकम चाय...

गया है कि वक्ता के अलावा कोई अन्य धन्यवाद प्रस्ताव ना करे। मुख्यमंत्री के रात्रि प्रवास के मामले में अगली सुबह का कार्यक्रम वाणिज्यिक वृक्षारोपण से शुरू होना चाहिए। परामर्श में कहा गया कि चाय कुल्हड़ में दी जानी चाहिए और पानी को एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक की बोतलों के बजाए कांच की बोतलों या जगों में रखा जाना चाहिए। दोपहर के भोजन और रात के खाने का मेन्यू हमेशा असमिया/स्थानीय आदिवासी मेन्यू के साथ साधारण शाकाहारी भोजन होना चाहिए। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर सिन्हा ने ट्वीट किया कि यह परामर्श इसलिए जारी किया गया है क्योंकि मुख्यमंत्री चाहते हैं कि किसी भी वीआईपी संस्कृति से बचा जाए और सादगीपूर्ण संस्कृति को अपनाया जाए।

एसआई के दोषी ...

को पुलिस स्टेशन का दौरा करने और प्रत्यक्ष रिपोर्ट सौंपने को कहा। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर डीजीपी सिंह ने आश्वासन दिया कि पुलिस स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी सीडब्ल्यूआर को आज दौरा करने और प्रत्यक्ष रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। पीएस के पास सीसीटीवी कवरेज है इसलिए उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। सिंह ने ट्वीट किया कि अगर यह सच पाया गया तो कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि एक नाबालिग लड़की ने पुलिस अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उस पर उसकी नग्न तस्वीरें खींचने और लॉक-अप के अंदर अन्य अधिकारियों के सामने उसे परेशान करने का आरोप लगाया था। एफआईआर के मुताबिक घटना 26 जून की रात की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीड़ित लड़की कथित तौर पर पिछले 21 जून को अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी। बाद में, उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया और घाघरापार पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उन्हें उस रात लॉकअप के अंदर रखा गया था। लड़की का आरोप है कि एसआई ने उसे कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया। अधिकारी ने उसे धमकी भी दी जिसके बाद वह डर गई और उसने अपने कपड़े उतार दिए। एसआई द्वारा कई नग्न तस्वीरें खींची गईं और उसने अपने अश्लील हावभाव से मुझे परेशान करने की भी कोशिश की। सुबह मैंने एक महिला पुलिस अधिकारी को घटना के बारे में सूचित किया था, लेकिन उन्होंने मुझे चुप रहने के लिए कहा कि लड़की ने अपने शिकायत पत्र में आरोप लगाया। बाद में, नलबाड़ी पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पीएम से सीएम...

दौरान मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने राजस्व जुटाने सहित विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में राज्य की गई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए एक समग्र वित्तीय परिदृश्य प्रस्तुत किया। उन्होंने पूंजीगत सहायता और हस्तांतरण निधि की अग्रिम रिलीज के मामले में असम को उदारतापूर्वक समर्थन देने के लिए वित्त मंत्रालय की हार्दिक सराहना की। डॉ. शर्मा ने कहा कि इन पहलों ने असम को कल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ पूंजीगत व्यय में तेजी लाने में मदद की है। मुख्यमंत्री ने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट कर कहा कि उन्हें आज नई दिल्ली में वित्त मंत्री से मुलाकात करके खुशी हुई है।

मणिपुर : दंगाइयों और ...

पहली बार झड़पें हुईं थी। जानकारी के मुताबिक, मणिपुर में मैतेई लोगों की संख्या करीब 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं, आदिवासी-नगा और कुकी की आबादी करीब 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और ये पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

सिलचर : दो समुदायों ...

मिलते ही दक्षिणी रेंज के डीआईजी कंकंज्योति सैकिया, पुलिस अधीक्षक नोमल महतो और सामान्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इलाके में बड़ी संख्या में सीआरपीएफ की तैनात की गई है। खबर लिखे जाने तक पुलिस व वरिष्ठ अधिकारी अशांत क्षेत्र में ही मौजूद थे। घटना को लेकर कुछ आरोप लगाया कि ईद के दिन कुर्बानी दिए गए जानवर का खून हिंदू घरों पर छिड़का गया। इसे लेकर ही इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया। वहीं इस्लाम धर्म से जुड़े कुछ लोगों ने शिकायत की कि ईद की नमाज के बाद पंचायत रोड स्थित मस्जिद के पास कुछ बकरों की कुर्बानी देने के दौरान कुछ लोगों के वीडियो बनाने के साथ ही कुर्बानी देने वालों को गालियां दे रहे थे। इसके बाद इलाके में उत्तेजना फैल गई। तनाव उत्पन्न होने के बाद स्थानीय लोगों ने पंचायत रोड से जुड़े तेमथा में सड़क पर विरोध प्रदर्शन कर यातायात अवरुद्ध कर दिया। घटना पर दक्षिणी रेंज के डीआईजी कंकंज्योति सैकिया और पुलिस अधीक्षक नोमल महतो ने बताया कि दोनों समुदायों के बीच गलतफहमी के कारण विवाद हुआ है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि हर स्थिति में शांति और व्यवस्था बनाए रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

मंत्रिपरिषद की बैठक...

अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ यहां बैठक की थी। जिसके बाद से ही मंत्रिपरिषद में संभावित फेरबदल की अटकलें तेज हो गई थीं। बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में नड्डा की मौजूदगी से सरकार और भाजपा संगठन में बदलाव की अटकलें शुरू हुईं। इसमें पार्टी साल के अंत में होने वाले अहम विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी संगठन में बदलाव की संभावना को लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में अमित शाह, नड्डा और भाजपा महासचिव (संगठन) बी एल संतोष ने संगठन और राजनीतिक मुद्दों पर कई दौर की चर्चा की है। गौरतलब है, इस वर्ष के अंत में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम में चुनाव होने हैं, जिसको लेकर भाजपा अभी से सक्रिय हो गई है। बुधवार शाम हुई अमित शाह, जे पी नड्डा और बी एल संतोष की हुई पीएम मोदी के साथ हुई बैठक से इसके संकेत मिल रहे हैं।

त्रिपुरा रथ यात्रा ...

लाए गए सात लोगों में से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताते चलें कि लोहे से बने रथ को हजारों श्रद्धालु खींच रहे थे और तभी यह 133 केवी ओवरहेड केबल के संपर्क में आ गया। रथ के कुछ हिस्सों में तुरंत आग लग गई, जिससे सात लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर सीएम माणिक साहा ने हाईटेंशन तार की चपेट में आने से छह लोगों की मौत पर दुख जताया। वो कुमारघाट जाकर घटना की जानकारी ली। त्रिपुरा में उल्टा रथयात्रा हादसे पर दुख जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया। उन्होंने घोषणा की कि हादसे में मृतकों के परिवारों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को चार लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने घायलों का पूरा खर्च उठाने का निर्णय लिया है। वहीं हादसे में 60 प्रतिशत झुलसे लोगों को 2.50 लाख और 40 से 60 प्रतिशत झुलसे लोगों को 74 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

मणिपुर के लोगों ...

गांधी को मणिपुर में रोके जाने को लेकर आज कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने दिल्ली में प्रेसवार्ता कर विरोध जताया। श्रीनेत ने कहा कि मणिपुर हिंसा को दो महीने हो गए लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंसा की भर्त्सना और शांति की अपील नहीं की। गृह मंत्री के दौरे के बाद हिंसा और बढ़ गई। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल पूछा कि आखिर मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए आपका प्लान क्या है? जब हिंसा रोकनी है तब आप राहुल गांधी को रोक रहे हैं। हाथरस, लखीमपुर जाते हुए भी राहुल को रोका था लेकिन इतिहास साक्षी है कि राहुल जहां जाने के लिए निकलते हैं, वहां पहुंचते जरूर हैं। श्रीनेत ने कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता में मणिपुर नहीं है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर बात नहीं करते हैं। मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़की थी। अभी तक इस हिंसा में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। मणिपुर में हुई हिंसा पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने भी दुख प्रकट किया था और वहां के लोगों से शांति की अपील की थी।

फ्लेक्स फ्यूल कारें ...

हर किसी का काम हो जाए। मैंने राजनीति से परे हमेशा ऐसा किया है। भाजपा ने हमें सभी के साथ न्याय करना सिखाया है और यह हमें मजबूत बनाता है। मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं, लेकिन सरकार देश के लोगों की है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में मैंने सड़क विकास पर राजानीति से हट कर के काम किया है। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है वहां के मुख्यमंत्री विकास परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उनसे मिलने आते हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी हाल ही के दिनों में मुझसे मिलने आईं और कई परियोजनाओं पर चर्चा की। नितिन गड़करी ने कहा कि देश में सड़कें कई राज्यों से होकर गुजरती हैं। वहां पर कांग्रेस या फिर भाजपा का शासन हो सकता है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल ही नहीं है कि कांग्रेस शासित राज्यों में विकास कार्यों को बंद कर देना चाहिए। देश में जो भी सड़कें बनती है वह यहां के लोगों के लिए है। मैं भाजाप का कार्यकर्ता हूं, लेकिन पहले भारत सरकार का मंत्री हूं और देश के लोगों की सेवा करना मेरा सबसे पहला जिम्मेदारी और कर्तव्य है।

चीन ने जान-बूझकर ...

विशेष रूप से गहन करने पर जोर दिया गया था, जिससे कोरोना वायरस का प्रभाव दुनिया में काफी दिनों तक चलता रहे। शोधकर्ता चाओ शाओ के अनुसार संदेह है कि चीन का असली मकसद दुनिया में वायरस को फैलाना था, क्योंकि स्वास्थ्य की स्थिति की जांच के लिए वायरोलॉजिस्ट की आवश्यकता नहीं होती है। हालांकि इस महामारी से पूरी दुनिया में 70 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और अब भी इसके पूर्ण इलाज के लिए वैज्ञानिक दवाएं एवं वैक्सीन की खोज की जा रही है।

मणिपुर से 12000...

मांग की थी, लेकिन करीब दो महीने बाद भई मिजोरम सरकार के हाथ खाली पड़े हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मिजोरम जो कि हिंसा प्रभावित मणिपुर के साथ करीब 95 किलोमीटर की सीमा को साझा करता है, 3 मई को हिंसा शुरू होने के बाद 12000 से अधिक विस्थापितों को शरण दिया हुआ है। इनमें अधिकतर राहत शिविरों में हैं जबकि कुछ लोग अपने रिश्तेदारों के यहां रूके हुए हैं। मिजोरम के गृह आयुक्त लालेंगमाविया ने कहा कि अब तक हमें मदद के रूप में एक भी पैसा केंद्र सरकार की ओर से नहीं मिला है। हम चर्च, समाजिक संगठनों और लोगों के योगदान के जरिए प्रभावितों को राहत प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर केंद्र सरकार तुरंत कोई कदम नहीं उठाती है तो करीब दो सप्ताह बाद हमारे पास लोगों की मदद के लिए संसाधनों की कमी हो जाएगी। बेहद कम बजट के बावजूद भी लोगों को सुविधाएं प्रदान करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बहुत सारे छात्रों को मिजोरम के स्कूलों में एडमिशन दिया गया है। बता दें कि मणिपुर में अभी शांति नहीं लौटी है। कई जिलों में कर्फ्यू जैसे हालात हैं, इंटरनेट और स्कूल सब बंद पड़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले आईजोल जिले में 4000 से अधिक विस्थापित शरण लिए हुए हैं। इनके लिए यंग मिजो एसोसिएशन (वाईएमए) की ओर से 12 राहत शिविर चलाए जा रहे हैं। सेंट्रल वाईएमए के सहायक सचिव ने कहा है कि संगठन ने राज्य सरकार से और अधिक राहत शिविर स्थापित करने की अपील की है। मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद राज्य के करीब 37000 लोग राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं जबकि हजारों की संख्या में लोग अन्य राज्यों में पलायन कर गए हैं। राज्य से बिल्कुल सटे होने की वजह से सबसे ज्यादा लोग मिजोरम में रूक हुए हैं। सोमवार शाम तक मिजोरम में मणिपुर से विस्थापित लोगों की संख्या 12162 थी, जिनमें से 2,937 लोग 35 राहत शिवरों में रह रहे थे और बाकी लोग अपने दोस्त, रिश्तेदार और परिवार के यहां रह रहे हैं। राज्य के शिक्षा निदेशक की मानें तो विस्थापितों में करीब 1500 से अधिक बच्चे भी हैं। इनमें प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के बच्चे शामिल हैं। हिंसा की वजह से इन बच्चों की पढ़ाई खराब न हो इसके लिए मिजोरम की सरकार ने अपने स्कूलों में एडमिशन दे दिया है। अगले कुछ दिनों में बच्चों की संख्या में और बढ़ोतरी होने की आशंका है क्योंकि मणिपुर में हिंसा अभी भी जारी है। इन लोगों के पास कोई डॉक्यूमेंट्स नहीं है फिर भी इनकी विपरित परिस्थितियों को देखते हुए स्कूलों में प्रवेश दिया गया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(आध्यात्मिक वंदना)

वाणी नाम पुकारते, मन में मनन तुम्हार।
मन वाणी में रमि रहे, अब क्या करों सम्हार॥ 25॥

शब्दार्थ : (रमि) व्यापक (सम्भार) रोकना।

भाष्य : वाणी तेरे ही नाम की पुकार कर रही है एवं मन में तुम्हारा मनन है एवं जिसके द्वारा तेरी पुराकर और मनन होती है, उस मन-वाणी में तू सदैव व्यापक है। अब क्या संभाल कर तेरी भक्ति की जाए? सर्वव्यापक प्रभु, सर्वत्र मन-वाणी-आत्मा में रम रहा है। अब परम साक्षात्कार के पश्चात कौन सा साधन करना है? परब्रह्म-प्राप्ति के पश्चात आनंद-उपभोगी आत्मा पूर्ण सफल हो कृतकृत्य हो जाती है, उसे अब कुछ करना शेष नहीं रह जाता।

ध्यान समाधी अब कहाँ, हम तुम माहिं समाय।
तु तु तु ही रहि गया, सहज समाधि जगाय॥ 26॥

शब्दार्थ : (अनन्य गति) अनन्यशरण (स्वामी) मालिक (सेवक) दास (परभाव) प्रकाश।

भाष्य : जब आत्मा, प्रकृति-आधार छोड़कर अपने चेतनस्वरूप से परब्रह्म को प्राप्त कर लिया और उसमें तन्मय हो कर अपने शब्दस्वरूप को प्राप्त कर लिया, तब ध्यान और समाधि किसकी की जावे। अब तो चारों ओर भीतर-बाहर वही परमप्रभु प्रकट दिख पड़ रहे हैं और स्वाभाविक गति से सहज-समाधि सदैव जगी रहती है।

भारतीय सीमा में घुसा बाइक सवार संदिग्ध बांग्लादेशी, तलाश में जुटी बीएसएफ और पुलिस

आतंकवादी होने की आशंका में सीमावर्ती जिले करीमगंज में खौफ

करीमगंज (हिंस)। जिले से लगने वाली भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित सुतारकांदी - शियोला लैंड पोर्ट के रास्ते बुधवार की अपराह्न बाइक से एक संदिग्ध बांग्लादेशी सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर भारत में घुस गया। इसके बाद पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस उसको सरगर्मी से तलाश कर रही है। इसी बीच देर रात उसकी बाइक को बरामद कर लिया गया है। इस घटना को लेकर गुरुवार की सुबह बीएसएफ और बीजीबी के बीच एक फ्लैग मीटिंग हुई है। सूत्रों के मुताबिक एक संदिग्ध युवक बुधवार को करीब 4.40 मिनट पर बीएसएफ की 167वीं बटालियन के नौ जवानों को चकमा दे गया। सुतारकांदी-शियोला लैंड पोर्ट पर भारतीय बीएसएफ शिविरों में ड्यूटी पर थे। इसी बीच सिलहट रजिस्ट्रेशन की एक लाल रंग की बाइक बांग्लादेश के सिलहट डिवीजन के बियानी बाजार शेओला की सीमा की ओर तेज रफ्तार से आई। इससे पहले जब तक बीएसएफ के जवान कुछ समझ पाते, बाइक सवार तीन बैरिकेड सहित सुतारकांदी लैंड पोर्ट को पार कर भाग गया। इसके बाद शिविर में तैनात बीएसएफ के जवानों ने उसका पीछा किया, लेकिन बाइक सवार संदिग्ध बांग्लादेशी युवक फकीराबाजार की ओर भागने में सफल हो गया। इस घटना के बाद सुतारकांदी में हड़कंप मच गया। घटना की खबर मिलने के बाद बीएसएफ के आला अधिकारी और करीमगंज पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी सीमा पर पहुंच गये। हालांकि पुलिस और बीएसएफ की ओर से इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। सदर पुलिस ने शहर के कई स्थानों पर छापेमारी की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। बीती रात 11 बजे के आसपास बाइक को करीमगंज शहर के अशोक टेक्सटाइल के पास से पुलिस ने बरामद कर लिया है। फकीराबाजार और सेटलमेंट इलाके के दो व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी फुटेज में हेलमेट और पीठ पर बैग लादे युवक को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे करीमगंज की ओर जाने की जानकारी मिली। बीएसएफ ने इस घटना की पूरी जानकारी बांग्लादेश की 52वीं बांग्लादेश बार्डर गार्ड (बीजीबी) को दी। गुरुवार की सुबह दस बजे बीएसएफ और बीजीबी के बीच एक फ्लैग मीटिंग हुई। पूरे करीमगंज शहर एवं आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

जंगली हाथियों ने किया घर-गोदाम तहस-नहस

नगांव (हिंस)। जिले के कामपुर में जंगली हाथियों का तांडव जारी है। जंगलों से भोजन की तलाश में आकर जंगली हाथी भारी उपद्रव मचा जाते हैं। कामपुर के निकटवर्ती कठियातली के रेंगबेंग के शगुन डांगा में बुधवार तड़के जंगली हाथियों ने एक बार फिर उत्पात मचाया। हाथी के हमले में भरत पटेल नाम के शख्स का घर ध्वस्त हो गया। उसके आवासीय परिसर के ज्यादातर पेड़ हाथियों के दल ने नष्ठ कर दिए। इसके अलावा हाथियों ने स्टोर में रखे धान को भी खाकर खत्म कर दिया। घर के लोगों को किसी तरह बचा लिया गया। परिवार के सदस्य जंगली हाथियों द्वारा घर को नष्ठ करने के कारण संकट में पड़ गए हैं। इस गरीब परिवार ने विभागीय अधिकारियों से जल्द से जल्द उनके रहने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है।

भाजपा ने आयोजित किया गुवाहाटी लोस क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों का सम्मेलन

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्र सरकार की नौवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में महा जनसंपर्क अभियान के तहत आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय में गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुवाहाटी लोकसभा के 10 विधानसभा क्षेत्रों से 100 से अधिक बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में गुवाहाटी की सांसद क्वीन ओझा, जिला अध्यक्ष तपन चंद्र दास, प्रदेश सांगठनिक महासचिव फणींद्र नाथ शर्मा, वरिष्ठ नागरिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप ठाकुरिया, असम वित्त निगम के अध्यक्ष विजय गुप्ता, विचित्र नारायण कलिता और अन्य पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह में बोलते हुए सांसद ओझा ने विशिष्ठ नागरिकों को बताया कि कैसे हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में विकास के नए शिखर पर पहुंचा है और कैसे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार ने सकारात्मक बदलाव लाए हैं।

तालाब में गिरने से दो बच्चे की मौत

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत दोतामा थाना के सिमलुगुड़ी गांव में आज तालाब में गिरने से दो बच्चे की मौत हो गई। उक्त घटना से संपूर्ण दोतमा अंचल में शोक का माहौल व्याप्त है। सिमलुगुड़ी गांव निवासी दीपक नार्जारी के दो बेटे फैलाओ नार्जारी (14) और कुणाल नार्जारी (06) घर में कोई न रहने के मौके का लाभ उठाकर घर के बाहर खेलने निकल पड़े। खेलते समय घर के नजदीक

तालाब में गिरने की वजह से दोनों बच्चों की मौत हो गई। ज्ञात हो कि फैलाओ नार्जारी दोतमा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 9वीं का छात्र था और कुणाल नार्जारी शिमलुगुड़ी एलपी स्कूल में कक्षा एक का छात्र था।

एटीएम तोड़कर पैसा निकालने की कोशिश में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के लोखरा इलाके में स्थित एसबीआई की एटीएम मशीन से नकद राशि चोरी करने का प्रयास करने के आरोप में तीन चोरों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि लोखरा की स्थानीय जनता से जानकारी प्राप्त कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। चोरों की पहचान रितेश राज (26, राजिबिग्हा, गया), देवनंदन कुमार (26, बदांयू, फतेहपुर) और प्रमोद सिंह (32, बदांयू, फतेहपुर) के रूप में किया गया है। तीनों लोखरा में एसबीआई एटीएम से नकद राशि चोरी करने का प्रयास कर रहे थे। एटीएम मशीन के ऊपरी हिस्से को खोलने और तोड़ने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान तीनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। तलाशी के

दौरान उनके पास से स्वाइप मशीन समेत कुछ उपकरण मिले। कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वही, गिरफ्तार तीनों अपराधियों के पास से बाबुल इंजल के एटीएम कार्ड अलावा और दो अन्य एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं।

तालाब में नहाने गई दो बहनों की डूबकर मौत

नगांव (हिंस)। जिले के कोलियाबोर के केलिडेन चाय बागान के लंदन बस्ती आदर्श गांव में तालाब में नहाने गई दो बहनों की डूबकर मौत हो गई। बताया जाता है कि दोनों किशोर बहनें तालाब में नहाते समय पानी के नीचे दब गईं। मृतकों की पहचान 11 वर्षीय अमृता सुब्बा और 8 वर्षीय निकिता सुब्बा के रूप में हुई है। दोनों लड़कियां बुधवार की दोपहर अपने घर के पास एक तालाब में नहाने गई थीं। दिनभर तलाब में तलाशी के बाद आखिरकार रात को उनका शव तालाब से बरामद किया गया।

बोड़ोलैंड विवि पाठ्यक्रम से असमिया भाषा हटाना दुखद : हग्रामा महिलारी

चिरांग (हिंस)। पूर्व बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) प्रमुख और बीपीएफ अध्यक्ष हग्रामा मोहिलारी ने आज कहा कि यह बहुत दुखद घटना है कि बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से असमिया भाषा को हटा दिया है। मोहिलारी के अनुसार, इससे असमिया और बोड़ो समाज के बीच दरार उत्पन्न होगी। हग्रामा ने प्रमोद बोड़ो से असमिया या अन्य भाषाओं को लेकर बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा जारी निर्देशों को रद्द करने का अनुरोध

किया। आज, पवित्र ईद उल-जोहा के अवसर पर उन्होंने चिरांग जिले के 1 नंबर दाउखानगर जामे मस्जिद के परिसर में सामूहिक नमाज में भाग लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उपरोक्त बातें कहीं।

विश्वनाथ में कड़क चाय स्टॉल का शुभारंभ

विश्वनाथ। विश्वनाथ चाराली शहर के बीच मेन रोड में ट्रेंडस इंडिया के सन्मुख युवा व्यसायी दीपक शर्मा व अजय सिंह राजपुत ने कड़क चाय नामक स्टॉल का शुभारंभ आज किया गया। स्टॉल का उद्घाटन विश्वनाथ पौरसभा के पौरपति अमर ज्योति बरठाकुर ने लाल फीता काटकर किया। इससे पहले सर्वप्रथम पौरपति अमर ज्योति बरठाकुर को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। इस मौके पर पत्रकार पवन कुमार जोशी, वार्ड कमीश्नर जीवन दास, जिला भाजपा अध्यक्ष पंकज बोरा, पौरपति दीपकसैकिया, हिंदी सेवी संतोष

कुमार महतो आदि अतिथि को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इधर कड़क चाय स्टॉल के शुभारंभ के बाद ग्राहकों में काफी उत्साह नजर आई। इस कड़क चाय का लुप्त उठाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मौके पर समाजसेवी दिलीप शर्मा, सुनील तिवाड़ी, अशोक व्यास, मनीष तिवारी, अंकिता शर्मा, कविता शर्मा, लीला देवी बाखलीवाल, सोनिया अग्रवाल आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

रंगिया : गाजे-बाजे के साथ भगवान जगन्नाथ की निकली वापसी रथयात्रा

रंगिया (विभास)। रंगिया में भगवान जगन्नाथ की वापसी रथयात्रा बुधवार को श्रीश्री राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण से बड़े ही हर्षोल्लास और गाजे बाजे के साथ निकाली गई। रंगिया के पूब सितारा स्थित श्री श्री जगन्नाथ बुरहा गोसाई थान के लिए आयोजित इस वापसी यात्रा में हजारों भक्तों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। मालूम हो कि भगवान जगन्नाथ, स्वामी बलभद्र और भगवती सुभद्रा की रथयात्रा गत 20 जून को श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में पहुंची थी। जहां पूरी जगन्नाथ धाम से आमंत्रित अनुभवी पंडो की देखरेख में भगवान की दैनिक रूप से पूजा अर्चना की गई और सात दिनों बाद श्रीश्री जगन्नाथ बुरहा गोसाई थान के लिए

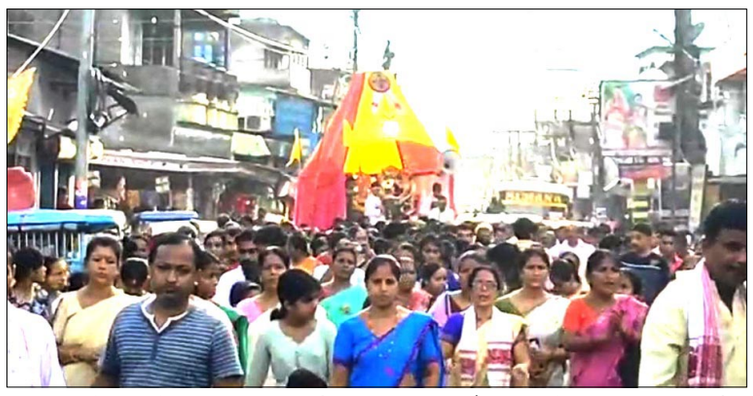

भगवान की वापसी रथयात्रा का आयोजन किया गया। सुबह भगवान जगन्नाथ, स्वामी बलभद्र और भगवती सुभद्रा का आकर्षक श्रृंगार के पश्चात पूजा अर्चना, महाआरती, प्रसाद वितरण कर भगवान की पांडी विजय यात्रा कराई गई। वहीं दोपहर 3 बजे पवित्र त्रिमूर्ति -भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन को भक्तिभाव और विधी-विधान के साथ रथ में विराजमान कर श्रीश्री जगन्नाथ बुरहा गोसाई थान के प्रस्थान कराया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह रहा। रथयात्रा नगर मुख्य मार्गों से होती हुई निकली, जहां जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और प्रभु जगन्नाथ के दर्शन किए। रथयात्रा संध्या अपने गंतव्य स्थल जगन्नाथ बुरहा गोसाई थान तक सफलतापूर्वक पहुंची और इसके पश्चात भगवान की प्रतिमाओं को पूजा-पाठ और मंत्रोच्चार के साथ पुन: मंदिर में विराजमान किया गया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में धूमधाम मनाई गई बकरीद

गुवाहाटी/कोकराझाड़ (हिंस/विभास) अंजुमन मिल्लत ए इस्लामिया गुवाहाटी के एडवाइजर (सलाहकार) मोहम्मद सैमुद्दीन मंसूरी उर्फ (मुखियाजी) ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए बताया कि वर्षा होने के कारण ईदगाहों के बजाए मस्जिदों व मदरसों में नमाज अदा की गई। क्योंकि प्राय: सभी ईदगाहों में नमाज के समय हीं बारिश होने लगी थी व फिल्ड गिला हो गया था ! आगे मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी उर्फ ने बताया कि नमाज सुबह 8.30 शुरु हुई व सुबह 10 बजे दिन में दुआओं के साथ खतम हुई। सुत्रों के हवाले से जानकारी प्राप्त हुई है कि गुवाहाटी के सभी मस्जिदों व मदरसों में सादगी पूर्ण तरीके से नमाजें अता की गई। जैसे जामा मस्जिद इस्लामपुर गुवाहाटी बुढ़ा मस्जिद आमबाड़ी. लखटकिया बड़ी मस्जिद, हिदायतपुर मस्जिद, माछखोआ मस्जिद, आठगांव कब्रिस्तान कंपाउंड मस्जिद, हाथीगांव-सिजूबाड़ी मस्जिद इत्यादि मस्जिदों में सादगी पूर्ण तरीके से नमाजें अदा की गई व देश व दुनियां में अमन-चैन - शांति बनी रहे जिसके लिए दुआएं की गई। यह पर्व अल्लाह को राजी करने के लिए मनाई जाती है ! हजरत इब्राहिम अलैही इस्लाम ने अपने प्यारे बेटे हजरत इस्माईल अलैही इस्लाम को कुर्बानी के लिए अल्लाह के सामने पेश की थी। जैसे हीं कुर्बानी देनी चाही वहां दुम्बा की कुर्बानी हो गई और हजरत इस्माईल अलैही इस्लाम को बकश दिया गया। तब से किसी हलाल जानवरों की कुर्बानी देने की प्रथा शुरू हुई और आज हम लोग इसे बड़ी धूमधाम से मनातें हैं। जो जानवरों की कुर्बानी दी जाती है उसे तीन हिस्सों में बांटा जाता है और एक हिंसे को गरीबों व दूसरे हिस्से को रिस्तेदारों में बांटी जाती है तथा तीसरे हिंसो को खुद अपने लिए रख लिया जाता है। कमेटी की ओर से मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि असम सरकार की तरफ से पुलिस व प्रशासन को तैनात किया गया था। ताकी कोई अप्रिय घटनाएं न घट। वहीं असम सरकार के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को बधाई दी गई। अंत में कमिटी की तरफ से देशवासियों को ईद उल अजहा (ईद) की नमाज की मुबारकबाद व व ढेरों सारी बधाइयां व शुभकामनाएं दी गई। **मिली जानकारी के अनुसार** देश के अन्य हिस्सों की तरह कोकराझाड़ जिलांतर्गत फकीराग्राम, चिथीला, सापटग्राम, दोतमा आदि इलाकों में बकरीद मनाई गई। आज सुबह से ही इलाके के करीब 60 से अधिक ईदगाह मैदानों में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने बकरीद की नमाज अदी की। इस मौके पर मिठाइयों व खिलौने की दुकानों पर काफी भीड़ देखीं गई। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। कोकरझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत मागुरमारी ईदगाह में पश्चिम बंगाल से आये इमाम इफ्तिकार अहमद ने, कोराइतोला ईदगाह मैदान, कोदालधोवा ईदगाह मैदान, कालझाड़ ईदगाह मैदान, फकीराग्राम जामा मस्जिद में स्थानीय लोगों नमाज अदा की। सभी ने संपूर्ण विश्व के साथ असम और बीटीसी में शांति बनी रहे और सभी एक-दूसरे के साथ भाईचारे से जीवन यापन करे इसके लिए नमाज के दौरान दुआ मांगी गई। ईद के मौके पर कोकराझाड़ जिले के साथ फकीराग्राम के विभिन्न अंचलों में असम पुलिस द्वारा सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी।

पूसीरे की दो ट्रेनों में जुड़ेगा विस्टाडोम कोच

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने ट्रेन संख्या 12042/12041 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा- न्यू जलपाईगुड़ी) शताब्दी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 13054/13053 (राधिकापुर-हावड़ा- राधिकापुर) कुलिक एक्सप्रेस में विस्टाडोम कोच जोड़कर ट्रेनों में क्षमता वृद्धि करने का निर्णय लिया है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने गुरुवार को बताया है कि 3 जुलाई से 31 अगस्त तक शताब्दी एक्सप्रेस में मौजूदा कोचों के साथ अस्थायी आधार पर विस्टाडोम कोच जोड़ा जाएगा। इसी तरह कुलिक एक्सप्रेस में मौजूदा कोचों के साथ 3 जुलाई से हावड़ा से और 4 जुलाई से राधिकापुर से विस्टाडोम कोच स्थायी तौर पर जोड़ा जाएगा। इसके मद्देनजर शताब्दी एक्सप्रेस वर्तमान में 14 कोचों के बजाए 15 कोचों के साथ सप्ताह में छह दिन चलेगी। ट्रेन में दो एक्जीक्यूटिव क्लास एसी चेयर कार, 10 एसी चेयर कार और एक विस्टाडोम कोच होंगे।

देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर भजन-कीर्तन का आयोजन

देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर श्रीराम मंदिर रेलवे गेट नं 2 पुलिस रिजर्व के सामने गुवाहाटी में माथुर वैश्य सेवा समिति पूर्वोत्तर गुवाहाटी एवं जानकी महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा भजन कीर्तन कौशल्या ब्यास एवं कमला धूत की देखरेख में बड़े ही सौहार्द पूर्ण वातावरण में दोपहर 3 बजे से हुआ। इस अवसर पर गौरी अग्रवाल, पार्वती मुदड़ा, आशा माहेश्वरी, माया पारिक, सरस्वती मुंदड़ा, अंजना झा, राजू अग्रवाल, मीना गुप्ता, हेमवती जायसवाल के साथ अनेकों भक्तों के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ ही कीर्तन को विश्राम दिया गया। आपका अपना ही अशोक कुमार गुप्ता माथुर वैश्य, माथुर वैश्य सेवा समिति पूर्वोत्तर गुवाहाटी 781007

राज्य के 12 जिलों में बाढ़ का असर, 395 गांवों के 82 हजार से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार के बीच बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्या में इजाफा हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक अभी भी असम के 12 जिलों के 82 हजार 965 से अधिक नागरिक बाढ़ से प्रभावित हैं। हालांकि, राज्य में सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बाढ़ के चलते कई नदियों के तटबंध टूट गए और सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से बुधवार देर शाम तक के बाढ़ प्रभावित जिलों के आंकड़े जारी किए गये हैं। बाढ़ प्रभावित 12 जिलों में बजाली, बरपेटा, बिश्वनाथ, दरंग, डिब्रूगढ़, ग्वालपारा, जोरहाट, कामरूप (ग्रामीण), लखीमपुर, नलबाड़ी, शोणितपुर और तामुलपुर शामिल हैं। बाढ़ से 20 राजस्व सर्किल अंतर्गत 395 गांवों के 82 हजार 965 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 1859.91 हेक्टेयर फसल अभी भी प्रभावित है। बाढ़ से राज्य के कुल 65 हजार 759 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 32 हजार 490 और छोटे पशुओं की 23 हजार 463 है जबकि 9 हजार 806 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान अग्निशमन विभाग की टीम ने एक नाव के जरिए बाढ़ में फंसे व्यक्ति को बचाया। जबकि, कामरूप में एक और लखीमपुर में 4 मेडिकल टीमों ने बाढ़ प्रभावितों की चिकित्सा देखभाल की।

एआईयूडीएफ के विधायक को जेल से भेजा गया अस्पताल

हैलाकांदी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) विधायक निजाम उद्दीन चौधरी को हैलाकांदी जिला कारागार से एसके रॉय सिविल अस्पताल भेजा गया है। जेल में रहने के दौरान उनके रक्त शर्करा का स्तर बढ़ने के बाद उन्हें बीती मध्य रात्रि को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ज्ञात हो कि विधायक का फिलहाल हैलाकांदी सिविल अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है। उल्लेखनीय है कि निजाम उद्दीन चौधरी को थाने के भीतर एक व्यक्ति की पिटाई और तोड़फोड़ की घटना के सिलसिले में बीते कल गिरफ्तार किया गया था।

जेकेजे ज्वेलर्स की ओर से पोलकी ज्वेलरी प्रदर्शनी का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। जयपुर की सबसे लोकप्रिय व प्रसिद्ध ज्वेलरी ब्रांड में से एक जेकेजे ज्वेलर्स की ओर से गुवाहाटी में पोलकी ज्वेलरी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। खानापाड़ा स्थित होटल ताज विभांता में आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी को ग्राहकों ने खूब सराहा। आज जेकेजे ज्वैलर्स के शुभारंभ के मौके पर प्रमोद कुमार मोसून, सुशीला देवी मोसून, जतिन मोसून, राहुल मोसून, दीपिका मोसून आदि मौजूद थे। जेकेजे ज्वेलर्स की ओर से अपने एक्सक्लूसिव आभूषणों के कलेक्शन व डिजाइन के साथ लगाई गई है। प्रदर्शनी में इस बार स्थानीय असमिया टेस्ट को भी ध्यान में रखते हुए कलेक्शन मौजूद हैं। इस सिलसिले में जेकेजे ज्वैलर्स के जतिन मोसून ने बताया कि पिछली बार ग्राहकों से मिले जबरदस्त रिस्पांस को देखते हुए इस बार पहले से ज्यादा व हर रेंज के आभूषण उपलब्ध है। यहां के लोग व उनकी चॉइस की भी दात देनी होगी।

हमरे कलैक्शन को यहां के ग्राहकों ने खूब सराहा और खरीदारी भी की। उन्होंने बताया कि इस बार गुवाहाटी में आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी में डायमंड और पोल्की के एकया कलेक्शन प्रस्तुत किए गए, जो अपने आप में एक हैं। आगामी त्यौहार एवं वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए कई पोल्की व जड़ाऊ के यूनिक कलेक्शन भी गुवाहाटी की प्रदर्शनी में पेश किए गए हैं, जो चुनिंदा पेशेवर कारीगरों द्वारा तराशी गई हैं। हमारा मानना है कि हर लड़की व महिला अपने आप में एक सेलिब्रिटी है और अपने आपको एक सेलिब्रिटी की तरह ही हमरे आभूषण पहनने के बाद महसूस करती है। उन्होंने कहा की जेकेजे ज्वैलर्स 1868 में स्थापित एक विश्वसनीय ब्रांड है, जिसके जयपुर में तीन शोरूम है। यह शोरूम एमआई रोड, मानसरोवर और विद्याधर नगर में स्थित हैं, जहां देश के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं और अपने पसंदीदा आभूषणों की खरीदारी उचित दरों पर करते हैं। जेकेजे ज्वैलर्स की स्थापना सत्यनारायण मोसुन ने की थी। आज जेकेजे ज्वैलर्स की बागडोर उनके भाई श्याम सुंदर, प्रमोद सहित उनके पुत्र पुखराज, सुनील, अनिल, जतिन, चेतन, जय मोसुन संभाल रहे हैं। उन्होंने सभी गुवाहाटी वासियों से आह्वान किया कि वह लोग होटल ताज विवांता पहुंचे और उनके कलेक्शन को देखें। साथ ही गुवाहाटीवासी जयपुर आकर जेकेजे ज्वैलर्स के शोरूम में कलेक्शन को देखें एवं खरीदारी कर अपने खास मौकों को और यादगार बनाएं।

जेपी नड्डा ने किया भरतपुर में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन, कहा-मां, बेटे और बेटी की पार्टी बनी कांग्रेस

भरतपुर, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने काली बगीची स्थित भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने भाजपा नेताओं व कार्यकताओं को संबोधित किया। यहीं से जैसलमेर के कार्यालय का उद्घाटन व बाड़मेर कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। भरतपुर में कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद नड्डा ने भाजपा नेताओं और कार्यकताओं से संवाद किया और दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि सभी पार्टियां परिवारों की पार्टी बन गई हैं। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जहां पार्टी ही परिवार है। उमर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर में परिवार की पार्टी, फारुख अब्दुल्ला परिवार की पार्टी, मुफ़्ती मोहम्मद की बेटी महबूबा मुफ़्ती परिवार की पार्टी, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल परिवार की पार्टी, हरियाणा में परिवार की पार्टी, 24 करोड़ जनसंख्या का प्रदेश है उत्तर प्रदेश, वहां भी समाजवादी पार्टी परिवार की पार्टी से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में हमारी लड़ाई आरजेडी से है, लालू यादव, तेजस्वी यादव परिवार की पार्टी, बंगाल में हम टीएमसी से लड़ रहे हैं ममता बनर्जी और उनका भतीजा अभिषेक वह भी परिवार की पार्टी, बीजू जनता दल नवीन पटनायक की पार्टी, वाईएसआर आंध्र कांग्रेस आंध्रप्रदेश परिवार की पार्टी, चंद्रशेखर राव परिवार की पार्टी, तमिलनाडु में डीएमके कालीन परिवार की पार्टी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना परिवार की पार्टी, ये सभी परिवार की पार्टियां हैं। अब तो कांग्रेस भी मां, बेटे, बेटी की पार्टी बन गई है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने वंशवाद को चैलेंज करके, रिपोर्ट कार्ड की राजनीति को खड़ा किया और जनता के लिए काम करने के लिए जुटे। वोट बैंक की पॉलिटिक्स को खत्म कर विकासवाद की पॉलिटिक्स को आगे बढ़ाया है। भाजपा में पार्टी ही परिवार है और सभी को साथ लेकर चलती है। नड्डा ने कहा कि भाजपा के 500 से ज्यादा कार्यालय बन चुके हैं। 15 कार्यालय राजस्थान में बन चुके हैं। नड्डा ने शुरूआती दिनों को याद करते हुए कहा कि किसी समय में भाजपा के पास कार्यालय के किराये के पैसे नहीं थे। पार्टी को बनाने में लोगों ने चार-चार पीढ़ियां खपा दीं। किसी से दरी मांग कर लाते थे, पंखा लगाने के लिए डोनेशन लेकर आते थे, कमरे का किराए देने की स्थिति भी नहीं होती थी। उसके लिए भी कोई न कोई दाता ढूंढना पड़ता था। इन विपरीत परिस्थितियों में विचारधारा को आगे बढ़ाया। आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी और विचारयुक्त पार्टी है। हमने एक नया राजनीति का आयाम शुरू किया। नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले भारत एक भ्रष्टाचारी के रूप में देखा जाता था। घोटाले पर घोटाले होते थे। 2जी, 3जी, 4जी पानी के अंदर घोटाला, आसमान में घोटाला, कोयला स्कैम एक पर एक घोटाला प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद दुनिया में भारत का डंका बजा। दुनिया में भारत की ख्याति बनी, 2014 से पहले जब भी कोई अंतरराष्ट्रीय नेता भारत के बारे में चर्चा करता था तो वह इंडिया और पाकिस्तान कहता था। मोदी के आने के बाद अब जब इंडिया की चर्चा होती है। अब इंडिया इंडिया है पाकिस्तान गोल हो गया। अब पाकिस्तान की कोई चर्चा नहीं करता। पाकिस्तान से भारत को जोड़ना खत्म हो गया। 2014 से पहले भारत का कोई प्रधानमंत्री अमेरिका जाता था तो टेररिज्म और पाकिस्तान की चर्चा होती थी। अब प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका गए तो दोनों देशों के रिश्तों ने नई ऊचाइयां ली हैं। अब विकास पर समझौता होता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में सबसे ज्यादा पैसा राजस्थान को दिया गया। यह दुख के साथ बताना पड़ता है, सबसे खराब परफॉर्मेंस राजस्थान की है। राजस्थान का 32 में से 29वां नंबर है। यह प्रदेश भ्रष्टाचार में आगे है। यह प्रदेश रेप में नंबर एक पर खड़ा है। महिला उत्पीड़न हो रहा है। यह भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ प्रदेश है। आने वाले चुनाव में यहां भी कमल खिलना चाहिए।

राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर भाजपा ने साधा निशाना, बताया गैरजिम्मेदाराना कदम

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे गैरजिम्मेदाराना कदम बताया है। गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि मणिपुर की स्थिति विरासत के मुद्दे के कारण है, जिसमें कांग्रेस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भाजपा उन मुद्दों को उजागर नहीं करना चाहती, क्योंकि वे मुद्दे संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि ऑल मणिपुर स्टूडेंट्स यूनियन ने कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी के दौरे का बहिष्कार करने की मांग की और उन विरासती मुद्दों को गिनाया। कई सामाजिक संगठनों ने भी आह्वान किया था कि राहुल गांधी को मणिपुर आकर चिंगारी नहीं भड़कानी चाहिए। राहुल गांधी का व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना है। राहुल गांधी कभी जिम्मेदारी से कोई काम नहीं करते। उन्होंने कहा कि जब मणिपुर में हालात ऐसे हैं तो थोड़ी संवेदनशीलता होनी चाहिए, जिद नहीं होनी चाहिए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, राहुल गांधी को मणिपुर जाने से किसी ने नहीं रोका लेकिन राहुल गांधी के मणिपुर दौरे की खबर के बीच बहुत विरोध प्रदर्शन हुआ।

अमरनाथ यात्रा : जम्मू के आधार शिविर से आज रवाना होगा पहला जत्था

बालटाल व पहलगाम दोनों मार्गों पर सुरक्षा व सुविधा के व्यापक इंतजाम
दोनों यात्रा मार्गों पर शिव भक्तों के स्वयंसेवी संस्थाओं ने लगाए 120 लंगर

जम्मू, (हि.स.)। वार्षिक अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू होने से पहले बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों का जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर यात्री निवास में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस आधार शिविर से शुक्रवार यानी 30 जून को पहला जत्था बालटाल और पहलगाम के आधार शिविर के लिए रवाना होगा। इन दोनों आधार शिविरों से शनिवार को श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर अपनी यात्रा आरंभ करेंगे। बफार्नी बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप में पहुंचना शुरू हो गए हैं। यात्रा के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इसके लिए जम्मू शहर में तत्काल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। यात्रा पंजीकरण के लिए भोले के भक्त कतारों में सुबह से ही लगे हुए हैं। बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को उत्साह देखते ही बन रहा है। पूरा शहर बम बम भोले के जयकारों से गूंजना शुरू हो गया है। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 62 दिन चलेगी। यात्रा 1 जुलाई को शुरू होकर 31 अगस्त को सम्पन्न होगी। हिंदुओं के लिए इस यात्रा का एक अलग ही महत्व है। तीर्थयात्रा पहलगाम में नुनवान और कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल के रास्तों से शुरू होगी। इन दोनों यात्रा मार्गों पर करीब 120 लंगर लगाए गए हैं। लखनपुर से लेकर बालटाल व पहलगाम तक करीब 50 लंगर हैं। उधमपुर जिले में जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर ही कुल 22 लंगर लगाए गए हैं। इसी बीच राज्य के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव राज कुमार गोयल, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव मंदीप कुमार भंडारी ने अमरनाथ यात्रा के दोनों तीर्थ मार्गों का व्यापक दौरा किया था। अधिकारियों ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए बलों और अन्य लोगों के बीच पूर्ण समन्वय पर ध्यान केंद्रित करने और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान पर जोर दिया। यात्रा शुरू होने से पहले अनंतनाग जिला प्रशासन ने चिकित्सा, स्वच्छता और अन्य सहित सभी सुविधाओं की व्यवस्था की है। डिप्टी कमिश्नर अनंतनाग सईद फखरुद्दीन हामिद ने कहा कि इस साल आरआईएफडी, स्वच्छता, लॉगिंग की सभी व्यवस्थाएं की गई हैं और सभी विभाग यात्रा के लिए काम कर रहे हैं। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक सद्भाव बल्कि सांप्रदायिक सद्भाव का भी प्रतीक है। अमरनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस बार दोनों आधार शिविरों में ही नहीं बल्कि पूरे यात्रा मार्ग पर चिह्नित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। पवित्र गुफा, पंचतरणी, शेषनाग में भी हेलीपैड तैयार किए गए हैं, ताकि आपात परिस्थितियों में राहत कार्यों में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। इलाके में सात हेलीपैड तैयार किए गए हैं, जिन पर रात को भी हेलीकॉप्टर उतर सकता है। बालटाल बेस कैंप और पवित्र गुफा तक के रास्ते में 1243 स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इसके अलावा चिन्हित स्थानों पर जनशक्ति और ईंधन के साथ 19 जेनसेट भी लगाए गए हैं। बफीर्ले पहाड़ों के बीच 3888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा की सुरक्षा की जिम्मेदारी पारंपरिक रूप से सीआरपीएफ के पास रहती है, लेकिन इस बार यह जिम्मेदारी इंडो तिब्बत बॉर्डर (आईटीबीपी) पुलिस को दी गई है। माना जा रहा है कि इस बार अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव मणिपुर हिंसा की वजह से भी हुआ है।

विपक्षी पार्टियों ने 70 वर्षों तक धारा 370 को गोद में बिठा कर रखा : अमित शाह

पटना, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी गठबंधन पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि इन्होंने धारा 370 को 70 वर्षों तक गोद में बिठा कर रखा। कांग्रेस, जदयू और राजद सभी लोग धारा 370 को लगाकर बच्चों की तरह गोदी में खिलाते थे। दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर नरेन्द्र मोदी ने 05 अगस्त, 2019 को धारा 370 को उखाड़ कर फेंक दिया। शाह लखीसराय के गांधी मैदान में गुरुवार को जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पलटूराम नीतीश बाबू कहते हैं कि 9 साल में क्या किया? नीतीश बाबू जिनके कारण आप मुख्यमंत्री बने, जिनके साथ इतना साल बैठे कुछ तो लिहाज करो। नीतीश बाबू आप सुनना चाहते हो तो पूरा हिसाब देने आया हूं। अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर-घर पहुंच रहा है। मोदी सरकार ने 18 हजार करोड़ रुपये किसानों के खाते में डालने का काम किया। मुंगेर में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज बनाने का काम भी नरेन्द मोदी ने ही किया। इसके साथ रोडवेज के लिए 3 लाख करोड़ के 13 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे नरेन्द मोदी ने दिए हैं। केंद्र सरकार ने बिहार में 3 हजार 400 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग की परियोजनाएं लागू की। 230 किलोमीटर लंबा असम-दरभंगा एक्सप्रेस-वे का काम शुरू हुआ। बिहार में अलग-अलग योजनाओं में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत 175 करोड़ की लागत से सड़क बनाया। रेलवे में 13 हजार 400 करोड़ से पटना में मेट्रो का काम शुरू किया। अमित शाह ने कहा कि नरेन्द मोदी ने समग्र देश में ढेर सारे इंफ्रास्ट्रक्चर के काम किए हैं। बिहार को विकास कार्यों से मोदी सरकार ने पाट दिया है। इनमें मुंगेर से बेगूसराय तक रेल सड़क को डबल करने का काम हो या फिर पुल के निर्माण का काम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ही किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमित शाह की रैली से 2024 में बिहार के सीएम नीतीश कुमार की राजनीति खत्म हो जाएगी। इस रैली का असर पूरे 40 लोकसभा सीटों पर पड़ेगा। अमित शाह की हुंकार बिहार में नीतीश के खात्मे का संकेत होगी। उल्लेखनीय है कि तय कार्यक्रम के मुताबिक अमित शाह आज 1:00 बजे पटना एयरपोर्ट पर पहुंचे। फिर हेलीकॉप्टर से लखीसराय के लिए रवाना हुए। तकरीबन 2:00 बजे लखीसराय पहुंचने के बाद उन्होंने यहां के अशोक धाम में 40 मिनट तक पूजा-अर्चना किया। फिर 3:00 बजे उनकी जनसभा हुई। जनसभा के बाद 4:00 बजे से लेकर 5:00 बजे तक उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की। इसमें 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। अमित शाह शाम 6:00 बजे पटना से विशेष विमान से दिल्ली लौट जाएंगे।

महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिराव फुले, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के एकीकरण का जोरदार स्वागत

- महाराष्ट्र में अब 1.5 लाख की जगह 5 लाख तक का हेल्थ कवर देने का फैसला
- राज्य सरकार करीब 2 करोड़ कार्ड बांटेगी, अस्पतालों की संख्या भी बढ़ेगी

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कैबिनेट की बैठक में राज्य की महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना और केंद्र की आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को मिलाकर नागरिकों को 5 लाख रुपये तक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय का जोरदार स्वागत किया जा रहा है। इस योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से करीब 2 करोड़ कार्ड बांटे जाएंगे और अस्पतालों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इस जन आरोग्य योजना में किडनी सर्जरी के लिए वर्तमान उपचार लागत सीमा 2.5 लाख रुपये को बढ़ाकर 4.5 लाख रुपये कर दिया गया है। महात्मा फुले योजना में 996 और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 1209 रोगों के उपचार शामिल हैं। इनमें से 181 अनावश्यक उपचारों को बाहर करके 328 नए उपचार शामिल किए जाएंगे। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कुल उपचारों की संख्या में 147 की बढ़ोतरी गई है, जो अब 1,356 हो जाएगी। यह अतिरिक्त इलाज भी महात्मा ज्योतिराव फुले योजना के अंतर्गत कवर किया जाएगा। इसलिए इस योजना में इलाज की संख्या 360 बढ़ जाएगी। इन दोनों स्वास्थ्य योजनाओं में अस्पतालों की संख्या एक हजार है। महात्मा फुले जन आरोग्य योजना पहले ही महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा क्षेत्र में लागू की जा चुकी है। महाराष्ट्र में 140 अस्पतालों और कर्नाटक के चार सीमावर्ती जिलों में 10 अतिरिक्त अस्पतालों को इस योजना में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा 200 और अस्पतालों को भी मान्यता दी जायेगी। इसी तरह महात्मा फुले जन आरोग्य योजना में बालासाहेब ठाकरे सड़क दुर्घटना बीमा योजना भी शामिल की जाएगी। इसी प्रकार प्रति मरीज 30 हजार रुपये की उपचार लागत सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये प्रति मरीज किया जाएगा।

एनएसए डोभाल के ओमान दौरे से बौखलाया चीन, पाकिस्तान को लगी मिर्ची

नई दिल्ली (ईएमएस)। एनएसए अजित डोभाल ओमान के एक दिवसीय दौरे पर हैं। इससे चीन और पकिस्तान बौखला गया है। बता दें कि ओमान का मस्कट भारतीय सेनाओं के लिए सामरिक ठिकाना है। जहां से चीन और पाकिस्तान को रोकने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय सेना के कदम मजबूत हुए हैं। जानकारी के अनुसार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल हाल में दिनभर के दौरे पर ओमान गए। देश में इसकी चर्चा कम ही रही क्योंकि डोभाल अक्सर दुनियाभर के देशों में जाते रहते हैं। लेकिन ओमान का यह दौरा सामान्य नहीं है। अरब सागर के किनारे बसे इस देश में डोभाल ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण डुक्म पोर्ट का दौरा किया। मस्कट ने यहां भारतीय नौसेना को खुली छूट दे रखी है। इसे भारत का सामरिक ठिकाना बताया जा रहा है। ओमान के इस कदम से हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय सेना की मौजूदगी मजबूत हुई है। भारत के इस मास्टरस्ट्रोक से पाकिस्तान और चीन की टेंशन बढ़ना लाजिमी है। जानकार बताते हैं कि ग्वादर पोर्ट पर अगर चीन बैठा हुआ है तो भारत ने ईरान के चाबहार और ओमान के डुक्म पोर्ट पर पोजीशन लेकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। गौरतलब है कि ओमान के शीर्ष नेताओं के साथ चर्चा के अलावा डोभाल डुक्म के स्पेशल इकोनॉमिक जोन में भी गए। यह जगह मस्कट से 500 किमी दूर है। स्पेशल जोन 2000 वर्ग किमी के दायरे में फैला हुआ है। इलाके में अब भारत का बोलबाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय प्रशासन ने डोभाल को विस्तार से प्रजेंटेशन दिया।

ऑस्ट्रेलिया के निवर्तमान उच्चायुक्त बैरी ओ'फेरेल और जर्मनी के राजदूत डॉ. एकरमैन ने खड़गे से की मुलाकात

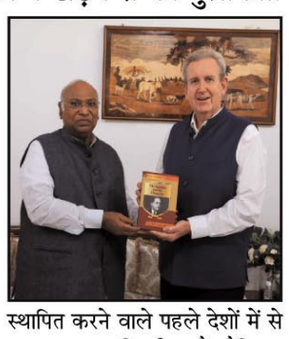

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत में ऑस्ट्रेलिया के निवर्तमान उच्चायुक्त बैरी ओ'फेरेल और जर्मनी के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके दिल्ली आवास पर मुलाकात की। मुलाकात की फोटो ट्वीट कर खड़गे ने लिखा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया में कई समानताएं हैं। दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग की भावना है। खड़गे ने जर्मनी के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत जर्मनी के संघीय गणराज्य के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। आज द्विपक्षीय और वैश्विक संदर्भ में जर्मनी भारत के सबसे मूल्यवान साझेदारों में से एक है।

मंगोलपुरी हत्याकांड में भगोड़ा घोषित शहजाद मेवात से गिरफ्तार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने पिछले साल मंगोलपुरी में हुए खूनी संघर्ष के आरोपित शहजाद को मेवात के पिनगवां से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस घटना में शामिल 8 आरोपितों और तीन नाबालिग को पहले ही पकड़ लिया था लेकिन शहजाद पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। कोर्ट द्वारा उसे भगोड़ा घोषित किया गया था और दिल्ली पुलिस ने उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। शहजाद ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह ग्रेजुएट डिग्रीधारक है। वह मंगोलपुरी के के-ब्लॉक में साइबर कैफे का कार्य कर रहा था। फरार होने के बाद वह लगातार भीड़भाड़ वाली कालोनियों में अपना ठिकाना बदलता रहा। आखिरी दौर में वह मेवात जिले में रह रहा था। वहीं से उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक पिछले वर्ष सितंबर महीने में फरदीन नामक युवक दिल्ली के मंगोलपुरी में एक भीड़ भरी सड़क से गुजर रहा था। उस दौरान गलती से उसका हाथ करण और बादशाह को लग गया, जो अपने दोस्तों समीर, मुथु, शाहबीर, शाहरुख और अन्य के साथ वहां खड़ा था। कुछ समय बाद फरदीन वहां से चला गया। मामले को सुलझाने के लिए वह अपने भाई नईम के कहने पर अरमान के साथ वापस आया लेकिन करण, बादशाह और उसके दोस्तों ने फरदीन और उसके भाइयों को गाली देना शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में झगड़ा बढ़ गया और मारपीट होने लगी। करण, बादशाह के दोस्तों ने फरदीन और उसके भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया। सभी घायलों को मंगोलपुरी के संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां अरमान ने दम तोड़ दिया। घायल फरदीन के बयान पर प्राथमिकी संख्या 1044/22, धारा 302/307/147/148/149/34 भारतीय दण्ड संहिता और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत थाना मंगोलपुरी में दर्ज की गई।

पूरे देश की मस्जिदों में अमन चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं

- राजधानी की ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद में ईद की विशेष नमाज अदा की गई

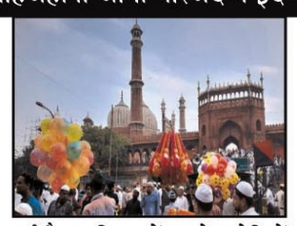

नई दिल्ली, (हि.स)। मुसलमानों का दूसरा बड़ा पर्व ईद-उल-अजहा पूरे देश भर में गुरुवार को पूरे अकीदत और एहतेराम के साथ आज मनाया जा रहा है। राजधानी की ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद में सुबह 6 बजे मुसलमानों ने ईद की विशेष नमाज अदा की है। शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने यहां नमाज अदा कराई। दिल्ली की दूसरी बड़ी शाही मस्जिद फतेहपुरी में इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने नमाज अदा कराई। इसके अलावा राजधानी के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। इस मौके पर मस्जिदों में विशेष तौर पर देश में अमन चैन और खुशहाली के लिए दुआएं की गईं। जामा मस्जिद में नमाज से पूर्व शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने मुसलमानों को संबोधित करते हुए कहा है कि ईद-उल-अजहा त्याग और बलिदान का पर्व है। इसलिए हमें अपने पड़ोसियों खासतौर से हिंदू भाइयों की भावनाओं का आदर करते हुए इसे मनाना चाहिए। जानवरों की कुबार्नी करते समय हमें अपने पड़ोसियों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कुबार्नी के बाद साफ-सफाई का खास इंतजाम करना चाहिए। गलियों, सड़कों आदि पर खुले तौर से कुबार्नी नहीं करनी चाहिए। अगर कोई पड़ोसी कुबार्नी करने से मना करता है, तो उसकी बात को मानते हुए अपने रिश्तेदारों आदि के घरों पर जाकर कुबार्नी करनी चाहिए। किसी से बिना वजह उलझना नहीं चाहिए। शांति और सद्भाव बनाए रखने पर बल देना चाहिए। उन्होंने इस मौके पर भारत सहित विश्व भर में शांति और अमन-चैन के लिए अल्लाह से विशेष दुआ भी की। इसी तरह शाही जामा मस्जिद फतेहपुरी में इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने नमाज से पूर्व अपने संबोधन में मुसलमानों से संयम और शांति के साथ ईद-उल-अजहा का पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा पैगंबर हजरत इब्राहिम के जरिए अपने पुत्र हजरत इस्माइल को अल्लाह की राह में कुर्बान करने की याद को ताजा करने के लिए हर वर्ष मनाई जाती है। अल्लाह ने हजरत इब्राहिम को ख्वाब में अपने पुत्र की कुबार्नी पेश करने को कहा था, जिस पर उन्होंने अमल किया मगर अल्लाह ने ऐन मौके पर फरिश्ते जिब्राईल को भेज कर उनके पुत्र की जगह एक दुंबा (विशेष जानवर) को जबह (कुर्बान) करा दिया था।

कांग्रेस कार्यालय में बकरे की कुर्बानी की मांग, ओवैसी की पार्टी ने दिग्विजय को लिखा पत्र

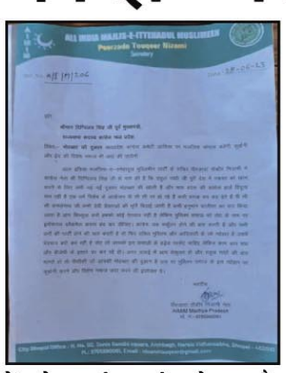

भोपाल, (हि.स.)। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) ने ईद के मौके पर राजधानी भोपाल स्थित कांग्रेस पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बकरे की कुबार्नी और नमाज अदा करने की अनुमति देने की मांग की है। इस संबंध में एआईएमआईएम ने बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हनुमान चालीसा पढ़ी जा सकती है तो नमाज क्यों नहीं? दरअसल, गुरुवार को देशभर में ईद-उल-अजहा का पर्व मनाया जाएगा। इससे पहले एआईएमआईएम के मप्र सचिव तौकीर निजामी ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को एक पत्र भेजा है। इसमें निजामी ने लिखा है कि मोहब्बत की दुकान मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ऑफिस पर कुबार्नी और ईद की विशेष नमाज अदा की जाएगी। हालांकि, कांग्रेस ने उनकी मांग का जवाब देने से भी इनकार कर दिया है। पार्टी की तरफ से कहा गया है कि निजामी इतने बड़े नेता नहीं हैं कि कांग्रेस उनको जवाब दे। वहीं, भाजपा नेता और प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मामले को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 'यह तो होना ही था। चचा जान आप हिंदू और हिंदुत्व का हलाला करते रहे। अब आपसे बकरे की हलाली की डिमांड आ गई। छद्म धर्मनिरपेक्षता का जो चोला ओढ़े हुए हैं, उसी को ओढ़कर आप हिंदुत्व और हिंदू को नकारते हैं। यह तो दिग्विजय सिंह आपके संग होना ही था।' कहावत है- न खुदा मिला न विसाले सनम, न इधर के रहे न उधर के हम। अब उस सवाल का जवाब दें, जो एआईएमआईएम ने पूछा है। एआईएमआईएम सचिव तौकीर निजामी ने पत्र में लिखा है कि राहुल गांधी ने देश में नफरत खत्म करने के लिए मोहब्बत की दुकान खोली है। मध्यप्रदेश कांग्रेस हार्ड हिंदुत्व पर चल रही है। एक धर्म विशेष के आयोजन पीसीसी दफ्तर में हो रहे हैं। दफ्तर को कभी भगवामय किया जाता है तो कभी कमलनाथ यहां देवी-देवताओं की मूर्ति स्थापित करते हैं। कभी हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। आप बिल्कुल करो। हमको ऐतराज नहीं है, लेकिन मुस्लिम समाज को वोट के नाम पर इमोशनल ब्लैकमेल करना बंद कर दीजिए। उन्होंने आगे लिखा है कि कांग्रेस जब सेकुलर होने की बात करती है, सभी धर्मों की पार्टी होने की बात करती है, तो फिर दलित, मुस्लिम और आदिवासियों के जो त्योहार हैं, उनमें भेदभाव क्यों कर रही है? वोट तो आपको इन समाजों के 100 फीसदी चाहिए, लेकिन काम आप संघ और भाजपा के इशारे पर कर रहे हो। अगर वाकई में आप सेकुलर हो और राहुल गांधी की बात मानते हो, तो पीसीसी जो आपकी मोहब्बत की दुकान है, उस पर मुस्लिम समाज के इस त्योहार पर कुबार्नी करने और विशेष नमाज अदा करने की इजाजत दें। निजामी ने कुबार्नी के लिए बकरा भी तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी एक धर्म विशेष के लिए ही सेकुलर हुई है। अगर इजाजत मिलती है, तो बकरा भी तैयार है। उन्होंने बकरे के साथ वीडियो भी भेजा है। मामले में कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि जिन्होंने भी पत्र लिखा है, वे इतने बड़े नेता नहीं कि उस पर कांग्रेस जवाब दे। वहीं, भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट कर कहा है कि पीरजादा तौकीर निजामी की मांग जायज है। अगर कांग्रेस खुद को धर्म निरपेक्ष बताती है। कांग्रेस मुस्लिमों को वोट बैंक समझती है। देखने में आया है कि पीसीसी में हनुमान चालीसा का पाठ हुआ है, उसे भगवामय किया गया, तब से वे मुस्लिमों को तवज्जो नहीं दे रही।

मुख्यमंत्री योगी ने गन्ना किसानों की एफआरपी बढ़ाने पर प्रधानमंत्री का जताया आभार

-केंद्रीय कैबिनेट ने चीनी सीजन 2023-24 के लिए बढ़ाया उचित और लाभकारी मूल्य
-योगी बोले, गन्ना किसानों के स्वावलंबन से समृद्धि की यात्रा को मिलेगा नया आयाम

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा गन्ना किसानों के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को बढ़ाये जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया है। उन्होंने इसे गन्ना किसानों के स्वावलंबन से समृद्धि की यात्रा को नया आयाम प्रदान करने वाला बताया है। मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा चीनी सीजन 2023-24 में गन्ना किसानों के लिए गन्ने के अब तक के उच्चतम उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को 315 रुपये प्रति क्विंटल करने की स्वीकृति प्रदान करने का निर्णय अत्यंत सराहनीय है। यह निर्णय गन्ना किसानों के स्वावलंबन से समृद्धि की यात्रा को नए आयाम प्रदान करेगा। आज खुशहाल किसान ही नए भारत की पहचान हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने देश के गन्ना किसानों के लिए तोहफे का एलान करते हुए गन्ने की एफआरपी बढ़ाने का फैसला किया है। 2023-24 सीजन के लिए गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 315 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। यह अब तक के गन्ना खरीदी की सर्वाधिक कीमत है। इससे न केवल देश के गन्ना किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा। साथ ही चीनी मिलों में कार्यरत श्रमिकों को भी लाभ मिलेगा। इस निर्णय से लगभग 5 करोड़ गन्ना किसान और चीनी मिलों में काम करने वाले लाखों श्रमिकों को लाभ मिलेगा।

मोदी ने अपनी नीतियों से देश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर किया गौरवान्वित : मेनका गांधी

सुलतानपुर, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी ने गुरुवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक तरफ जहां अपनी नीतियों से देश को मजबूत करने का काम किया है वहीं अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत देश को गौरवान्वित करने का भी काम किया है। प्रधानमंत्री के विदेश दौरे को लेकर श्रीमती गांधी ने कहा कि आज विश्व स्तर पर जब कोई बड़ा फैसला लेना होता है,तो सशक्त देशों में भारत के प्रधानमंत्री की भी सहमति ली जाती है, यह गौरव की बात है। श्रीमती गांधी ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में विश्व के शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने अपने कार्यकाल में हमारे प्रधानमंत्री को भरपूर सम्मान दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी ने गुरुवार को दौरे के दूसरे दिन क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों से संवाद कर केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त मुरली मिश्र का पुरवा, खुनका बहादुरपुर, रतापुर, धर्मदासपुर, चौबे का पुरवा फूलपुर कौढीयावा में भी उन्होंने जन संवाद किया। इसके पूर्व आज सुबह अपने कैंप कार्यालय पर श्रीमती गांधी ने जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जन समस्याओं का निस्तारण किया।

भीम आर्मी के मुखिया चन्द्रशेखर से मिलने अस्पताल पहुंचे साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया

- हमले के विरोध में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं का उप्र के कई जनपदों में प्रदर्शन, सुरक्षा की मांग

लखनऊ, 29 जून(हि.स.)। उत्तर प्रदेश की सियासत में नयी पार्टी के रुप में उभर कर आ रही भीम आर्मी के मुखिया चन्द्रशेखर पर हमले के विरोध में कई जनपदों में प्रदर्शन हुआ। लखनऊ, वाराणसी, प्रतापगढ़, मुजफ्फरनगर में जिला मुख्यालयों पर पहुंचें कार्यकर्ताओं ने धरना भी दिया और चन्द्रशेखर की सुरक्षा बढ़ाये जाने की मांग की। वहीं चन्द्रशेखर का कुशलक्षेम जानने पहलवान खिलाड़ी साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया सहारनपुर अस्पताल पहुंचे हैं। प्रदेश में विभिन्न जनपदों में प्रदर्शनकारी भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। कार्यकर्ताओं का ज्ञापन में कहना है कि उनके संगठन के मुखिया पर देवबंद में जानलेवा हमला हुआ है। इसके पीछे कोई राजनीतिक साजिश हो सकती है। हमले में चन्द्रशेखर बाल-बाल बच गए हैं। उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ऐसे में जेड प्लस जैसी सुरक्षा भीम आर्मी के मुखिया को मिलनी चाहिए। सहारनपुर जनपद के जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किये गये भीम आर्मी के मुखिया चन्द्रशेखर से मिलने दो पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया पहुंचें। दोनों पहलवानों ने चन्द्रशेखर से मिलकर कुशलक्षेम जाना और उनकी घटना के संबंध में जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। भीम आर्मी के मुखिया के जख्मी होने की घटना के बाद राजनीतिक दलों के लोगों का भी सहारनपुर के अस्पताल में पहुंचना हो रहा है। एक के बाद एक चर्चित चेहरों को अस्पताल में देखा जा रहा है। वहीं अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से चन्द्रशेखर को स्वस्थ्य करने में जुटा हुआ है।

झारखंड सरकार ने अखबारों पर नजर रखने के लिए बनाया मॉनिटरिंग पॉर्टल

रांची, (हि.स.)। झारखंड सरकार ने प्रिंट मीडिया में छपी खबरों पर नजर रखने के लिए ह्यप्रिंट मीडिया मॉनीटरिंग पोर्टलह्न बनाया है। सरकार से जुड़ी कितनी खबरें छपी हैं, कितनी खबरें सरकार के खिलाफ हैं, इन सबकी मॉनीटरिंग पोर्टल के जरिये की जायेगी। अधिकारियों को खबरों की मॉनीटरिंग और उन्हें पोर्टल के डैशबोर्ड पर अंकित करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव सह मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल ने राज्य सचिवालय एवं निगरानी विभाग के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, सभी उपायुक्त को पत्र जारी कर समाचार पत्रों में प्रकाशित फेक न्यूज पर खंडन भेजने का निर्देश दिया है। उन्होंने लिखा है कि विभिन्न विभागों से संबंधित फेक न्यूज समाचार पत्रों में प्रकाशित किये जाने के मामले प्रकाश में आये हैं। इससे लोगों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है एवं सरकार की छवि भी धूमिल होती है। इस प्रकार की खबरों का खंडन किये जाने तथा प्रकाशित खबर या रिपोर्ट पर वस्तुस्थिति स्पष्ट किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने अनुरोध किया है कि समाचार पत्रों में भ्रामक खबर प्रकाशित होने की स्थिति में वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए, इसकी सूचना निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड को उपलब्ध करायी जाये।

राजद नेता का मेला रोड प्रा. वि. का नामकरण स्वतंत्रता सेनानी ब्रजनंदन लाल कर्ण के नाम पर करने की मांग

अररिया, (हि.स.)। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता सुमन कुमार मल्लिक ने बिहार सरकार से जिले के फारबिसगंज स्थित मेला रोड, वार्ड संख्या - एक के प्राथमिक विद्यालय का जीर्णोद्धार कर नामकरण स्वतंत्रता सेनानी ब्रजनंदन लाल कर्ण के नाम एस करने की मांग की है। मल्लिक ने कहा की इस विद्यालय के भवन की स्थिति अति जर्जर अवस्था में हैं। सैकड़ों बच्चे तथा टीचर अपनी जान जोखिम में डालकर इस विद्यालय में आते थे,लेकिन पूर्व के महीनों में जिला प्रशासन के द्वारा इस विद्यालय को तत्काल के लिए स्थानांतरित कर दिया गया हैं। उन्होंने कहा की इस विद्यालय के बंद होने से स्थानीय निवासी काफी चिंतित हैं। मल्लिक ने कहा की यह विद्यालय अपनी पढ़ाई के लिए जिले में लोकप्रिय है।उन्होंने कहा की इसलिए इस प्राथमिक विद्यालय का निर्माण जल्द से जल्द होना चाहिए। वहीं, श्री मल्लिक ने बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अनुरोध किया हैं की इस प्राथमिक विद्यालय का नाम सीमांचल जिले के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी स्व. ब्रजनंदन लाल कर्ण के नाम पर होना चाहिए। उन्होंने कहा की स्व. ब्रजनंदन लाल कर्ण स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख रूप से सक्रीय थे और स्वतंत्रता के बाद वे नेपाल से सटे सीमांचल जिलों में लोकप्रिय सरकारी सेवक के रूप में कार्य किये। श्री मल्लिक ने कहा की स्वतंत्रता आंदोलन के बाद स्व. कर्ण सरकारी सेवक के रूप में कार्य करते हुए भी सामजिक गतिविधियों में इनकी महत्वपूर्ण भागीदारी रहती थी। उन्होंने कहा की स्वतंत्रता सेनानी स्व. ब्रजनंदन लाल कर्ण के ईमानदारी और मेहनत के किस्से आज भी फारबिसगंज के लोगों के जुबान पर रहते हैं।

योगी सरकार में अति प्राचीन राम कुंड तालाब का होगा जीर्णोद्धार, पुरातत्व विभाग से मिल गई अनुमति

-भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर और तालाब होगा अब अतिक्रमण मुक्त

कानपुर, (हि.स.)। योगी सरकार में अति प्राचीन धरोहर राम कुण्ड तालाब का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके साथ ही भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर और तालाब के आस-पास किए गए अतिक्रमण को हटाया जाएगा। पुरातत्व विभाग के संरक्षण सहायक उपमंडल कानपुर अखिलेश तिवारी ने जीर्णोद्धार कराने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह जानकारी गुरुवार को उपायुक्त श्रम रोजगार मनरेगा कानपुर पीडीएस रमेश चन्द्र ने दी। उन्होंने बताया कि अति प्राचीन धरोहर राम कुण्ड तालाब का जीर्णोद्धार कराने के लिए कानपुर के जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर की नजर एक बार निरीक्षण के दौरान इस तालाब पर पड़ गई थी। इसके बाद से वह इसके लिए प्रयास करते रहे और पुरातत्व विभाग से इसकी अनुमति के लिए मनरेगा विभाग के माध्यम से पत्र भी भेजा था। हालांकि अब इसकी अनुमति पुरातत्व विभाग ने अनुमति दे दी है। लेकिन सर्त यह है कि तालाब की प्राचीनता के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए और तालाब की खुदाई में जेसीवी मशीन का प्रयोग पूरी तरह वर्जित रहेगा। प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूर ही इस तालाब के जीर्णोद्धार में काम करेंगे। तालाब की प्राचीन दीवारों को कोई क्षति नहीं आने दिया जाएगा। इसके साथ ही जहां भी तालाब की दीवारें क्षतिग्रस्त है, उसकी मरम्मत भी की जाएगी। इसकी पूरी योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि कानपुर के भीतरगांव ब्लाक के बेहटा बुजुर्ग गांव में लगभग 4200 वर्ष पुराना मंदिर है। मंदिर के पास ही एक अति प्राचीन तालाब है। इसका नाम राम कुण्ड तालाब है। जिलाधिकारी कानपुर नगर विशाख जी अय्यर ने तालाब के संरक्षण और मरम्मत कराने के लिए आदेश दिया है। पुरातत्व विभाग के संरक्षण सहायक उपमंडल कानपुर अखिलेश तिवारी ने बताया कि राम कुंड तालाब कितना पुराना है, इसको लेकर कई मत है। इतिहासकारों की मानें तो इसे 9वीं शताब्दी का तो कुछ इसे बुद्ध कालीन बताते हैं। इसकी कलाकृति 9वीं शताब्दी की हैं। देखने में बौद्ध स्तूप की तरह लगता है। इसलिए अलग-अलग मत है। तालाब के पास एक मंदिर है जो लगभग 4200 पुराना है। जबकि जीर्णोद्धार के बाद 1800 वर्ष पुराना बताया जाता है। राम कुंड तालाब को लेकर कहा जाता है कि भगवान राम ने यहां पर लंका विजय के बाद अपने पिता का पिंडदान किया था। एक वक्त था जब लोग इस तालाब में पिंड दान किया करते थे। समय के साथ ही साथ मंदिर हो या तालाब फिर गांव सब बदहाल हो चुके है। दुनिया भर में तमाम रहस्यों के बीच कानपुर के इस मंदिर की चर्चा दुनिया भर में है। मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने वाला यह मंदिर अपने आप में अनोखा है। बारिश कैसी होगी, कब होगी ये मंदिर पहले ही संकेत दे देता है। प्राचीन धरोहर, पौराणिक कथाएं और न जाने कितने रहस्य ये हिंदुस्तान अपने आंचल में समेटे हुए है। कानपुर के जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर बेहटा बुजुर्ग गांव में ये रहस्यमयी मंदिर न जाने कितने रहस्य छिपे हुए हैं। इसे जगन्नाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है। यही नहीं जगन्नाथ मंदिर मानसून मंदिर के भी नाम से प्रसिद्ध है। बेहटा बुजुर्ग गांव में भगवान जगन्नाथ का इकलौता मंदिर है। ऐसा मंदिर पूरे हिंदुस्तान में आप को दूसरा नहीं मिलेगा। इस मंदिर की बनावट की बात हो या इसकी मूर्ति की, दोनों ही अपने आप में अनोखे हैं। इस मंदिर में भगवान जगन्नाथ की मूर्ति है, जिसमें भगवान विष्णु के 24 अवतार साफ देखे जा सकते हैं। इन 24 अवतार में कलयुग में अवतार लेने वाले कल्कि भगवान की भी मूर्ति स्थापित है। जब इस मंदिर परिसर की देखभाल करने वाले पुरातत्व विभाग के कर्मचारी से यह पूछा गया कि आखिर यह मंदिर कितना पुराना है और उसकी मूर्ति कितनी पुरानी है। इस मंदिर को किसने बनाया ? उन्होंने बताया कि इस मंदिर में स्थापित मूर्ति की कार्बन रेटिंग के मुताबिक 4200 वर्ष पुरानी बतायी गयी है।

केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद ने 'संपर्क से समर्थन' अभियान के जरिए लोगों से की मुलाकात

जालौन, (हि.स.)। केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा जालौन पहुंचे और उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र में लोगों से जनसंपर्क किया। आगामी लोकसभा को देखते हुए भाजपा सरकार ने संपर्क से समर्थन अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत मंत्री और पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से सरकार की 09 साल की उपलब्धियों के बारे में बता रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 09 वर्ष संपूर्ण होने के उपलक्ष्य में पार्टी आगामी लोकसभा को देखते हुए विशेष अभियान चला रही है। इस अभियान को संपर्क से समर्थन नाम दिया गया है। पार्टी के बूथ स्तर नेता से लेकर हाईकमान तक इस अभियान के सहारे लोगों के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियां गिनाने का काम कर रहे हैं। इसी क्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद भानु प्रताप वर्मा ने अपने लोकसभा क्षेत्र के ग्राम साकिन में लोगों से जनसंपर्क कर सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। समाज का हर वर्ग खुशहाल हो रहा है। बिना किसी भेदभाव के योजनाओं को जनता तक पहुंचाया जा रहा है।

गिरिडीह के बर्खास्त मेयर के जाति प्रमाण पत्र मामले की हाई कोर्ट में सुनवाई 6 जुलाई को

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में गुरुवार को गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील कुमार पासवान की ओर से उनके जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए रद्द करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका मामले की सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने फिजिकल कोर्ट में सुनवाई करने का आग्रह करते हुए कोर्ट से समय की मांग की। कोर्ट ने विस्तृत सुनवाई के लिए छह जुलाई की तिथि निर्धारित की। पिछली सुनवाई में मामले में याचिकाकर्ता एवं राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के कई जजमेंट को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया था। इसकी सुनवाई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में वर्चुअल रूप से हुई थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने बहस की। एकल पीठ ने इस संबंध में याचिकाकर्ता सुनील कुमार पासवान की रिट याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके पास बाद उनकी ओर से खंडपीठ में अपील दायर की गई है। अनुसूचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र पर चुनाव लड़ने का आरोप सही पाए जाने के बाद सुनील पासवान को मेयर पद के अयोग्य घोषित किया गया था। उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित गिरिडीह नगर निगम के मेयर पद पर सुनील कुमार पासवान का चयन वर्ष 2018 में हुआ था। उनके खिलाफ झामुमो कार्यकर्ता ने उनके जाति प्रमाण पत्र को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग की थी।

शिक्षा मंत्री का बयान स्लिप ऑफ टंग नहीं, राजद की सोची-समझी रणनीति : प्रशांत किशोर

पटना, (हि.स.)। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर की ओर से बिहारी युवाओं को अयोग्य कहे जाने पर चुनावी रणनीतिकार और जन सुराज के संरक्षक प्रशांत किशोर ने शिक्षा मंत्री निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री ने जो बयान दिया है वह स्लिप ऑफ टंग नहीं है, बल्कि ये राजद की सोची-समझी रणनीति है। शिक्षा मंत्री ने जान-बूझकर ऐसा बयान दिया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि चंद्रशेखर जो कह रहे हैं ये उनका एजेंडा नहीं है वो जिस दल में हैं, वो इसी तरह की राजनीति करता है। राजद का काम क्या है? समाज में धार्मिक उन्माद फैलाना, जातियों में झगड़ा लगाना, किसी से कुछ कड़वी बात कहलवाना ताकि समाज का कोई वर्ग रिएक्ट करे और समाज आपस में उलझ जाए, ताकि अपने बच्चों की पढ़ाई, अपने बच्चों का भोजन, अपने बच्चों का विकास सब छोड़ कर इन्हीं सब मुद्दों पर वोट दें। उल्लेखनीय है शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली में संशोधन के बाद कहा था कि बिहार में साइंस-मैथ पढ़ाने वाले छात्र नहीं है। इससे बाहरी बेरोजगार युवाओं को बिहार में शिक्षक बनने का अवसर दिया दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री के इसी बयान पर पीके ने पलटवार किया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच मनाया जा रहा बकरीद का पर्व, अधिकारी दे रहे मुबारकबाद

कानपुर देहात, (हि.स.)। जनपद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर्व की नमाज अदा की गई। अकबरपुर स्थित ईदगाह के सहित 150 से ज्यादा मस्जिदों में बकरीद (ईद-उल-अजहा) की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद मुल्क में अमन चैन शांति की दुआ मांगी गई। इस दौरान बड़ी ईदगाह में एक साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हजारों की तादाद में लोगों ने नमाज अदा की। कानपुर देहात के बड़ी ईदगाह में नमाज सुबह 09 बजे शुरू हुई। नमाज के दौरान अकबरपुर स्थित ईदगाह, बारा, राजपुर, मूसानगर, फत्तेपुर, भोगनीपुर, अमरौधा, रसूलाबाद, सिकंदरा, रूरा, सट्टी, मावर, बिवाइन, मंगलपुर आदि स्थानों पर नमाज अदा की गई। इस दौरान राजनीतिक पार्टियों व सामाजिक संस्थाओं ने बकरीद (ईद-उल-जुहा) मुबारक कैंप भी लगाए गए। एक दूसरे को बधाई देते नजर आए। वहीं सुरक्षा के इंतजामों को चेक करने के लिए डीएम नेहा जैन और एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति जिले में भ्रमण करते हुए नजर आए।

इस दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने आम लोगों को बकरीद (ईद-उल-अजहा) की मुबारकबाद दी। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से कानपुर देहात में मस्जिदों के आसपास भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। इस दौरान ड्रोन से भी पुलिस निगरानी करते हुए नजर आई। इसी के साथ ही शहर की अलग-अलग मस्जिदों और ईदगाहों की तरफ यातायात का डायवर्जन पुलिस ने कर रखा था। ताकि आम जनमानस को सड़क पर निकलने के दौरान जाम की समस्या से न जूझना पड़े।

राज्य के उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेशोत्सव एक जुलाई को, निदेशक ने जिला शिक्षा पदाधिकारियों को लिखा पत्र

रांची, (हि.स.)। राज्य के 80 उत्कृष्ट स्कूलों में एक जुलाई को फ्रेशर्स डे का आयोजन होगा। इसके लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की निदेशक किरण कुमारी पासी ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को पत्र लिखा है। पत्र के जरिये उन्होंने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। निदेशक ने कहा है कि राज्य के 80 उत्कृष्ट विद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया शुरू है। इसे 30 जून तक पूर्ण कर लेना है। नामांकन की प्रक्रिया की खत्म होने के साथ ही सत्र 2023-24 के लिए पवन पाठन का कार्य विधिवत रूप से प्रारम्भ कर दिया जाएगा। सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में बच्चे पहली बार पठन-पाठन के लिए आएंगे। ऐसे में आवश्यक है कि उनके प्रवेश को हर्षाल्लास के साथ उत्सव के रूप में मनाया जाए। नये नामांकित बच्चों का स्वागत किया जाए। इसलिए एक जुलाई को सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेशोत्सव समारोह का आयोजन किया जाए। प्रवेशोत्सव समारोह की सूचना सभी विद्यार्थियों को दी जाए। साथ ही इसमें अभिभावकों को भी शामिल किया जाय। निदेशक ने कहा है कि सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेशोत्सव समारोह का आयोजन करने के लिए अपने स्तर से सभी विद्यालयों के निर्देशित करेंगे। समारोह के आयोजन के बाद इसका प्रतिवेदन राज्य कार्यालय को भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

ये गतिविधियां होंगी

-प्रवेशोत्सव के लिए विद्यालय में एक समारोह आयोजित किया जाए, जिसमें विद्यालय के सभी बच्चों शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक और विद्यालय के प्रबंध समिति के सदस्य भी उपस्थित रहें।

-नव प्रवेश करने वाले छात्र-छात्रओं का विद्यालय परिसर में बाल संसद के सदस्यों द्वारा तिलक और पुष्प के साथ स्वागत किया जाए।

-विद्यालय में प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम विद्यालय में आयोजित प्रार्थना सभा को विस्तारित करते हुए किया जा सकता है। नये नामांकित बच्चों के स्वागत में गीत एवं अन्य सास्कृतिक कार्यक्रम विद्यालय में पूर्व से अध्ययनरत बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

-विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा नवनामांकित छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों का उत्कृष्ट विद्यालय परिवार से जुड़ने और बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्पित होने के लिए विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया जायेगा।

-विद्यालय के प्रधान शिक्षक उत्कृष्ट विद्यालय के स्वरूप एवं अवधारण के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।-विद्यालय में बच्चों के पठन-पाठन के लिए उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधा के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सभी अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा के लिए उनकी भूमिका पर भी चर्चा करेंगे। विद्यालय के शिक्षकों से भी परिचय कराया जाएगा।

विधायक-राज्यसभा सदस्य बुथों पर स्थानीय लोगों से मिलकर मोदी सरकार के नव साल बतायें

बगहा, (हि.स.)। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ वर्ष पूरा होने पर भारतीय जनता पार्टी के चलाये जा रहे कार्यक्रम नव साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के तहत महाजनसंपर्क अभियान में राज्यसभा सदस्य सतीश चंद्र दुबे एवं स्थानीय विधायक भाजपा के राम सिंह माजपा बगहा जिला युवा मोर्चा द्वारा आयोजित मोटरसाइकिल रैली में शामिल हुए। सांसद प्रतिनिधि रितु जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मोटरसाइकिल रैली बगहा-1 प्रखंड के परसौनी चौक से चलकर बगहा नगर तक समाप्त हो गयी। इस दौरान राजसभा सांसद और स्थानीय विधायक ने जगह- जगह जनसम्पर्क किया। भारतीय जनता पार्टी के सम्पर्क से समर्थन अभियान के तहत बगहा विधानसभा के चौतरवा मंडल के चौतरवा बाजार में बूथ सं- 241 एवं 242 तथा बगहा नगर मंडल के बूथ सं- 84 से 92 तक पर महाजनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान राजसभा सदस्य सतीश चंद्र दुबे एवं बगहा के स्थानीय विधायक राम सिंह ने सभी बुथों पर स्थानीय लोगों से मिलकर मोदी सरकार के 9 साल में किये गये विकास कार्यों के बारे में बताया।इस दौरान वे बूथ पर आम जनता से भी डोर टू डोर मिले। स्थानीय विधायक ने बताया की मोदी जी के 9 साल पूरा होने पर लोगों के अंदर मोदी जी के प्रति अपार जन समर्थन एवं स्नेह मिल रहा है। कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुजीत सिंह, उपाध्यक्ष सुबोध कुमार, सिद्धार्थ सिंह, विकाश रौशन, जिला उपाध्यक्ष, जिला महामंत्री सुजीत चौरसिया, मत्स्यजीवी संयोजक नागेंद्र साहनी, दीपू तिवारी, दीपक राही, विजय साहू, आशुतोष मालवीय, बृजेश प्रसाद, प्रमोद राम गोविंद जायसवाल, वशु शुक्ल आदि लोग उपस्थित रहें।

संपादकीय

एक देश, दो कानून नहीं

एक घर में दो कानून नहीं हो सकते। यदि घर नहीं चलाया जा सकता, तो दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चलाया जा सकता है? समान नागरिक संहिता पर भ्रम फैलाया जा रहा है। मुसलमानों को भडक़ाया जा रहा है, जबकि सर्वोच्च अदालत बार-बार कहती रही है कि समान नागरिक संहिता लाओ। तीन तलाक की वकालत करने वाले वोट बैंक के भूखे यह भ्रम फैला रहे हैं और समान नागरिक संहिता के रास्ते में रोड़े अटका रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 के बाद किसी भी सार्वजनिक मंच से इस मुद्दे का, पहली बार, ऐसा प्रहारात्मक उल्लेख किया है। स्पष्ट संकेत है कि प्रधानमंत्री इसे संसद में पेश कर, लागू कराने के, मूड में हैं। वह इसे ही 2024 का चुनावी मुद्दा बनाना चाहते हैं। दरअसल यह एक पुराना मुद्दा है, जिस पर 'जनसंघ' राजनीति करती रही थी। भाजपा बनी, तो 1989 के लोकसभा चुनाव में समान नागरिक संहिता को घोषणा-पत्र का हिस्सा बनाया गया। उसके बाद प्रत्येक चुनाव घोषणा पत्र में आश्वासन दिया जाता रहा कि भाजपा आई, तो समान नागरिक संहिता लागू करेगी। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी छह साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे और बीते नौ साल से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, लेकिन खुद प्रधानमंत्री ने यह मुद्दा तब उठाया है, जब आम चुनाव में 9-10 माह शेष हैं। विधि आयोग ने अभी देश की जनता और धार्मिक संगठनों की राय मांगी है। एक माह का समय दिया गया है। जनता के अभिमत आएंगे, तो उन्हें संकलित करने में भी वक्त चाहिए। संसद के मानसून सत्र में विधेयक पेश करना अव्यावहारिक लगता है। शीतकालीन सत्र ही शेष है, जिसमें समान नागरिक संहिता पर बिल संसद में पेश किया जा सकता है। विपक्ष दबाव देगा कि बिल को स्थायी समिति या प्रवर समिति को भेजा जाए, ताकि व्यापक विमर्श किया जा सके। जनवरी, 2024 का बजट सत्र प्रतीकात्मक होगा। जनवरी में ही अयोध्या के श्रीराम मंदिर के एक पक्ष का उद्घाटन होना है। भाजपा उस पर भी खूब शोर मचाएगी, क्योंकि धुरवीकरण का वह बुनियादी मुद्दा है। जनवरी के सत्र में बजट के स्थान पर लेखानुदान पारित किया जाएगा। हमारा सवाल और सरोकार यह है कि भाजपा 15 साल की सत्ता के दौरान 'एक देश, एक कानून' की स्थिति नहीं बना सकी, तो आगामी 6-7 माह के दौरान समान नागरिक संहिता सरीखे घोर विवादास्पद और विभाजक मुद्दे पर कानून कैसे बनाया जा सकता है? क्या एक बार फिर यह जुमला ही साबित होगा और ऐसे संवेदनशील विषय पर चुनावी जनादेश का माहौल बनाया जाएगा? बेशक संविधान सभा में हमारे पूर्वजों ने इस विषय पर व्यापक विमर्श किया। अंततः इसे संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत रखा गया और समान नागरिक संहिता के लिए केंद्र और राज्य सरकारों दोनों को ही अधिकृत किया गया। बाबा अंबेडकर और राम मनोहर लोहिया सरीखे संविधान विशेषज्ञ नेताओं की पैरोकारी के बावजूद माना जाता रहा है कि यह व्यवस्था हिंदू-मुसलमान को दोफाड़ करने की है। इसे तो 'हिंदू सिविल कोड' करार दिया जाए। आज सांसद ओवैसी भी लगभग यही जुबां बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी समान नागरिक संहिता के संदर्भ में सिर्फ 'पसमांदा मुसलमान' का ही जिक्र किया है। क्या अन्य समुदायों को समान नागरिक संहिता की नई व्यवस्था मंजूर है? अभी तो इसका मसविदा सामने आना है। प्रधानमंत्री ने डिजिटल संवाद के जरिए भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे पसमांदा समुदाय तक जाएं और उनके भ्रम दूर करें। प्रधानमंत्री तीन तलाक और समान नागरिक संहिता पर खासकर मुस्लिम औरतों और पसमांदा को लामबंद करके उनके वोट बटोरना चाहते हैं। दावा किया जा रहा है कि समान नागरिक संहिता का लक्ष्य मुसलमानों को निशाना बनाना नहीं है, लेकिन जब सभी कानून समरूप हो जाएंगे, तो मुसलमानों के कानूनों में ही व्यापक फेरबदल होगा।

> प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 के बाद किसी भी सार्वजनिक मंच से इस मुद्दे का, पहली बार, ऐसा प्रहारात्मक उल्लेख किया है। स्पष्ट संकेत है कि प्रधानमंत्री इसे संसद में पेश कर, लागू कराने के, मूड में हैं। वह इसे ही 2024 का चुनावी मुद्दा बनाना चाहते हैं। दरअसल यह एक पुराना मुद्दा है, जिस पर 'जनसंघ' राजनीति करती रही थी। भाजपा बनी, तो 1989 के लोकसभा चुनाव में समान नागरिक संहिता को घोषणा-पत्र का हिस्सा बनाया गया। उसके बाद प्रत्येक चुनाव घोषणा पत्र में आश्वासन दिया जाता रहा कि भाजपा आई, तो समान नागरिक संहिता लागू करेगी। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी छह साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे और बीते नौ साल से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं।

पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस, माकपा व भाकपा ने मिलकर लड़ा था

विपक्ष ने हाथ तो मिला लिया, यदि उनके दिल भी मिल जायें तो मोदी को हराना संभव है

रमेश सर्राफ धमोरा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों से पटना में 15 विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। बैठक में शामिल नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए अगला लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने की बात कही। बैठक में शामिल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त है। जबकि जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव), झारखंड मुक्ति मोर्चा, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, द्रुमक, भाकपा, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और भाकपा (माले) को अपने-अपने प्रदेशों में क्षेत्रीय दलों के रूप में मान्यता प्राप्त है। पटना की बैठक में शामिल 15 दलों की देश के 11 प्रदेशों में सरकार चल रही है। पिछले 9 सालों में पहली बार 15 राजनीतिक दलों ने एक साथ एक मंच पर बैठकर चर्चा की है। जो देश की राजनीति के लिए आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण घटना साबित होगी। पटना में जुटे 15 दलों के लोकसभा में 142 सांसद हैं। जो कुल लोकसभा सदस्यों का 26 प्रतिशत होता है। वहीं राज्यसभा में इन दलों के पास 94 सांसद हैं जो 38 प्रतिशत है। राज्यों की विधानसभाओं की कुल 4123 सीटों में से 1717 विधानसभा सीटें इन 15 दलों के पास हैं जो कुल विधानसभा सदस्यों का 42 प्रतिशत होता है। विपक्षी दलों की पटना बैठक में शामिल हुए दलों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। कांग्रेस की देश के चार प्रदेशों- राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में सरकार चल रही है। कांग्रेस के पास लोकसभा में 49, राज्यसभा में 29 व विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं में 725 सदस्य हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को कुल 11 करोड़ 94 लाख 95 हजार 214 वोट मिले थे। विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते कांग्रेस चाहती है कि राहुल गांधी को नेता प्रोजेक्ट किया जाये। राजद नेता लालू यादव व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन राहुल गांधी के पक्ष में खड़े हैं। वहीं ममता बनर्जी, शरद पवार और अरविंद केजरीवाल सामूहिक नेतृत्व की बात कर रहे हैं। पटना मीटिंग में शामिल हुए नेताओं के हाथ तो जरूर मिले मगर अभी तक दिल नहीं मिल पाये हैं। मीटिंग में अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली सरकार के खिलाफ लाये गये अध्यादेश के खिलाफ राज्यसभा में कांग्रेस को उनका समर्थन करने की बात कही। जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे व अरविंद केजरीवाल में बहस भी हुई। मलिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम ऐसा कोई वादा नहीं कर सकते हैं। हमारी पार्टी के मंच पर इस बाबत चर्चा करके फैसला लिया जाएगा।

बैठक में अरविंद केजरीवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि राज्यसभा में कांग्रेस उनकी सरकार के खिलाफ लाए गए अध्यादेश के खिलाफ मतदान नहीं करेगी तो भविष्य में वह किसी भी विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस पार्टी द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन को लेकर नाराजगी जताई। ममता बनर्जी का कहना है कि पश्चिम बंगाल में उनकी सरकार अच्छा काम कर रही है। कांग्रेस जानबूझकर उनको बदनाम करने के लिए लगातार आंदोलन कर सरकार की छवि खराब कर रही है। कांग्रेस को अपने प्रादेशिक नेताओं को उनकी सरकार के खिलाफ आंदोलन करने से रोकना होगा। वहीं पश्चिम बंगाल में माकपा व भाकपा भी तृणमूल कांग्रेस की सरकार के खिलाफ सक्रिय हैं। पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस, माकपा व भाकपा ने मिलकर लड़ा था। उसके बावजूद उनका खाता भी नहीं खुल सका था। इससे तीन दलों के नेताओं को ममता बनर्जी से खासी नाराजगी है। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों की सरकार को हटाकर सत्ता में आई थीं। कभी वामपंथ का गढ़ रहे पश्चिम बंगाल में आज वामपंथी दलों का एक भी विधायक या सांसद नहीं है। इसके लिए वामपंथी दलों के नेता ममता बनर्जी को जिम्मेदार मानते हैं। इसीलिए उनके खिलाफ लगातार हमलावर रहते हैं। जम्मू-कश्मीर में कभी नेशनल कॉन्फ्रेंस व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी एक दूसरे की जानी दुश्मन होती थी। मगर दोनों ही दल अब सत्ता से बाहर हैं। इसलिए आपस में हाथ मिला रहे हैं। पीडीपी के पास तो एक भी जनप्रतिनिधि नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में पीडीपी का एक भी सांसद नहीं जीता था। जम्मू-कश्मीर में अभी विधानसभा चुनाव होने हैं। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने घोषणा कर रखी है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा वह चुनाव नहीं लड़ेंगी। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी एकजुट होकर काम कर रही है। बिहार में जदयू, राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, माकपा व भाकपा की मिली जुली सरकार चल रही है। बिहार सरकार में शामिल हम पार्टी के नेता जीतन राम मांझी ने पटना बैठक से एक दिन पूर्व बिहार सरकार से अलग होकर अपनी पार्टी का समर्थन वापस ले लिया। यह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए किसी झटके से कम नहीं था। वह एक तरफ तो विपक्षी दलों को एक करने में लगे हैं। वहीं उनकी सरकार में शामिल पार्टी उनको छोड़कर भाजपा नीत एनडीए में शामिल हो जाती है। इससे नीतीश कुमार की मुहिम कमजोर पड़ती है। बहुजन समाज पार्टी, बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, भारत राष्ट्र समिति, अन्नाद्रमुक, तुलुगु देशम पार्टी, अकाली दल, जनता दल सेक्यूलर, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन, आल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट और मुस्लिम लीग सहित बहुत से ऐसे छोटे राजनीतिक दल जो कांग्रेस व भाजपा से समान दूरी रखकर चल रहे हैं, उनके नेता पटना बैठक में शामिल नहीं हुये। इससे लगता है कि नीतीश कुमार की मुहिम अभी अधूरी है। जब तक भाजपा विरोधी छोटे-बड़े सभी राजनीतिक दल एक साझा मंच पर एकत्रित नहीं होंगे तब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरा पाना संभव नहीं होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अगले लोकसभा चुनाव में कई प्रदेशों में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने भी अकेले ही चुनाव लड़ने की बात कही है। ओडिशा में बीजू जनता दल, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति और आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का आज भी पूरा प्रभाव नजर आ रहा है। ऐसे में 15 दलों का यह गठबंधन कैसे मुकाबला कर पाएगा। चुनाव में भाजपा के साथ इनको अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों का भी मुकाबला करने पड़ेगा। जिससे विपक्ष की एकता कमजोर होगी। पटना की मीटिंग में जिस तरह से नेताओं ने हाथ मिलाते हुए फोटो खिंचवाई है। यदि उसी तरह से उनके दिल भी मिल जायें तभी विपक्षी एकता सार्थक होगी। वरना तो भाजपा को हरा पाना मुश्किल ही होगा। क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने करीबन 23 करोड़ वोट लेकर 303 सीटें जीती थीं। वहीं इन 15 दलों ने भी उतने ही वोट लेकर 142 सीट ही जीत पाये थे। बराबर वोट लेकर भी आधी से भी कम सीटे जीतने का मुख्य कारण था विपक्षी वोटों का आपस में ही लड़ कर बिखर जाना। इसीलिये विपक्षी वोटों का संगठित होना बहुत जरूरी है। विपक्षी दलों की एकता कितनी सिरे चढ़ पाती है। इस बात का पता तो चुनावों में ही चल पायेगा।

> पिछले 9 सालों में पहली बार 15 राजनीतिक दलों ने एक साथ एक मंच पर बैठकर चर्चा की है। जो देश की राजनीति के लिए आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण घटना साबित होगी। पटना में जुटे 15 दलों के लोकसभा में 142 सांसद हैं। जो कुल लोकसभा सदस्यों का 26 प्रतिशत होता है। वहीं राज्यसभा में इन दलों के पास 94 सांसद हैं जो 38 प्रतिशत है। राज्यों की विधानसभाओं की कुल 4123 सीटों में से 1717 विधानसभा सीटें इन 15 दलों के पास हैं जो कुल विधानसभा सदस्यों का 42 प्रतिशत होता है। विपक्षी दलों की पटना बैठक में शामिल हुए दलों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। कांग्रेस की देश के चार प्रदेशों- राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में सरकार चल रही है।

गहरे पानी पैठ

विज्ञान के बढ़ते कदमों की वजह से हम सब जानते हैं कि धरती कैसे बनी, धरती पर जीवन का उद्भव और फिर विकास कैसे हुआ, जलचर से थलचर कैसे बने और मानव जीवन किन चरणों से गुजरता हुआ आज की स्थिति तक पहुंचा। पर क्या आपने कभी इस पर गहराई से सोचा है? मुझे मालूम है कि कभी न कभी इस सवाल ने आपका ध्यान खींचा ही होगा। शायद यह उतना बड़ा सवाल नहीं है कि पहली बार आग कैसे जली होगी, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि पहली बार मानव ने आग का उपयोग अपने लाभ के लिए कब और कैसे किया होगा? पहली बार कब खेती शुरू हुई होगी और पहली बार कब खेतों में सिंचाई का ध्यान आया होगा? पहली बार कब किसी ने सोचा होगा कि गेहूं की बालियों में से गेहूं निकाल कर उसे पीसा भी जा सकता है, फिर यह कि आटा गूंथ कर उसे पकाया भी जा सकता है? 'पहली बार' के ये सभी सवाल ही हमारी प्रगति के मील पत्थर साबित हुए हैं। जब आप कभी किसी समस्या में गहरे उतरते हैं तो आपकी जिज्ञासा और कल्पनाशक्ति खुद-ब-खुद आपको रास्ता दिखाती चलती है। गहरे पानी पैठने की यह आदत ही हमारी प्रगति और सफलता का मूल मंत्र है। बड़ी बात यह है कि जब हम अपनी जिज्ञासा को शांत करने का प्रयत्न कर रहे होते हैं तो हम संबंधित मामले की गहराई में जाते हैं, उससे हमें कुछ नई बातों का पता चलता है जिनका ज्ञान हमें पहले नहीं था। इससे न केवल हमारी ज्ञानवृद्धि होती है बल्कि यह हमारी सोई कल्पना को जगाकर ज्ञान के और भी नए रास्ते खोलती है। उस एक ही काम को बार-बार करने से हमारा ज्ञान और अभ्यास बढ़ता है और हम उस काम को ज्यादा अच्छे से कर पाते हैं। किसी भी विषय अथवा कार्य के विशेषज्ञ होने का यही तरीका है। अब हमें यह जान लेना उत्तम होगा कि 'विशेषज्ञ' किसे कहते हैं? साधारण शब्दों में कहें तो इसका अर्थ यह है कि विशेषज्ञ किसे कहा या माना जाता है। उत्तर बहुत सीधा है। वह व्यक्ति जो अपनी शिक्षा अथवा अनुभव अथवा दोनों के कारण किसी विषय विशेष की सांगोपांग जानकारी रखता हो, उसका आधिकारिक विद्वान हो, उस विषय पर उसकी राय की कद्र की जाती हो, उसे उस विषय विशेष का विशेषज्ञ माना जाता है। मानव की जिज्ञासा बहुत बड़ा हथियार है। आपकी जिज्ञासा आपको कुछ 'नया' जानने और कुछ 'नया' करने को उकसाती है। जब आपकी जिज्ञासा मुखरित होती है तो आप सवाल पर सवाल करते हैं, समस्या की गहराई में उतरते हैं, उसे हर कोण से, हर पहलू से जानने का प्रयत्न करते हैं और संबंधित विषय की आपकी जानकारी बढ़ती चलती है। जिज्ञासा सभी प्रयोगों, सभी आविष्कारों और सभी तरह के विकास की जननी है। विज्ञान, चिकित्सा, कला और सभ्यता का उत्थान मानव मन की जिज्ञासा से ही हुआ है। जिज्ञासा वह पहला चरण है जो आपसे कोई काम आरंभ करवाती है। सैद्धांतिक रूप में आप किसी विषय की कितनी ही जानकारी ले लें, काम में आने वाली समस्याओं पर कितने ही पहलुओं से विचार कर लें, सिद्धांत और व्यवहार में कुछ अंतर रहने की संभावनाएं सदा रहती हैं। काम करते हुए कई नई और अनपेक्षित समस्याएं सामने आ सकती हैं। ऐसी समस्याओं के हल के लिए आप अपनी कल्पनाशक्ति का सहारा लेते हैं और धीरे-धीरे कुछ प्रयासों के बाद आप समस्या का हल ढूंढ लेते हैं। यह कल्पनाशक्ति का ही कमाल है कि आप काम आरंभ करने से पहले उसके बारे में हर पहलू से सोच पाते हैं, तथा यह भी कल्पनाशक्ति का ही कमाल है कि आप समस्या का रचनात्मक विश्लेषण करते हैं और उसका कारगर समाधान ढूंढ लेते हैं। जिज्ञासा अगर पहला चरण है, कल्पनाशक्ति उसका विस्तार है, तो अभ्यास उसका अंतिम चरण है जो आपको सफलता के द्वार तक ले चलता है। अभ्यास के बिना आपका कार्य वस्तुतः अधूरा ही रह जाता है और आप व्यावहारिक व्यक्ति के बजाय शेखचिल्ली बनकर रह जाते हैं। स्वप्नजीवी होना बहुत बड़ा गुण है। उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। कभी मनुष्य की कल्पना में उड़ पाने की इच्छा उपजी, तभी तो उसने संभावनाओं को तलाशा और वायु-विहार के आश्चर्यजनक साधन खोज निकाले। फिर भी जब तक आप कल्पना को व्यवहार में नहीं उतारते, आपका ज्ञान अधूरा है। सैद्धांतिक रूप में आप किसी विषय की कितनी भी जानकारी ले लें, आप उसे सांगोपांग तभी जान सकते हैं जब आप उस पर काम करना आरंभ करें। तैरना जानने के लिए आप कितनी ही पुस्तकें पढ़ लें, जब तक आप पानी में नहीं उतरेंगे, तैराक नहीं बन सकते। तैरना सीख लेने के बाद भी तैरने का अभ्यास जारी रखना आवश्यक है। एक ही काम जब आप बार-बार दोहराते हैं तो वह आपके लिए आसान हो जाता है क्योंकि आपको उसका 'अभ्यास' हो जाता है। यह अभ्यास ही विशेषज्ञता की पहचान है। इस अभ्यास का कुछ और खुलासा आवश्यक है। जब आप स्कूटर चलाना सीख रहे हों तो आप बार-बार स्पीडोमीटर देखते हैं कि गति कितनी हो गई, स्कूटर की गति जान कर आप गियर बदलते हैं। नौसिखिया व्यक्ति जब गियर बदलने लगता है तो वह कभी क्लच की ओर और कभी स्पीडोमीटर की ओर देखता है। कभी ब्रेक दबाता है और कभी रेस छोड़ता है और ऐसा हर काम करते हुए वह कभी ब्रेक की ओर देखता है, कभी एक्सेलरेटर की ओर देखता है, कभी क्लच की ओर देखता है और कभी स्पीडोमीटर की ओर देखता है। धीरे-धीरे अभ्यास बढने पर उसे सडक़ से ध्यान हटाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। ये सारी क्रियाएं उसके अवचेतन मस्तिष्क में स्थिर हो जाती हैं और वह अंदाजे से ही जान लेता है कि अब स्कूटर की गति में परिवर्तन हो गया है, अतः गियर बदलने की आवश्यकता है और उसके हाथ और पैर एक साथ सक्रिय हो जाते हैं और वह अभ्यासवश खुद-ब-खुद क्लच दबाता है, गियर बदलता है और गियर के अनुसार स्पीड घटा या बढ़ा लेता है। यानी, 'अभ्यास' वह प्रक्रिया है जिसमें बार-बार दोहराने के कारण कोई काम हमारे चेतन मस्तिष्क से निकल कर अवचेतन मस्तिष्क में स्थिर हो जाता है और हमारे मस्तिष्क के साथ-साथ हमारे शरीर के विभिन्न अंग भी उस कार्य में निपुण हो जाते हैं। उपरोक्त विश्लेषण से आप जान गए होंगे कि विशेषज्ञ कैसे बना जाता है। एक ही कार्य को बार-बार दोहराने से जब वह कार्य आपके लिए आसान हो जाता है तो आप उसके विशेषज्ञ हो जाते हैं। कुशल कलाकार, कुशल सर्जन, कुशल सेल्समैन, कुशल मैनेजर आदि सब अभ्यास से बनते हैं। जीवन के किसी भी क्षेत्र पर निगाह डालिए, आप पाएंगे कि अभ्यास की कुंजी ने लोगों को विशेषज्ञ बनाकर सफलता के द्वार तक पहुंचाया है। विशेषज्ञ बनना आसान नहीं है क्योंकि यह आपका पूरा ध्यान, पूरी एकाग्रता चाहता है, पर विशेषज्ञ बनना कठिन भी नहीं है क्योंकि केवल दृढ़ निश्चय और थोड़े से अभ्यास से आप ऐसा कर सकते हैं।

> धरती पर जीवन का उद्भव और फिर विकास कैसे हुआ, जलचर से थलचर कैसे बने और मानव जीवन किन चरणों से गुजरता हुआ आज की स्थिति तक पहुंचा। पर क्या आपने कभी इस पर गहराई से सोचा है? मुझे मालूम है कि कभी न कभी इस सवाल ने आपका ध्यान खींचा ही होगा। शायद यह उतना बड़ा सवाल नहीं है कि पहली बार आग कैसे जली होगी, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि पहली बार मानव ने आग का उपयोग अपने लाभ के लिए कब और कैसे किया होगा? पहली बार कब खेती शुरू हुई होगी और पहली बार कब खेतों में सिंचाई का ध्यान आया होगा? पहली बार कब किसी ने सोचा होगा कि गेहूं की बालियों में से गेहूं निकाल कर उसे पीसा भी जा सकता है, फिर यह कि आटा गूंथ कर उसे पकाया भी जा सकता है? 'पहली बार' के ये सभी सवाल ही हमारी प्रगति के मील पत्थर साबित हुए हैं। जब आप कभी किसी समस्या में गहरे उतरते हैं तो आपकी जिज्ञासा और कल्पनाशक्ति खुद-ब-खुद आपको रास्ता दिखाती चलती है।

देश दुनीया से

निरीक्षण स्टाफ कम किया जाए

जिला कांगड़ा में उपनिदेशक (निरीक्षक) महोदय व प्राचार्य (निरीक्षक) शिक्षा विभाग के व्यवहार के प्रति प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी अध्यापकगण क्रमिक अनशन पर हैं। इस संदर्भ में मिर्जा गालिब का शेअर याद आता है कि 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की।' सरकारी स्कूलों के सुधार के लिए सरकार जो भी पग उठाती है, उससे गुरु-शिष्य संवाद समाप्त हो रहा है और अध्यापकों पर गैर शिक्षक कार्यों से बिना वजह बोझ डाला जा रहा है। मिड डे मील, सर्व शिक्षा विभाग की डाक, सेमिनार जैसे कार्यों से शिक्षक को पढ़ाने का समय कब मिलता होगा, यह सोचने वाली बात है। सरकार ने प्री प्राइमरी कक्षाएं शुरू करने का निर्णय लिया, उसमें भी एनटीटी की नियुक्तियां हास्यास्पद बनी हुई हैं। सबसे बड़ा आश्चर्य का विषय है कि कई पाठशालाओं में अध्यापक नहीं हैं। जो नई नियुक्तियां की जा रही हैं, वे ऐसे स्कूलों में करने की बजाय उन स्कूलों में खाली पदों पर की जा रही हैं, जहां पहले से ही अध्यापक कार्यरत हैं। सरकार की ऐसी तर्कहीन नीतियों के कारण कई अभिभावक, जो आर्थिक दृष्टि से संपन्न नहीं हैं, वे भी अपने बच्चों को निजी पाठशालाओं में पढ़ा रहे हैं। इसी कमी को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त संस्थान प्रदेश के गांव स्तर तक अपने शिक्षण संस्थान खोल रहे हैं। कई सरकारी संस्थान प्रवासी मजदूरों के बच्चों के सहारे चले हुए हैं। प्रवासी भी अब बच्चों को निजी संस्थानों में भेज रहे हैं। कुछ को एनजीओ गोद लेकर उच्च शिक्षा प्रदान करवा रहे हैं। जहां तक निरीक्षण कार्य का संबंध है, उसके बारे में जिला स्तर पर उच्चतर व प्राथमिक स्तर पर दो उपनिदेशक, खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, केंद्र मुख्य शिक्षक, मुख्य शिक्षक, एसएमसी, डायट, जन प्रतिनिधि हैं, अब उपनिदेशक निरीक्षण का स्टाफ व बच्चों की संख्या कितनी है व और कितनी कम हो रही है, यहां यह प्रत्यक्ष ही है। इस प्रकार निरीक्षण दल बार-बार पाठशालाओं में जाने लगें, तो इतने अतिरिक्त गैर शिक्षक बोझ से लदे अध्यापकों को विद्यार्थियों को पढ़ाने का कितना समय मिलेगा व कितना अध्यापक-विद्यार्थी संवाद होगा? निरीक्षण दल के स्थाप पर अध्यापकों के पदों को भरा जाए व निरीक्षण स्टाफ के स्थान पर अध्यापकों के पद सृजित किए जाएं। वास्तव में विद्यार्थी ही अध्यापक का सबसे बड़ा निरीक्षक है। शिष्य संतुष्ट है तो गुरु का सबसे बड़ा टॉनिक है। व्यवसायी भी अपने ग्राहक को भगवान का रूप समझता है। ग्राहक संतुष्ट है तो व्यवसायी का सबसे बड़ा वरदान है। ऐसा वैसे क्षेत्रों के बार में भी है। जिन बच्चों के लिए संस्थान खोले जाएं, उन्हें न्याय मिलना चाहिए। उनके विकास में आने वाली बाधाएं दूर होनी चाहिएं। बेहतर है कि उपनिदेशक (निरीक्षक) के व अन्य स्टाफ समाप्त कर दिया जाए। सरकार इतना पैसा खर्च कर रही है। जनता को टैक्स का सेस भी देना पड़ता है। यह तभी कार्यान्वित होगा यदि अध्यापकों को तनावमुक्त किया जाए। खुले वातावरण में खुली हवाओं में पढ़ाने का अवसर प्रदान किया जाए। महाकवि कालिदास ने लिखा है कि शिक्षा का वातावरण महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है। अध्यापकों ने प्रदेश के ऐसे क्षेत्रों में कार्य किया है जहां न बिजली होती थी, न सडक़-पानी की व्यवस्था, भवनों की कमी भी रही। शिक्षा सर्वोत्तम थी क्योंकि दबाव नहीं था। पहाड़ी में एक कहावत है जिसका भाव है कि वैद्य अधिक हों तो स्वास्थ्य खराब होता है, वकील अधिक हों तो मुकदमे भी ठीक ढंग से नहीं चलते। फालतू पदों की समाप्ति होनी चाहिए। अध्यापकों के लिए कक्षा का स्थल पूजा स्थल की तरह होता है। उसे पढ़ाने में आनंद आता है। मैं राज्यसभा के सांसद जो दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक हैं, प्रोफेसर मनोज झा जिनके भाषा को संसद में, संसद से बाहर भी महत्त्व दिया जाता है, ने भी अपने साक्षात्कार में शिक्षण के बारे में कहा कि विद्यार्थियों के बीच कक्षा में संवाद का अलग आनंद है। पहले वे शिक्षण देते हैं, फिर बच्चे मेरे से प्रश्न करते हैं। संसद काल में भी सप्ताह में एक दिन शिक्षण के लिए निकाल लेते हैं। प्रदेश के भूतपूर्व शिक्षा मंत्री स्व. प्रो. नारायण चंद पराशर स्वयं भी कई शिक्षण संस्थानों में मॉडल लेस्सन देते थे, क्योंकि वह स्वयं भी प्रोफेसर रह चुके थे।

> सरकारी स्कूलों के सुधार के लिए सरकार जो भी पग उठाती है, उससे गुरु-शिष्य संवाद समाप्त हो रहा है और अध्यापकों पर गैर शिक्षक कार्यों से बिना वजह बोझ डाला जा रहा है। मिड डे मील, सर्व शिक्षा विभाग की डाक, सेमिनार जैसे कार्यों से शिक्षक को पढ़ाने का समय कब मिलता होगा, यह सोचने वाली बात है। सरकार ने प्री प्राइमरी कक्षाएं शुरू करने का निर्णय लिया, उसमें भी एनटीटी की नियुक्तियां हास्यास्पद बनी हुई हैं। सबसे बड़ा आश्चर्य का विषय है कि कई पाठशालाओं में अध्यापक नहीं हैं। जो नई नियुक्तियां की जा रही हैं, वे ऐसे स्कूलों में करने की बजाय उन स्कूलों में खाली पदों पर की जा रही हैं, जहां पहले से ही अध्यापक कार्यरत हैं।

कुछ अलग

धर्मशाला में वल्र्ड कप के मैच

भारतीय क्रिकेट फिर जश्न मनाने हिमाचल आ रही है। आईसीसी वल्र्ड कप की मेजबानी में भारत के नक्शे पर धर्मशाला का नाम चिन्हित करने का संकल्प पूरा हो रहा है, तो इसका श्रेय स्वाभाविक रूप से हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और खास तौर पर आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल को जाता है। वल्र्ड कप के पांच मैच हासिल करना राज्य के नाम खेल पर्यटन की कई संभावनाएं जोड़ रहा है। इस तरह अक्तूबर का महीना फिर जायजा लेगा कि ऐसे आयोजन कितने शक्तिशाली हो सकते हैं। खास बात यह भी कि जिन नौ केंद्रों में भारत अन्य टीमों से भिड़ेगा, उनमें से एक धर्मशाला का स्टेडियम भी है। यानी तमाम बड़े शहरों की कतार में हिमाचल का शहरी विकास महकमा अपनी औकात का नया तर्जुमा देख सकता है। जाहिर है हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन ने अपनी अधोसंरचना के दम पर वल्र्ड कप के आयोजन का सिक्का जमा लिया है, तो इससे अन्य खेल संघों और खास तौर पर खेल विभाग को भी अपने अनुभव के सुर ऊंचे उठाने होंगे। सवाल हिमाचल में खेल संभावनाओं से खेल पर्यटन तक अगर उत्तर ढूंढ ले, तो खेल राज्य के तौर पर यह प्रदेश मणिपुर की तर्ज पर खिलाडियों का मक्का बन सकता है। हिमाचल में कई खेल अकादमियां इस प्रयास में रही हैं कि अगर जमीन उपलब्ध हो तो राष्ट्रीय प्रशिक्षण के कैंप यहां लग सकते हैं। इस लिहाज से हर खेल संघ कम से कम एक स्टेडियम तो बना ही सकता है। बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर व धर्मशाला में खेल ढांचा उन्नत हुआ है, लेकिन संभावनाओं की निगरानी में बहुत कुछ करना बाकी है। आबोहवा की बदौलत पड़ोसी राज्यों के कई विश्वविद्यालय हिमाचल में समर कैंप लगाते हैं, लेकिन हिमाचल के विश्वविद्यालय खेलों के प्रति उदासीन हैं, नतीजतन यहां के खिलाड़ी गुरु नानक देव विश्वविद्यालय का रुख करते हैं। खेलों के प्रति हिमाचल की संवेदना का हाल यह है कि अग्निवीर भर्ती के दौरान धर्मशाला का सिंथेटिक ट्रैक व बैडमिंटन हाल ही खिलाडियों के लिए बंद कर दिए गए। कुछ वर्ष पूर्व 26 करोड़ के बजट के साथ मंजूर हुआ उत्कृष्ट प्रशिक्षण खेल परिसर का कोई अता-पता नहीं रहा। हाई आल्टीट्यूट खेल संस्थान की योजना न जाने कहां चली गई। यह दीगर है कि केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के प्रयास से हमीरपुर में खेल प्रशिक्षण का एक्सीलेंस सेंटर मंजूर हुआ है, फिर भी अपेक्षा तो यह थी कि उनके नेतृत्व में हिमाचल खेल राज्य बन जाता। हिमाचल को खेल राज्य बनने के लिए राष्ट्रीय खेलों का एक आयोजन करना होगा। इसके तहत केंद्र के सहयोग से प्रदेश एक साथ कम से कम आध

स्वीडन में मस्जिद के बाहर जलाई कुरान: अकेला प्रदर्शनकारी था, सरकार ने अभिव्यक्ति की आजादी के तहत इजाजत दी; तुर्किये बोला- ये अपराध

स्टॉकहोम।
स्वीडन में ईद-अल-अजहा के मौके पर बुधवार को स्टॉकहोम की एक मस्जिद के बाहर एक शख्स ने कुरान जलाकर प्रदर्शन किया। इसके लिए उसे स्वीडिश सरकार से परमिशन मिली थी। ष्टह्वह्व के मुताबिक, अभिव्यक्ति की आजादी के तहत एक दिन के प्रदर्शन के लिए ये इजाजत दी गई थी। इस प्रोटेस्ट में सिर्फ एक ही व्यक्ति अपने ट्रांसलेटर के साथ शामिल हुआ था। प्रदर्शन कर रहे शख्स ने कुरान के कुछ पन्नों को फाड़कर उसमें आग लगा दी। इसके बाद उसने स्वीडन का झंडा भी लहराया। प्रोटेस्ट देख रहे 200 लोगों में से कुछ उसके पक्ष में तो कुछ विरोध में नारे लगाते हैं। इनमें से एक व्यक्ति ने अरबी में गॉड इज ग्रेट चिल्लाकर प्रदर्शनकारी पर पत्थर भी फेंका। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

तुर्किये बोला- अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस्लामोफोबिया फैला रहे

स्वीडन में कुरान जलाने पर तुर्किये ने विरोध जताया है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने इसे जघन्य अपराध बताया है। विदेश मंत्री हकन फिदान ने ट्वीट कर कहा- अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी इस्लाम विरोधी प्रदर्शन नहीं कर सकता है। हमें इसे स्वीकार नहीं करेंगे। अगर कोई देश नाटो में शामिल होकर हमारा साथी बनना चाहता है तो उसे इस्लामोफोबिया फैला रहे आतंकियों को काबू में करना होगा।

स्वीडन के पीएम बोले- कार्रवाई पर पुलिस लेगी फैसला

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा- मैं इस बात पर कोई अटकलें नहीं लगाना चाहता कि इस प्रदर्शन का हमारी संभावित मेंबरशिप पर क्या असर पड़ेगा। इस तरह का विरोध प्रदर्शन कानून के दायरे में आता है लेकिन फिर भी ये सही नहीं है। मामले में क्या कार्रवाई की जाएगी ये पुलिस ही तय करेगी। बता दें कि प्रदर्शन के बाद पुलिस ने उस व्यक्ति के खिलाफ एक धर्म को टारगेट करने का केस दर्ज किया है।

तुर्किये की एंबेसी के बाहर भी जलाई गई थी कुरान

इससे पहले साल की शुरुआत में भी स्वीडन में तुर्किये की एंबेसी के बाहर कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया था और कुरान जला दी थी। इसका तुर्किये की राजधानी अंकारा में जमकर विरोध हुआ था। लोगों ने स्वीडन के दूतावास के बाहर प्रदर्शन करते हुए उनके झंडे को जला दिया था। तुर्किये ने इसके लिए स्वीडन की सरकार को जिम्मेदार ठहराया था।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन सरकार को झटका, अदालत ने शरण चाहने वालों को रवांडा भेजने की योजना को बताया गैरकानूनी

लंदन । ब्रिटेन में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश करने वाले प्रवासियों का मुद्दा खासा बड़ा है। इसे लेकर ब्रिटेन सरकार संसद में एक आप्रवासी नीति विधेयक भी लेकर जिसकी खूब आलोचना हुई। वहीं अब ब्रिटेन की एक अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि शरण चाहने वालों को रवांडा भेजने की उनकी योजना गैरकानूनी है। अपीली अदालत के तीन न्यायाधीशों ने कहा कि रवांडा को सुरक्षित तीसरा देश नहीं माना जा सकता है जहां प्रवासियों को भेजा जा सकता है। वहीं सरकार द्वारा ब्रिटिश सुप्रीम कोर्ट में फैसले को चुनौती देने की संभावना है। आप्रवासी नीति विधेयक के जरिए शरणार्थियों या अवैध तरीके से समुद्र के जरिए आने वालों को रोकने की बात की जा रही है। ऐसे लोगों को या तो आने नहीं दिया जाएगा और जो किसी तरह से पहुंच भी गए उन्हें हिरासत में लेकर वापस रवांडा जैसे देशों में भेज दिया जाएगा, जिनके साथ ब्रिटिश सरकार ने व्यवस्था की है कि वे ऐसे लोगों को अपने यहां बसा लेंगे। ब्रिटेन ने समझौते के तहत रवांडा को पहले ही 140 मिलियन पाउंड (170 मिलियन डॉलर) का भुगतान कर दिया है, लेकिन अभी तक वहां किसी को निर्वासित नहीं किया गया है। वहीं पीएम सुनक के लिए भी यह बड़ा झटका है। उन्होंने दावा किया था कि हम चैनल पार करके छोटी नावों में आने वाले और शरण चाहने वालों को रोकेंगे। प्रवासी ब्रिटेन में रहने की उम्मीद रखे हुए उत्तरी फ्रांस से यात्रा करते हैं। 2022 में चैनल के पार 45,000 से अधिक लोग ब्रिटेन पहुंचे, और इस प्रयास में कई लोगों की मृत्यु हो गई।

विश्व युद्ध में भाग लेने वाले आखिरी सिख सैनिक को मिला अवार्ड, पीएम सुनक ने किया सम्मानित

ब्रिटेन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को 101 साल के भारतीय मूल के पूर्व सैनिक को पॉइंट्स ऑफ लाइट अवार्ड से सम्मानित किया। बता दें कि पूर्व सैनिक राजिंदर सिंह धत्त द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लेने वाले आखिरी जीवित सिख सैनिक हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपने आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट में आयोजित यूके-इंडिया सप्ताह के दौरान राजिंदर सिंह धत्त को यह सम्मान दिया। ब्रिटेन में अनडिवाइडेड इंडियन एक्स सर्विसमेन एसोसिएशन के प्रयासों से राजिंदर सिंह धत्त के योगदान को पहचान मिली। बता दें कि यह एसोसिएशन भारतीय ब्रिटिश पूर्व सैनिकों को एक साथ लाने और उनके कल्याण के लिए काम करती है। राजिंदर सिंह धत्त का जन्म अविभाजित भारत में साल 1921 में हुआ था। धत्त ब्रिटेन की तरफ से द्वितीय विश्व युद्ध में लड़े और बाद में साल 1963 में परिवार समेत ब्रिटेन में बस गए। पॉइंट्स ऑफ लाइट सम्मान से सम्मानित होने पर राजिंदर सिंह धत्त ने कहा कि प्रधानमंत्री के हाथों अवार्ड मिलना सम्मान की बात है। धत्त ने अनडिवाइडेड इंडियन एक्स सर्विसमेन एसोसिएशन को भी धन्यवाद दिया। बता दें कि पॉइंट्स ऑफ लाइट अवार्ड उन लोगों को दिया जाता है, जो अपने कामों से समाज में बदलाव लाते हैं और जिनकी कहानी दूसरे लोगों को प्रेरित करती है। दस डाउनिंग स्ट्रीट में इन दिनों यूके-इंडिया सप्ताह मनाया जा रहा है। इंडिया ग्लोबल फोरम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए इसका आयोजन कर रहा है।

टाइटन पनडुब्बी का मलबा 6 दिन बाद महासागर से निकाला: टुकड़ों में मानव अवशेष मिले, टाइटैनिक देखने गए थे 5 टूरिस्ट

पोर्टलैंड। टाइटैनिक जहाज के मलबे को दिखाने गई टाइटन सबमरीन का मलबा 6 दिन बुधवार को मिल गया। इसे कई टुकड़ों में कनाडा के सेंट जॉन पोर्ट पर लाया गया। 18 जून को यह सबमरीन अटलांटिक महासागर में 12000 फीट नीचे गई थी। उसके बाद लापता हो गई। चार दिन बाद 22 जून को इसका मलबा टाइटैनिक जहाज से 1600 मीटर दूर मिला था। इसमें 4 टूरिस्ट और एक पायलट सवार था। जांच के बाद विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि यह हादसा विस्फोट की वजह से हो सकता है। कोस्ट गार्ड के अधिकारियों ने सबमरीन के मलबे में मानव अवशेष मिलने की बात कही है। इन अवशेषों को मेडिकल टीम के पास जांच के लिए भेजा जाएगा। पनडुब्बी के मलबे में लैंडिंग फ्रेम, रियर कवर सहित 5 हिस्से बरामद किए गए हैं। कोस्ट गार्ड ने बताया कि पनडुब्बी का काफी सारा मलबा अभी टाइटैनिक जहाज के पास है। उसे भी जल्द ही निकालने की कोशिश की जाएगी। पनडुब्बी के मलबे की फोरेंसिक जांच कर ये पता लगाने की कोशिश की जाएगी की उसमें विस्फोट क्यों हुआ था। टाइटन पनडुब्बी 18 जून की शाम करीब 5: 30 बजे (भारतीय समयानुसार) अटलांटिक महासागर में छोड़ी गई थी। पनडुब्बी में पायलट समेत 5 टूरिस्ट शामिल थे। 4 दिन तक सबमरीन को ढूंढने की कोशिश की गई, जिसके बाद 23 जून को टाइटैनिक जहाज के मलबे के 1600 फीट दूर इसका मलबा मिला।

सैन्य विद्रोह की आहट के बाद रूस के परमाणु हथियारों से जुड़ा ब्रीफकेस रखने वाले जनरल गायब

मास्को।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से भाड़े के सैन्य गुट वैगनर ग्रुप के विद्रोह की आहट के बाद कड़ा रुख अपनाने और कम से कम एक गिरफ्तारी की अपुष्ट रिपोर्टों के बीच रूसी सेना के कई वरिष्ठ जनरल को सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे हैं। रूस के शीर्ष जनरल वालेरी गेरासिमोव शनिवार को हुए विद्रोह के बाद से सार्वजनिक रूप से या सरकारी टीवी पर दिखाई नहीं दिए हैं, भाड़े के सैनिकों के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने गेरासिमोव को सौंपने की मांग की थी। 9 जून के बाद से रक्षा मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में भी उनका उल्लेख नहीं किया गया है।

रूस के यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कमांडर हैं गेरासिमोव

कुछ पश्चिमी सैन्य विश्लेषकों के अनुसार, 67 वर्षीय गेरासिमोव यूक्रेन में रूस के यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कमांडर हैं, और रूस के तीन परमाणु ब्रीफकेस में से एक के धारक हैं। सैन्य विद्रोह की खबरों के बाद सार्वजनिक रूप से नहीं दिखने वालों में जनरल सर्गेई सुरोविकिन भी हैं, जिन्हें सीरियाई संघर्ष में उनकी आक्रामक रणनीति के लिए रूसी प्रेस ने जनरल आर्मगेडन उपनाम दिया है, वे यूक्रेन में रूसी बलों के उप कमांडर हैं। अमेरिकी खुफिया ब्रीफिंग के आधार पर एक रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि उन्हें विद्रोह के बारे में पहले से जानकारी थी और रूसी अधिकारी जांच कर रहे थे कि क्या उनकी मिलीभगत थी।

क्रेमलिन ने बुधवार को इस खबर को तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि इस को लेकर काफी अटकलें और अफवाहें हैं व रहेंगी। रूसी भाषा के संस्करण और एक सैन्य ब्लॉगर ने सुरोविकिन की गिरफ्तारी की सूचना दी, जबकि रूस में बड़ी संख्या में फॉलोवर्स वाले कुछ अन्य सैन्य संवाददाताओं ने कहा कि उनसे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से विद्रोह में उनकी संभावित भूमिका के बारे में पूछताछ की जा रही है।

एक सैन्य जनरल को गिरफ्तार करने के लगाए जा रहे कयास

हालांकि अब तक यह निर्धारित नहीं किया जा सका है कि सुरोविकिन को गिरफ्तार किया गया है या नहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय के एक पूर्व प्रेस अधिकारी की ओर से संचालित टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के एक प्रभावशाली चैनल राइबार ने कहा कि इस मामले में जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारी विद्रोह को रोकने में निर्णायक क्षमता की कमी दिखाने वाले सैन्यकर्मियों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि सशस्त्र बलों के कुछ हिस्सों ने विद्रोह के शुरुआती चरण में वैगनर लड़ाकों को रोकने के लिए बहुत कम योगदान दिया। कुछ रूसी और पश्चिमी सैन्य और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू, एक अनुभवी पुतिन सहयोगी, जिन्हें प्रिगोझिन उनकी कथित अक्षमता के कारण गेरासिमोव के साथ हटाने की मांग कर रहे थे वास्तव में अब अपने काम में और सुरक्षित हो सकते हैं। कार्नेगी एंडोमेंट थिंक टैंक में रूसी सैन्य विशेषज्ञ माइकल कोफमैन ने ट्विटर पर लिखा, मुझे लगता है कि उन्हें (प्रिगोझिन) वास्तव में उम्मीद थी कि शोइगू और गेरासिमोव के बारे में कुछ किया जाएगा, पुतिन उनके (प्रिगोझिन) के पक्ष में फैसला सुनाएंगे। हालांकि हुआ इसका उल्टा है। नेशनल गार्ड के प्रमुख विक्टर जोलोटोव, जो पुतिन के अंगरक्षक हुआ करते थे, सार्वजनिक रूप से यह कहने के बाद कि उनके लोग वैगनर से मास्को की रक्षा के लिए मृत्यु तक खड़े होने के लिए तैयार हैं, भी फायदे में रह सकते हैं।

बीते कई दिनों से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं गेरासिमोव

उन्होंने विद्रोह के मद्देनजर अपनी सेनाओं के लिए भारी हथियार और टैंक प्राप्त करने की संभावना के बारे में बात की है। उधर, गेरासिमोव उस समय भी अनुपस्थित रहे जब पुतिन ने मंगलवार को गृह युद्ध टालने के लिए सेना को धन्यवाद दिया जबकि शोइगू तब से कई बार सार्वजनिक तौर पर नजर आ चुके हैं। गेरासिमोव के डिप्टी सुरोविकिन को आखिरी बार शनिवार को उस समय देखा गया था जब वह एक वीडियो में प्रिगोजिन से विद्रोह को रोकने की अपील करते हुए दिखाई दिए थे। उस दौरान वे वह थके हुए लग रहा थे और यह स्पष्ट नहीं था कि वह दबाव में बोल रहे हैं या नहीं। बुधवार शाम को रूसी मीडिया और ब्लॉगर की अपुष्ट खबरें थीं कि सुरोविकिन को गिरफ्तार किए जाने के बाद मास्को के लेफोर्तोवो हिरासत केंद्र में रखा गया है। पत्रकार अलेक्सी वेनेडिक्तोव ने अपने सूत्रों का हवाला दिए बिना कहा कि सुरोविकिन शनिवार से अपने परिवार के संपर्क में नहीं हैं और उनके अंगरक्षक भी नहीं दिख रहे हैं।

प्रिगोझिन ने कई बार सुरोविकिन की प्रशंसा की थी

प्रिगोझिन, जिन्होंने यूक्रेन युद्ध में अपनी कथित अक्षमता के लिए शोइगु और गेरासिमोव को अपमानित करने में महीनों बिताए थे अक्सर सुरोविकिन की प्रशंसा करते थे। उन्हें चेचन्या और सीरिया में उनके अनुभव के लिए सेना में व्यापक रूप से सम्मानित किया जाता है। सुरोविकिन गेरासिमोव के पदभार संभालने से पहले यूक्रेन युद्ध के समग्र कमांडर रह चुके हैं।

हथियारबंद संघर्ष का बच्चों पर प्रभाव नहीं, यूएनएसजी की रिपोर्ट से हटाया गया भारत का नाम

न्यूयॉर्क ।
संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने अपनी हथियारबंद संघर्ष का बच्चों पर प्रभाव रिपोर्ट से भारत का नाम हटा दिया है। एंटोनियो गुटेरस का कहना है कि भारत ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिसके बाद वहां हालात सुधरे हैं। बीते साल ही एंटोनियो गुटेरस ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत सरकार और उनके विशेष प्रतिनिधि बातचीत कर रहे हैं और हो सकता है कि रिपोर्ट से भारत का नाम हट जाए।

भारत को मिली राहत

हथियारबंद संघर्ष का बच्चों पर प्रभाव पर साल 2023 की अपनी रिपोर्ट में गुटेरस ने लिखा है कि भारत सरकार ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर कई अहम कदम उठाए हैं, जिसके चलते 2023 की रिपोर्ट में भारत का नाम हटा दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिनिधि ने जुलाई 2022 में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन क्षेत्रों की पहचान की थी, जहां काम किया जाना था। इसके लिए उन्होंने भारत सरकार के साथ जम्मू कश्मीर में बीते साल नवंबर में वर्कशॉप भी की थी।

भारत ने उठाए कई कदम

अब अपनी ताजा रिपोर्ट में गुटेरस ने कहा है कि भारत ने विशेष प्रतिनिधि के सुझाव पर कई कदम उठाए हैं। इनमें सुरक्षाबलों को बच्चों की सुरक्षा के लिए ट्रेनिंग देना, बच्चों पर घातक या गैर घातक बल का प्रयोग, पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक, बच्चों को हिरासत में लेने पर रोक और अगर अंत में लेना ही पड़े तो उन्हें कम से कम समय तक ही हिरासत में रखना जैसे कदम उठाए गए हैं। इनके अलावा जुवेनाइट जस्टिस एक्ट और पोक्सो एक्ट को लागू करना जैसे कदम शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर में बेहतर हुए हालात

संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वर्जीनिया गांबा ने बताया कि बीते दो सालों से वह भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बता दें कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने का भी व्यापक प्रभाव पड़ा है। इससे राज्य में विरोध प्रदर्शन पर रोक लगी है, जिससे हिंसा की घटनाएं रुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ की है और बताया कि छत्तीसगढ़, असम, झारखंड, ओडिशा और जम्मू कश्मीर में इस दिशा में काफी काम हुआ है। गुटेरस ने जम्मू कश्मीर में जम्मू एंड कश्मीर कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स का गठन किए जाने पर भी संतोष जाहिर किया। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि साल 2022 में बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के 27,180 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 24,300 अकेले 2022 में दर्ज हुए और 2880 उससे पहले। इस उल्लंघन से 18,890 बच्चे प्रभावित हुए, जिनमें से 13,469 लड़के, 4638 लड़कियां, 783 अज्ञात लिंग के बच्चे शामिल थे।

ईरान ने कनाडा को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में घसीटा, आतंकवाद पीड़ितों को मुआवजा देने से जुड़ा है मामला

तेहरान।
ईरान कनाडा को आतंकवाद का प्रायोजक घोषित कर उसे (ईरान को) मिली छूट का कथित तौर पर उल्लंघन करने के मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में घसीटा है। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। कनाडा ने 2012 में ईरान को आतंकवाद के प्रायोजक के रूप में सूचीबद्ध किया था और सीरिया में बशर असद के शासन के लिए तेहरान के समर्थन, उसके परमाणु कार्यक्रम और इजरायल के लिए खतरों के कारण संबंधों में तनाव के बाद राजनयिक संबंध तोड़ दिए थे।

आईसीजे ने बयान जारी कर कही ये बात

इस्लामिक गणराज्य ने कहा कि कनाडा ने 2012 में पारित एक कानून से अपनी प्रतिरक्षा का उल्लंघन किया था जो पीड़ितों और उनके परिवारों को आतंकवाद के राज्य प्रायोजकों से नुकसान की भरपाई करने की अनुमति देता है। हेग स्थित आईसीजे ने एक बयान में कहा कि

ईरान ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपनी प्रतिरक्षा के कथित उल्लंघन के संबंध में मंगलवार को कनाडा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की है। ईरान ने अदालत में अपनी फाइलिंग में कहा, कनाडा ने अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का उल्लंघन करते हुए ईरान और उसकी संपत्ति के खिलाफ विधायी, कार्यकारी और न्यायिक उपायों की एक श्रृंखला को अपनाया और लागू किया है। ईरान ने अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के उल्लंघन के लिए कनाडा से मुआवजे की मांग की और आईसीजे से ओटावा को कनाडाई अदालतों में तेहरान के खिलाफ किसी भी फैसले को रद्द करने के लिए कहा। कनाडा की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बाइडेन को सोते समय सांस लेने में दिक्कत: स्लीप ऐप्नी बीमारी से पीड़ित, सांस लेने के लिए मशीन का इस्तेमाल कर रहे

वाशिंगटन।
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को कुछ हफ्तों से सोते समय सांस लेने में दिक्कत हो रही है। इसके लिए वह कन्टीन्युअस पॉजिटिव एयर-वे प्रेशर मशीन का इस्तेमाल कर रहे। बुधवार को व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। 80 साल के बाइडेन लंबे वक्त से स्लीप ऐप्नी नाम की बीमारी से पीड़ित हैं। इसमें मरीज को सांस लेने में परेशानी होती है। रात में सोते समय रुक-रुककर सांस आती है। बाइडेन ने हाल ही में अपनी इस बीमारी के बारे में बताया था।

बाइडेन के चेहरे पर मास्क के निशान देखे गए

पत्रकारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बाइडेन के चेहरे चौड़ा पट्टे के निशान देखे। इससे पता चलता है कि उन्होंने सांस लेने के लिए सीपीएपी मशीन का इस्तेमाल किया था। आमतौर पर मरीज सीपीएपी मशीन का इस्तेमाल करते वक्त पट्टे वाला मास्क पहना जाता है। सबसे पहले बाइडेन के मशीन यूज करने की सूचना दी थी।

व्हाइट हाउस ने पुष्टि की

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने कहा, हाल में राष्ट्रपति बाइडेन की मेडिकल रिपोर्ट में उनकी बीमारी का खुलासा हुआ है। वह 2008 से स्लीप ऐप्नी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कल रात सीपीएपी मशीन का इस्तेमाल किया था। व्हाइट हाउस के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि बाइडेन ने अपनी नींद में सुधार के लिए कुछ हफ्तों से सीपीएपी मशीन का उपयोग करना शुरू किया है।

स्लीप ऐप्नी क्या होता है

स्लीप ऐप्नी में नींद के दौरान सांस लेने में कुछ देर के लिए रुकावट आती है। मेयो क्लिनिक के अनुसार, इससे खर्राटे आ सकते हैं और दिन में थकान हो सकती है तथा हाई ब्लड प्रेशर या हार्ट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। स्लीप ऐप्नी में गले की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे फेफड़ों में हवा का प्रवाह रुक जाता है।

अमेरिका के सबसे ज्यादा उम्र के राष्ट्रपति हैं बाइडेन

बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे बुजुर्ग नेता हैं। 80 साल के डेमोक्रेट नेता ने 20 जनवरी 2021 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उन्होंने रिपब्लिक के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को हराकर अमेरिका की सत्ता हासिल की थी। वे 2024 में दोबारा चुनाव लड़ने वाले हैं। एक दिन पहले ही उनके डॉक्टर ने रिपोर्ट जारी कर बताया था कि बाइडेन शारीरिक तौर पर पूरी तरह स्वस्थ हैं और वे रोजाना एक्सरसाइज करते हैं। हालांकि वे अक्सर लड़खड़ा जाते हैं। नवंबर 2020 में बाइडेन के दाहिने पैर में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया था।

नाबालिग की मौत पर फ्रांस में हिंसा-आगजनी

150 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार; ट्रैफिक रूल तोड़ने पर पुलिस ने 17 साल के लड़के को गोली मारी थी

पेरिस।
फ्रांस की राजधानी पेरिस के सब-अर्बन एरिया नेन्तेरे में 17 साल के लड़के नाहेल को ट्रैफिक सिग्नल पर न रुकने के बाद पुलिस ने गोली मार दी। इस घटना के बाद से फ्रांस में हिंसा जारी है। सैकड़ों लोग बुधवार देर रात से पेरिस की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई बिल्डिंग और कारों में आग लगा दी और पुलिस पर भी पटाखे फेंके। पुलिस ने गोली चलाने वाले अफसर को हिरासत में लिया है। फ्रांस की इंटीरियर मिनिस्ट्री ने 2 हजार पुलिसकर्मियों को सड़कों पर तैनात कर दिया है। अब तक 150 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना मंगलवार की है। नेन्तेरे की एक सड़क पर दो पुलिस अफसरों ने यलो रंग की कार को रोका। बहस के दौरान पुलिस अफसर ने पिस्टल निकाली और ड्राइवर नाहेल के सिर में गोली मार दी। ड्राइवर ने कार तेजी से दौड़ाई जो कुछ दूर जाकर क्रैश हो गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि कार ड्राइवर की उम्र 17 साल थी और उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। कुछ दूसरी रिपोर्ट्स

के मुताबिक- पुलिस ने इस कार का पीछा किया और उसे रोक लिया। ये बात वीडियो में भी नजर आती है। रोके जाने के बाद उसने भागने की कोशिश की, तभी अफसर ने गोली मार दी। वायरल हो रहे एक वीडियो को वेरिफाई करते हुए बताया कि पुलिस अफसर ने गाड़ी रोककर खिड़की से ड्राइवर पर गोली चलाई थी। गोली लगने के बाद भी उसने भागने की कोशिश की और करीब 200 मीटर दूर जाकर कार एक दीवार से टकराकर क्रैश हो गई। 38 साल के पुलिस अफसर को सस्पेंड करने के बाद हिरासत में भी लिया गया।

राष्ट्रपति मैक्रों ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग, संसद में 1 मिनट का मौन

फ्रांस के राष्ट्रपति ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। मैक्रों ने कहा- इस घटना से पूरे देश सदमे में है। किसी भी तर्क से इस तरह एक युवक की हत्या को सही नहीं ठहराया जाता।

फ्रांस में सांसदों ने बुधवार को नेशनल असेंबली में एक मिनट का मौन रखा। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने कहा- गोलीबारी की यह घटना साफ तौर पर नियमों का उल्लंघन है। पीड़ित परिवार ने घटना में शामिल अधिकारियों के खिलाफ हत्या, हत्या में साथ देने और झूठी गवाही को लेकर शिकायत दर्ज कराई है।

फुटबॉल स्टार किलियन एम्बाप्पे ने जताया दुख

फ्रांस के कुछ फुटबॉल स्टार्स समेत दूसरे सेलेब्रिटीज ने घटना पर गुस्सा और दुख जाहिर किया। फुटबॉल टीम के कैप्टन किलियन एम्बाप्पे ने ट्वीट कर कहा- मैं इस घटना से बेहद दुखी हूं। नाहेल एक फरिश्ता था जो बहुत जल्दी इस दुनिया को छोड़कर चला गया। इस तरह की घटनाएं स्वीकार नहीं की जा सकती हैं।

पिछले साल फ्रांस में ट्रैफिक पुलिस ने 13 लोगों को गोली मारी

ट्रैफिक चेकिंग के दौरान फ्रांस में इस साल की यह तीसरी घटना है जब फायरिंग में किसी की जान गई है या फिर गोली लगी है। वहीं पिछले साल गोलीबारी की ऐसी 13 घटनाएं रिपोर्ट की गई थी। टैली के मुताबिक 2021 में तीन और 2020 में ऐसी दो घटनाएं देखने को मिली थी।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने पीएम मोदी को बताया कायर

जयपुर (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने गुरुवार को इशारों-इशारों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कायर बताते हुए कह दिया कि राहुल गांधी ने जो भारत जोड़ो यात्रा के दौरान किया वह ये नहीं कर सकते। ये झूठ बोल सकते हैं, बेईमानी कर सकते हैं। गुमराह कर भाई को भाई से लड़ा सकते हैं, लेकिन कांग्रेस की आइडियोलॉजी का मुकाबला नहीं कर सकते। डोटासरा ने ईआरसीपी के मुद्दे पर राजस्थान पहुंचे केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे पर भी तंज कसते हुए कहा कि राजस्थान में सफेद दाढ़ी वाले जो मंत्री आए, उनकी जनता ने क्या दुर्गति की। ऐसे मंत्री को डूब कर मर जाना चाहिए, जिनको यह नहीं पता कि वह कहां जा रहे हैं और उन्हें क्यों भेजा गया है। गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर उन्होंने

कहा कि अब गजेंद्र सिंह कह रहे हैं कि राजेंद्र राठौड़ की सरकार बनवा दो तो हम इस परियोजना के लिए 46 हजार करोड़ दे देंगे। उन्हें नहीं पता है कि राजस्थान में राज भाजपा का नहीं, कांग्रेस का बन रहा है। इसका मतलब साफ है कि भाजपा इस परियोजना के लिए कोई पैसा नहीं देगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने इस परियोजना के लिए 13 हजार करोड़ दिए, लेकिन भाजपा का नकाब सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा में हर कोई अपनी पार्टी के नेताओं पर पर तंज कस रहा है। आपस में एक दूसरे को निपटाने में लगे हैं, इन्हें जनता की नहीं कुर्सियों की चिंता है, लेकिन राजस्थान की जनता सब देख रही है। कांग्रेस की योजनाओं का भाजपा और मोदी के पास कोई जवाब नहीं है। डोटासरा ने कहा कि जिस तरह कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस पार्टी जीती है और राजस्थान को लेकर वेणुगोपाल ने बयान दिया है, उससे साफ है कि राजस्थान में सभी नेता एकजुट हैं और हमारे बीच कोई झगड़ा नहीं है।

भामाशाह जयंती को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस घोषित करने की मांग

सोनीपत (हिंस)। वैश्य, व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने केंद्र एवं राज्य सरकार से मांग की कि भामाशाह जयंती को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस घोषित किया जाए और इस दिन व्यापारी कल्याण के लिए नई योजनाओं की शुरुआत की जाए। लाला लाजपत राय अनाज मंडी स्थित महाराजा अग्रसेन परिसर में गुरुवार को हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन, व्यापर मंडल, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं होलसेल ट्रेडर्स मंडी एसोसिएशन की ओर से आयोजित संयुक्त कार्यक्रम में सेठ भामाशाह की सेवाओं का स्मरण किया गया। पूर्व मंत्री डॉ. कविता जैन ने कहा कि राष्ट्र के लिए तन, मन, धन समर्पित करके भामाशाह ने महाराणा प्रताप को नई ऊर्जा के साथ मुगलों के विरुद्ध युद्ध के लिए तैयार किया और उन्हीं के प्रयासों से मुगलों के क्रूर शासन का अंत हुआ।

महापौर और पार्षदों के खिलाफ बंधक बनाने और धमकाने का मामला दर्ज

जयपुर (हिंस)। माणक चौक थाने में अतिरिक्त कमिश्नर राजेन्द्र कुमार वर्मा ने हेरिटेज नगर निगम की महापौर, उनके पति और पार्षदों के खिलाफ बंधक बनाने, अपशब्द कहने और धमकाने के आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। मामला दर्ज कर जांच सहायक पुलिस आयुक्त माणक चौक हेमंत जाखड़ कर रहे हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (माणक चौक) हेमंत जाखड़ के मुताबिक वर्मा ने महापौर हेरिटेज मुनेश गुर्जर, उपमहापौर अस्लम फारुखी, पार्षद उम्रदराज, नीरज अग्रवाल, श. कुरैशी, सुनिता मावर, राविया, अंजलि, पार्षद पति मोहम्मद अस्तर, आयशा सिद्दीकी, फरीद कुरैशी, फूलचंद, पार्षद के रिश्तेदार शाकिर, महापौर के पति सुशील गुर्जर, बसन्त असवाल के खिलाफ राज कार्य में बाधा, बंधक बनाने, धमकाने, जबरन फाइलों पर साइन कराने के लिए बदसलूकी और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल कर प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया गया है और शिकायत दी है कि 16 जून को वह अपने चैबर में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके पास मैसेज आया कि महापौर बुला रही हैं। उन्होंने कुछ जरूरी फाइल निपटा कर 15 मिनट में आ रहे है। पांच मिनट बाद कुछ पार्षद और उनके साथ आए बाहरी लोग चैंबर में घुस आए और टेंडर की फाइल (बीट पत्रावली) पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए। वह लोग उन्हे जबरन चैंबर से उठा कर महापौर के कमरे में ले गए और वहां पर महापौर मुनेश गुर्जर ने पार्षदों के सामने अपशब्द कहते हुए बीट की पत्रावली पर साइन क्यों नहीं किए। पीड़ित राजेन्द्र का आरोप है कि उन्हें जबरन महापौर के चैंबर में शाम तक बंधक बनाकर रखा गया। शाम को जब पीएचईडी मंत्री महेश जोशी वहां आए तो उन्हें सारी बात बताई। हेमन्त जाखड़ ने बताया कि अतिरिक्त कमिश्नर ने खुद के साथ हुई घटना से जुड़े कुछ वीडियो फुटेज भी पुलिस को दिए हैं। निगम कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इस सिलसिले में वर्मा के बयान ले लिए हैं। अब पुलिस महापौर हेरिटेज, महापौर पति सुशील गुर्जर सहित एक दर्जन से अधिक पार्षदों को पूछताछ के लिए बुला सकती है। गौरतलब है कि जयपुर नगर निगम हेरिटेज में पिछले दिनों अतिरिक्त कमिश्नर राजेंद्र वर्मा के निलंबन की मांग को लेकर महापौर मुनेश गुर्जर पार्षदों के साथ धरना दे रही थीं। जिसमें अस्थाई सफाई कर्मचारियों की फाइल पर साइन करने की मांग को लेकर विवाद हुआ था।

अलवर में भीम आर्मी चीफ आजाद पर हमले के विरोध में निकाली रैली

अलवर (हिंस)। आजाद समाज पार्टी एवं भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर आजाद पर जानलेवा हमले के विरोध में गुरुवार को शहर के कंपनी बाग से भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने मिनी सचिवालय तक रैली निकाली। यहां अतिरिक्त जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। भीम आर्मी के प्रदेश सचिव सुरेंद्र मेहरा ने बताया कि 28 जून बुधवार को सहारनपुर के देवबंद में मनुवादी सोच रखने वाले कुछ अज्ञात हमलावरों ने आजाद समाज पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद पर सुनियोजित जानलेवा हमला किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद ने सहारनपुर एसएसपी व डीजीपी लखनऊ में मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया था कि उन्हें सुरक्षा चाहिए लेकिन शासन प्रशासन ने उनकी सुरक्षा को जानबूझकर गंभीरता से नहीं लिया। जो बहुत ही निराशाजनक है। इस

घटना से भीम आर्मी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में गहरा रोष व्याप्त है। इसीलिए हमारी मांग है कि उक्त घटना के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध रासुका की कार्रवाई की जाए। वह आजाद को गृह मंत्रालय से स्पेशल जेड सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

हरियाणा के जवान और किसान देश के लिए मिसाल : राजनाथ सिंह

यमुनानगर (हिंस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि हरियाणा का जवान और किसान पूरे देश के लिए मिसाल है। रक्षा मंत्री गुरुवार को यमुनानगर में अंबाला लोकसभा क्षेत्र की गौरवशाली भारत रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेलों के क्षेत्र में सबसे अधिक मैडल हरियाणा के आते हैं और देश की सेना में सर्वाधिक जवान हरियाणा के हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की जनता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में विश्वास बढ़ा है क्योंकि पिछले नौ वर्षों में भारत अंतर्राष्ट्रीय मंच पर मजबूत होकर उभरा है। पहले भारत की आवाज को नहीं सुना जाता था। भारत की चर्चा केवल घोटालों के लिए होती थी लेकिन अब भारत जब बोलता है तो गंभीरतापूर्वक सुना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। आज का भारत अपने दुश्मन को सीमा पार जाकर मारने की क्षमता रखता है। उन्होंने

कहा कि भाजपा ने वर्ष 2019 के चुनाव में किए सभी वादों को पूरा किया है। इस देश की जनता आगामी 24 जनवरी के बाद रामलला के दर्शन कर सकती है। हम जो कहेंगे वह करेंगे चाहे कितनी कीमत मोदी जी के नेतृत्व में नौ वर्षों में जो काम किया है। उसका फैसला स्वयं कर सकते है। अर्थव्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि भारत जो 2013 में 11 नंबर पर था वो आज 5वें स्थान पर है। हमने चीन को अपनी ताकत का अहसास कराया है। हमने जनता से जो वायदे घोषणपत्र में किए, वें सभी पूरे किए। राम मंदिर बनाने का वायदा किया था, पूरा किया। कांग्रेस और राहुल गांधी पर तंज कसते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मोहब्बत की दुकान लगाने वाले स्वयं नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में पहले उपकरणों को आयात किया जाता था। आज हम निर्यात करने की स्थिति में आ गए है। 16 हजार करोड़ रुपए का निर्यात किया है। अगले दो साल में लक्ष्य दोगुना किया जाएगा। रैली को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांग्डा, स्कूल शिक्षा मंत्री चौधरी कंवरपाल गुर्जर, गृहमंत्री अनिल विज समेत कई नेताओं ने संबोधित किया।

अलवर शहर में निकली जानकी माता की सवारी

अलवर (हिंस)। जगन्नाथ मेला महोत्सव के तहत आषाढ़ शुक्ला एकादशी गुरुवार को प्रात: आठ बजे माता जानकी की सवारी कलश यात्रा के साथ, बैंडबाजे, झांकियों सहित अन्य लवाजमे के साथ पुराना कटला स्थित जगन्नाथ मंदिर से रवाना होकर रूपबास पहुंची। शहर के मुख्य मार्गों से यात्रा निकली। रास्ते में श्रद्धालुओं की ओर से फूलमालाओं से जानकी मैया का स्वागत किया गया। श्रद्धालु महिलाओं ने माता जानकी को विदाई दी। बड़ी संख्या में महिलाएं यात्रा में शामिल हुई और कलश लेकर चली। इसी के साथ रूपबास में मेला भरना शुरू हो गया। रात 10 बजे वरमाला के साथ भगवान जगन्नाथ व माता जानकी का विवाह होगा। जिसे देखने के लिए पूरा शहर उमड़ता है। इधर मेला स्थल सहित हर तरफ भगवान जगन्नाथ के जयकारों की गूंज रही। यहां पहुंचने वाले हजारों लोग भगवान की एक झलक पाने को आतुर दिखे। अब 1 जुलाई की शाम 5 बजे रूपबास स्थित रुपहरि मंदिर से सुभाष चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर के लिए रथयात्रा वापस रवाना होगी।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरा

कैथल (हिंस)। हरियाणा सरकार को बेरोजगारी के मुद्दे पर घेरते हुए गुरुवार को आम आदमी पार्टी ने कैथल में जवाहर पार्क में इकट्ठा हो कर रोष प्रदर्शन किया। गठबंधन सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता जवाहर पार्क से चलकर, नवग्रह चौक से होते हुए शहीद स्मारक पर पहुंचे। आम आदमी पार्टी के इस चेतावनी आंदोलन की अध्यक्षता आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने की, जबकि संचालन जिला प्रधान सरदार गज्जन सिंह ने किया। इससे पूर्व पार्टी के कार्यकर्ता जवाहर पार्क में एकत्रित हुए और पार्क में जनसभा को संबोधित करते हुए अनुराग ढांडा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की कांग्रेस के साथ सैटिंग है। भूपेन्द्र सिहं हुड्डा स्वयं कहते हैं कि अमित शाह उनके अच्छे मित्र हैं। जनता को प्रताड़ित करने में भाजपा के साथ साथ कांग्रेस भी दोषी है। अगर कांग्रेस पार्टी 8 साल से सड़कों पर आकर संघर्ष करती तो आज हरियाणा प्रदेश के ये हालात न होते। सच्चाई तो यह है कि भाजपा के साथ हुड्डा की सैटिंग है। अब चुनाव के समय में ये नौटंकी कर रहे हैं। अनुराग ढांडा ने जजपा पर बोलते हुए कहा कि मरे हुए को क्या मारे। अबकी बार गांव में उनके बस्ते पकडने् वाला कोई नहीं मिलेगा। लडने् के लिए उम्मीदवार नहीं मिलेंगे। तो हम ऐसी पार्टी के बारे में बोलकर क्यों समय बर्बाद करूं। इनेलो और जजपा पर प्रहार करने का कोई औचित्य नहीं है। भारतीय जनता पार्टी सत्ता में इसलिए उससे सवाल पूछे जाते हैं और कांग्रेस पार्टी विपक्ष में होते हुए एसी कमरों में मजे लूट रही है। इसलिए उनसे सवाल पूछे जा रहे हैं।

विधायक के आवास के पास की लूट : गन प्वाइंट पर नकदी, बाली और कड़ा लूटा

अमृतसर (पंजाब) अमृतसर में लुटेरे बेखौफ हैं। एक बार फिर नकाबपोश लुटेरों ने अमृतसर नार्थ के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह के घर से 500 मीटर की दूरी पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। लूट ग्रीन एवेन्यू के पार्क में स्थित वेरका बूथ पर की गई है। लूट की वारदात की घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरों की पहचान कर रही है। जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह तकरीबन पांच बजे की है। वेरका मिल्क प्लांट से गाड़ी दूध की सप्लाई लेकर ग्रीन एवेन्यू पार्क स्थित वेरका बूथ पर पहुंची। इसी दौरान तीन नकाबपोश एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे। एक लुटेरा मोटरसाइकिल पर ही बैठा रहा और दो ने दूध की उतार रहे व्यक्ति को घेर लिया। एक ने पिस्टल तो दूसरे ने दातर दिखा जेब से सब कुछ निकालने को कहा। बार-बार विक्रेता के पैर पर गोली मारने की धमकी भी दी। लुटेरों ने करीब 8 हजार रुपए की नकदी और कान से सोने की बाली व हाथ से चांदी का क ?ा भी उतार लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिविल लाइन पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी

है। सीसीटीवी कैमरों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं ताकि लुटेरों की मूवमेंट और अधिक जानकारी हासिल की जा सके। पिछले कुछ दिनों से महानगर में लगतार लूट की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। परंतु पुलिस लूट की अलग-अलग वारदातों को सुलझाने में असफल है। इन लूट की वारदातों से लोगों में दहशत है। अमृतसर के पुलिस कमिश्नर नौनिहाल सिंह ने कहा कि जल्दी ही लुटेरों को पुलिस काबू कर लेगी। अलग-अलग जगह पर छापामारी की जा रही है।

ईद-उल-अजहा पर नमाज अदा कर मांगी अमन-चैन की दुआ

जयपुर (हिंस)। प्रदेशभर में ईद-उल-अजहा (बकरा ईद) का पर्व गुरुवार को मुस्लिम भाइयों ने धूमधाम से मनाया। जयपुर-दिल्ली रोड स्थित ईदगाह में सुबह ईद की विशेष नमाज सामूहिक रूप से अदा की गई। इसके अलावा जामा मस्जिद जौहरी बाजार, सी-स्कीम स्थित मस्जिद राईयान रेजीडेंसी, दरगाह अमानीशाह, मौलाना साहब की दरगाह, शिया ईदगाह और आमेर रोड कच्चा बंधा स्थित शिया जामा मस्जिद में ईद की नमाज अदा करने के लिए हजारों की तादाद में लोग जयपुर सहित आसपास के इलाकों से ईदगाह पहुंचे। नमाज को लेकर बच्चे बुजुर्ग युवा सहित अन्य लोगों में काफी उत्साह नजर आया। नमाज के बाद नमाजियों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी और घरों में कुर्बानी का दौर भी शुरू हुआ। इस दौरान राजस्थान चीफ काजी खालिद उस्मानी ने सभी प्रदेशवासियों को ईद की मुबारकबाद दी और

कहा कि यह त्यौहार हम लोगों को आपस में मिलजुल कर मनाने के साथ भाईचारे का महत्व बताता है। साथ हीं कुर्बानी से प ?ैसी या किसी व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं हो। राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष रफीक खान ने भी कहा कि हिंदुस्तान एक ऐसा देश है,जहां पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाते हैं। पीएचईडी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने ईद-उल-अजहा के मौके पर प्रदेशवासियों को मुबारकबाद दी है। डॉ. जोशी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि ईद-उल-अजहा का यह पर्व हमें आपसी भाईचारे के साथ रहने,सच्चाई की राह पर चलने एवं त्याग करने की प्रेरणा देता है। जलदाय मंत्री ने आह्वान किया कि हम सब ईद-उल-अजहा के इस मुबारक मौके पर प्रदेश में सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लें। इस दौरान ईदगाह के आसपास का ट्रेफिक पूरी तरह से डायवर्ट किया गया और सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी संख्या में पुलिस जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात किए गए। शहर काजी खालिद उस्मानी ने बताया कि ईद-उल-अजहा को बकरा ईद के नाम से भी जानते है। इस दिन बकरे की कुर्बानी का काफी महत्व होता है।

पूर्व सांसद से की जिले के 6 लाख निवेशकों के 800 करोड़ रुपए दिलाने की मांग

भिवानी (हिंस)। रूपया निवेश करवाने के नाम पर पीएसीएल सहित आदर्श कॉपरेटिव सोसायटी, सहारा इंडिया, किमफ्यूचर विजन, नैट कर्मिशियल इस्टेट, जय हिंदिया इसोपी प्राईवेट कंपनी, गौपैथी स्वदेशी उद्योग, विनायक होम रियल इस्टेट, सर्वहित हाऊसिंग इनफैक्कर लिमिटेड, ब्लॉक बुस्टर, कल्पतरूर, के इंडिया समृद्धि जीवन सहित अन्य चिट फंड कंपनियों के शिकार हुए देश के करीबन 42 करोड़ ग्राहकों को हजारों करोड़ों रुपए की चपत लगी है। जिसके बाद पीड़ित निवेशक करीबन 8 वर्षो से दर-दर भटककर अपनी जमापूंजी वापिस दिलवाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीएसीएल सहित अन्य चीटफंड कंपनियों के शिकार हुए पीड़ित निवेशकों ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी की प्रदेश संयुक्त सचिव इंदु शर्मा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की कैंपन कमेटी चेयरमैन एवं पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर को मांग पत्र सौंपा। इस मौके पर पूर्व सांसद ने पीड़ित निवेशकों को आश्वासन दिया कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर पहली कलम से पीड़ित निवेशकों की जमापूंजी वापिस दिलवाने का काम किया जाएगा। पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर को मांगपत्र सौंपते हुए ऑल इंडिया इन्वेस्टर के जिला अध्यक्ष रामजस ने कहा कि पीएसीएल सहित अन्य चीट फंड कंपनियों ने सुनहरे सपने दिखाकर देश के करीबन 42 करोड़ ग्राहकों को हजारों करोड़ों की चपत लगाई है। जिसमें अकेले पीएसीएल देश भर के करीबन 6 करोड़ ग्राहकों को ग्राहकों 49 लगभग हजार 100 करोड़ रुपए की चपत लगाकर फरार हो गई। इनमें भिवानी जिला से करीबन दो लाख लोगों को लगभग 800 करोड़ रुपए की चपत लगी है। उन्होंने मांग पत्र सौंपते हुए पूर्व सांसद से गुहार लगाई कि वे पीड़ित निवेशकों की आवाज सरकार तक पहुंचाने का काम करे, ताकि उन्हे उनकी जमापूंजी वापिस मिल सकें।

सोमवार तक गुंडागर्दी पर रोक नहीं लगी तो दुकानों पर काले झंडे लगा करेंगे विरोध

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के शहर रतिया में बढ़ रही गुंडागर्दी की घटनाओं व नए बस स्टैंड के पास एक दुकान के नौकर की मारपीट मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर सर्व समाज व शहरवासियों की एक मीटिंग भोजाराम धर्मशाला में हुई। इसके बाद गुरुवार को सेंकड़ों की संख्या में शहरवासियों ने सिटी थानाध्यक्ष से मुलाकात की। लोगों ने चेतावनी दी कि अगर सोमवार तक गुंडागर्दी पर रोक नहीं लगाई गई और मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो शहरवासी अपनी दुकानों पर काले झंडे लगाएंगे और बाजार बंद करेंगे। थानाध्यक्ष ने सोमवार तक आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। भोजाराम धर्मशाला में आयोजित मीटिंग में अग्रवाल सभा प्रधान प्रमोद बंसल, पंजाबी सभा के अध्यक्ष सतीश हांडा, इनेलो नेता हरबंस खन्ना, नगर पालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि महेश खन्ना कालू, विज्ञान सागर बाघला, डॉ. हंसराज मेहता, कृष्ण तनेजा, राजेश सेतिया, रमेश जताना, फतेहचंद अलीका, संजय मक्कड़, नरेंद्र बजाज, प्रमोद रिंका, सिप्पा जिंदल, हैप्पी सेठी, विजय गर्ग, राजीव सूद, पुजारा लाल चुघ के अलावा अनेक दुकानदारों व सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने भाग लिया। इस मीटिंग में शहर में बढ़ रही गुंडागर्दी की घटनाओं पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि रतिया शहर में पिछले काफी समय से गुंडागर्दी, लूटपाट, मारपीट की घटनाएं बढ़ती जा रही है, लेकिन पुलिस द्वारा गुंडा तत्वों के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की जा रही। इस कारण गुंडा तत्वों के हौंसले बढ़ते ही जा रहे हैं और घटनाएं भी बढ़ती जा रही है।

जम्मू के आधार शिविर से आज रवाना होगा पहला जत्था

जम्मू (हिंस)। वार्षिक अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू होने से पहले बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों का जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर यात्री निवास में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस आधार शिविर से शुक्रवार यानी 30 जून को पहला जत्था बालटाल और पहलगाम के आधार शिविर के लिए रवाना होगा। इन दोनों आधार शिविरों से शनिवार को श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर अपनी यात्रा आरंभ करेंगे। बफार्नी बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप में पहुंचना शुरू हो गए हैं। यात्रा के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इसके लिए जम्मू शहर में तत्काल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। यात्रा पंजीकरण के लिए भोले के भक्त कतारों में सुबह से ही लगे हुए हैं। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को उत्साह देखते ही बन रहा है। पूरा शहर बम बम भोले के जयकारों से गूंजना शुरू हो गया है। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 62 दिन चलेगी। यात्रा 1 जुलाई को शुरू होकर 31 अगस्त को सम्पन्न होगी। हिंदुओं के लिए इस यात्रा का एक अलग ही महत्व है। तीर्थयात्रा पहलगाम में नुनवान और कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल के रास्तों से शुरू होगी। इन दोनों यात्रा मार्गों पर करीब 120 लंगर लगाए गए हैं। लखनपुर से लेकर बालटाल व पहलगाम तक करीब 50 लंगर हैं। उधमपुर जिले में जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर ही कुल 22 लंगर लगाए गए हैं। इसी बीच राज्य के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव राज कुमार गोयल, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव मंदीप कुमार भंडारी ने अमरनाथ यात्रा के दोनों तीर्थ मार्गों का व्यापक दौरा किया था। अधिकारियों ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए बलों और अन्य लोगों के बीच पूर्ण समन्वय पर ध्यान केंद्रित करने और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान पर जोर दिया। यात्रा शुरू होने से पहले अनंतनाग जिला प्रशासन ने चिकित्सा, स्वच्छता और अन्य सहित सभी सुविधाओं की व्यवस्था की है। डिप्टी कमिश्नर अनंतनाग सईद फखरुद्दीन हामिद ने कहा कि इस साल आरआईएफडी, स्वच्छता, लॉगिंग की सभी व्यवस्थाएं की गई हैं और सभी विभाग यात्रा के लिए काम कर रहे हैं। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक सद्भाव बल्कि सांप्रदायिक सद्भाव का भी प्रतीक है। अमरनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस बार दोनों आधार शिविरों में ही नहीं बल्कि पूरे यात्रा मार्ग पर चिह्नित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। पवित्र गुफा, पंचतरणी, शेषनाग में भी हेलीपैड तैयार किए गए हैं, ताकि आपात परिस्थितियों में राहत कार्यों में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। इलाके में सात हेलीपैड तैयार किए गए हैं, जिन पर रात को भी हेलीकॉप्टर उतर सकता है। बालटाल बेस कैंप और पवित्र गुफा तक के रास्ते में 1243 स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इसके अलावा चिन्हित स्थानों पर जनशक्ति और ईंधन के साथ 19 जेनसेट भी लगाए गए हैं। बर्फीले पहाड़ों के बीच 3888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा की सुरक्षा की जिम्मेदारी पारंपरिक रूप से सीआरपीएफ के पास रहती है, लेकिन इस बार यह जिम्मेदारी इंडो तिब्बत बॉर्डर (आईटीबीपी) पुलिस को दी गई है। माना जा रहा है कि इस बार अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव मणिपुर हिंसा की वजह से भी हुआ है।

रिकॉर्ड हाई पर एपल का शेयर : कंपनी का स्टॉक करीब 190 डॉलर का हुआ, मार्केट कैप भी 3 ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंचा

कैलिफोर्निया।
अमेरिका की मल्टीनेशनल टेक्नोलॉजी कंपनी एपल का शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। एपल का शेयर 1.19 डॉलर यानी 0.63प्रतिशत बढ़कर 189.25 डॉलर पर बंद हुआ था। इसके साथ ही एपल का मार्केट कैप भी करीब 3 ट्रिलियन डॉलर (2.98 ट्रिलियन) के पास पहुंच गया है। रिफाइनिटिव डेटा के अनुसार, यह एपल के शेयरों के लिए लगातार दूसरा रिकॉर्ड हाई लेवल है। एपल ने अभी तक 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ ट्रेडिंग सेशन क्लोज नहीं किया है। 3 जनवरी 2022 को इंट्रा-डे ट्रेडिंग में एपल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा पहुंच गया था और ट्रेडिंग सेशन क्लोज होने पर उस लेवल के नीचे आ गया था।

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एपल के शेयरों में क्यों आई तेजी – दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एपल के शेयरों में लेटेस्ट बढ़त इस साल वॉल स्ट्रीट की कई टेक्नोलॉजी से जुड़ी दिग्गज कंपनियों के मजबूत रिबाउंड के बाद आई है। फेडरल रिजर्व जल्द ही अमेरिकी ब्याज दरों को कम कर सकता है और आने वाले दिनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य अच्छा हो सकता है। यही वजह है कि एपल के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है।

2023 में अब तक एपल के शेयर में 46प्रतिशत की तेजी देखने को मिली – 2023 में अब तक एपल के शेयर में 46प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इसी टाइम ड्यूरेशन में शेयर 185प्रतिशत बढ़ा है। इसके साथ ही 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की स्टॉक मार्केट वैल्यू को पार करने वाली पहली चिप मैकर कंपनी भी बन गई है। इस साल टेस्ला और मेटा का शेयर अब तक दोगुना से भी ज्यादा बढ़ा है। वहीं 2023 में माइक्रोसॉफ्ट के शेयर में 40प्रतिशत की तेजी आई है।

5 जून को दुनिया का सबसे महंगा हेडसेट एपल विजन प्रो लॉन्च किया – एपल ने 5 जून को दुनिया का सबसे महंगा मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट एपल विजन प्रो लॉन्च किया था, जिसकी कीमत 2.88 लाख रुपए है। तब एपल ने अपनी एनुअल डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस-में हेडसेट के अलावा अन्य कई प्रोडक्ट्स भी लॉन्च किए थे। इस इवेंट के बाद से ही एपल के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है।

एपल ने मई में अपनी हालिया तिमाही रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें कंपनी ने यह बताया था कि उसके रेवेन्यू और प्रॉफिट में गिरावट आई है, लेकिन फिर भी यह रिजल्ट एनालिस्टों की एक्सपेक्टेशन से बेहतर रहा था। स्टॉक बायबैक के एक स्टेडी ट्रैक रिकॉर्ड के साथ कंपनी के फाइनेंशियल रिजल्ट्स ने ग्लोबल इकोनॉमिक अनिश्चितता के समय में निवेशकों के बीच एक सेफ इन्वेस्टमेंट के ऑप्शन के रूप में अपनी इमेज को मजबूत किया है।

न्यूज ब्रीफ

कोका-कोला की मिठास कैंसर दे सकती है: वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने कहा- इसमें एस्पार्टेम स्वीटनर, इसे खतरनाक पदार्थ की लिस्ट में डालेंगे

मुंबई। कोका-कोला पीने से कैंसर का जोखिम है। यह बात वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने कही है। उसने

चेतावनी जारी करते हुए कहा- कोका-कोला समेत अन्य ड्रिंक्स और फूड आइट्म को मीठा करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे आर्टिफिशियल स्वीटनर एस्पार्टेम से कैंसर होने का खतरा है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर जुलाई में एस्पार्टेम को ऐसे पदार्थों की लिस्ट में शामिल करेगी जिनसे कैंसर हो सकता है या इसका खतरा बढ़ जाता है। एस्पार्टेम का इस्तेमाल कोका-कोला, डायट सोडा से लेकर मार्स एक्स्ट्रा च्यूइंग गम और कुछ अन्य ड्रिंक्स में होता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने अभी ये नहीं बताया है कि एस्पार्टेम युक्त उत्पाद का कितनी मात्रा में सेवन सुरक्षित है। नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थ का कोई कितना सेवन कर सकता है, यह सुझाव वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की एक अलग एक्सपर्ट कमेटी देती है। आमतौर पर यह सुझाव जॉइंट वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन एंड फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन एक्सपर्ट कमेटी ऑन फूड एडिटिव्स देता है। एडिटिव्स पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की समिति इस साल एस्पार्टेम के इस्तेमाल की समीक्षा कर रही है। 1981 में कहा था कि अगर एक सीमा तक (लिमिट में) रोज एस्पार्टेम का सेवन किया जाता है तो यह सुरक्षित है। उदाहरण के लिए 60 किलोग्राम वजन वाला एक शख्स अगर दिन में 12-36 कैन डाइट सोडा पीता है तो वह जोखिम उठा रहा है। पिछले साल फ्रांस में एस्पार्टेम पर एक रिसर्च हुई। इस दौरान आर्टिफिशियल स्वीटनर का सेवन करने वाले एक लाख लोगों पर स्टडी हुई। इसमें पाया गया कि जो लोग भारी मात्रा में आर्टिफिशियल स्वीटनर (जिसमें एस्पार्टेम भी शामिल है) का सेवन कर रहे हैं उनमें कैंसर का खतरा ज्यादा था। एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक 350 द्रव्य की छोटी कोल्ड ड्रिंक्स कैन में भी 10 से 12 चम्मच चीनी घुली होती है। दूसरी ओर, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की एक रिपोर्ट कहती है कि दिन में 5-6 चम्मच से ज्यादा चीनी खाना खतरनाक है।

अमेरिका के महान प्रवासियों की सूची में शामिल किए गए विश्व बैंक के मुखिया अजय बंगा, ये है कारण

नई दिल्ली । विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा का नाम एक प्रतिष्ठित परोपकारी संगठन की ओर से

तैयार की गई 2023 की ग्रेट इमिग्रेंट्स (महान प्रवासियों) की सूची में शामिल किया गया है। अपने योगदान और कार्यों से अमेरिका और उसके लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत करने प्रवासियों को इस सूची में शामिल किया गया है। इसी महीने (जून 2023) में विश्व बैंक के प्रमुख बने बंगा संस्थान का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय मूल के अमेरिकी हैं। वह कार्नेगी कॉर्पोरेशन ऑफ न्यूयॉर्क की ओर से बनाई गई इस वर्ष की महान प्रवासियों की सूची में शामिल भारतीय मूल के एकमात्र व्यक्ति हैं। कार्नेगी कॉर्पोरेशन की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रमुख पदों पर 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, 63 वर्षीय बंगा से गरीबी और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व बैंक में परिवर्तनकारी नीतियों की शुरुआत करने की उम्मीद है, इससे दुनिया भर के लोगों के लिए अवसर खुलेंगे।

नेशनल जियोग्राफिक ने अपने अंतिम स्टाफ लेखकों को भी हटाया, अब फ्रीलांस लेखकों के भरोसे काम

नई दिल्ली । 1888 में पहली बार प्रकाशित होने के एक सदी बाद, नेशनल जियोग्राफिक पत्रिका ने बुधवार को अपने अंतिम स्टाफ लेखकों को कथित तौर पर हटा दिया। खबर के अनुसार अपने प्रतिष्ठित मासिक प्रकाशन में विज्ञान और प्राकृतिक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विषयों को पाठकों तक पहुंचाने वाली पत्रिका अगले साल न्यूजस्टैंड से भी गायब हो जाएगी। कई संपादकीय सदस्यों की रिपोर्टों और ट्वीट के अनुसार प्रकाशन ने कुल 19 लेखकों का साथ छोड़ दिया है। नेशनल ज्योग्राफिक के वरिष्ठ लेखक क्रेग ए वेल्च ने ट्विटर पर लिखा, मेरा नया नेशनल ज्योग्राफिक अभी आया है, जिसमें मेरा नवीनतम फीचर शामिल है- यह मेरा 16वां और एक वरिष्ठ लेखक के रूप में आखिरी फीचर है। नैट जियो अपने सभी स्टाफ लेखकों को निकाल रहा है। मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं।

इंडिगो का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ के पार

ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन ; इसी महीने 500 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया था

मुंबई।
इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड यानी इंडिगो का मार्केट कैपिटलाइजेशन को 1 लाख करोड़ रुपए के आकड़े को पार कर गया है। इसके साथ इंडिगो इस अचीवमेंट को हासिल करने वाली देश की पहली एयरलाइन कंपनी बन गई है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इंडिगो का शेयर 3.55प्रतिशत की तेजी के साथ 2619.85 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, इंट्राडे में स्टॉक 2634.25 रुपए के रिकार्ड हाई को भी टच किया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 1,01,007.56 करोड़ रुपए हो गया है।

इसी महीने इंडिगो ने 500 एयरबस 320 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया था

सोमवार (19 जून) को इंडिगो ने 500 एयरबस 320 फैमिली एयरक्राफ्ट खरीदने का ऐलान किया था। इसके साथ ही इंडिगो एक बार में इतना बड़ा ऑर्डर देने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बन गई है। इंडिगो से पहले यह रिकॉर्ड एअर इंडिया के नाम था। इन एयरक्राफ्ट्स की डिलीवरी 2030 से 2035 के बीच होने की उम्मीद है। 500 एयरबस 320 फैमिली एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए इंडिगो 50 अरब डॉलर यानी 4.09 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी। हालांकि ऑर्डर की वास्तविक लागत कुछ कम भी हो सकती है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे बड़े सौदों पर डिस्काउंट मिलता है।

इंडिगो की डोमेस्टिक मार्केट में 61प्रतिशत हिस्सेदारी

डोमेस्टिक मार्केट में इंडिगो की 61प्रतिशत हिस्सेदारी है। वर्तमान में इंडिगो 26 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट्स ऑपरेट करती है, जिससे 75 इंटरनेशनल सिटीज को सर्विस मिलती है। 300 से ज्यादा विमानों की फ्लीट के साथ एयरलाइन रोजाना 1800 से ज्यादा उड़ानों के जरिए देश के 78 शहरों को जोड़ती है।

2027 तक भारत में दोगुने हो सकते हैं यात्री

देश में कोविड से पहले की तुलना में 9प्रतिशत अधिक हवाई यात्री हैं। रोज औसतन 4.5 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। देश में 2013-14 में 6 करोड़ हवाई यात्री थे, जो बढ़कर 20 करोड़ हो गए। विमान 400 से 700 हुए। देश में बीते साल 20 करोड़ यात्रियों ने सफर किया। 2027 तक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री बढ़कर 40 करोड़ होने की उम्मीद है। अभी 700 यात्री प्लेन हैं, जो नाकाफी हैं। ऐसे में आगामी वर्षों में 3-4 नई एयरलाइंस आ रही हैं। एअर इंडिया भी बेड़े को 3 गुना बढ़ा रही है। देश में 8 साल में एयरपोर्ट 74 से बढ़कर 141 हो गए हैं। अगले पांच वर्षों में 80 नए एयरपोर्ट जुड़ेंगे। 2030 तक 220 एयरपोर्ट होंगे। सेंटर फॉर एशिया पेसिफिक एविएशन के मुताबिक 2043 तक 4000 प्लेन के साथ भारत में 130 करोड़ घरेलू व अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री होंगे।

मार्केट कैप क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के कुल आउटस्टैंडिंग शेयरों की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स से लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है। मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

संचालन शुरू करने की मंजूरी देने से पहले दस्तावेजों की जांच करेगा डीजीसीए, ये है प्लान

नई दिल्ली । विमानन नियामक डीजीसीए गो फर्स्ट के पुनरोद्धार योजना से संबंधित दस्तावेजों की जांच करेगा और विमानन कंपनी को परिचालन फिर से शुरू करने की अनुमति देने से पहले परिचालन तैयारियों का ऑडिट भी करेगा। अधिकारियों ने बताया कि तीन मई से उड़ानें बंद करने वाली गो फर्स्ट के मौजूदा प्रबंधन के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों के साथ पुनरुद्धार योजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। बता दें कि वाडिया परिवार के स्वामित्व वाली बजट एयरलाइन स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया में है। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के अनुसार एयरलाइन के ईवाई समर्थित समाधान पेशेवर शैलेंद्र अजमेरा और अंतरिम सीईओ कौशिक खोना ने पुनरोद्धार योजना पर डीजीसीए के अधिकारियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुति दी। दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद डीजीसीए एयरलाइन की परिचालन तैयारियों का आकलन करने के लिए ऑडिट भी करेगा।

विदेश में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल पर फिलहाल नहीं लगेगा कोई टैक्स; सरकार ने तीन महीने के लिए टाला फैसला

नई दिल्ली ।
वित्त मंत्रालय ने 28 जून को एक बड़ा फैसला लेते हुए विदेशों में क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च पर टीसीएस का ज्यादा रेट लागू करने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। सरकार ने पांच फीसदी टीसीएस को 1 जुलाई से बढ़ाकर 20 फीसदी करने का निर्णय लिया था। सरकार के 28 जून के एलान के अब यह फैसला 1 अक्तूबर 2023 से लागू होगा। सरकार के ताजा फैसले के अनुसार 7 लाख रुपए तक के इंटरनेशनल टूर पैकेज पर 5प्रतिशत का ही टीसीएस काटा जाएगा। क्रेडिट कार्ड के जरिए विदेशों में खर्च फिलहाल उदारीकृत धन प्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत नहीं आएगा। ऐसे में इस पर स्रोत पर कर (टीसीएस) कटौती भी नहीं होगी। वित्त मंत्रालय की ओर से बताया गया कि सरकार ने यात्रा पैकेज समेत विदेशों में धन भेजने के लिए उच्च दर से टीसीएस (स्रोत पर कर कटौती) काटे जाने के फैसले को तीन महीने तक के लिए टालने का फैसला किया है। यानी फिलहाल 30 सितंबर तक टीसीएस शुल्क लगाने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने बताया कि विभिन्न पक्षों और माध्यमों से मिले विचारों और सुझावों के बाद फैसले में कुछ बदलाव करने पर सहमति बनी है। सबसे पहले यह निर्णय लिया गया है कि एलआरएस के तहत सभी उद्देश्यों और विदेश यात्रा टूर पैकेज के लिए प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष सात लाख रुपये तक की राशि के लिए टीसीएस की दर में कोई बदलाव नहीं होगा। भले ही भुगतान किसी भी तरीके से क्यों न किया गया हो। मंत्रालय ने कहा कि संशोधित टीसीएस दरों के क्रियान्वयन और एलआरएस में क्रेडिट कार्ड भुगतान को शामिल करने के लिए अधिक समय देने का भी निर्णय किया गया है। विदेश यात्रा पैकेज खरीदने को लेकर सात लाख रुपये प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष खर्च पर टीसीएस पांच प्रतिशत की दर से लगेगा। 20 प्रतिशत की दर तभी लागू होगी जब खर्च इस सीमा से अधिक होगा।

बजट 2023 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फॉरेन रेमिटेंस यानी विदेशों में धन भेजने पर पर टीसीएस की दर बढ़ाने का एलान किया था। मौजूदा समय में उदारीकृत धन प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत फॉरेन रेमिटेंस पर पांच फीसदी टीसीएस कटता है। इसे ही बढ़ाकर 20 फीसदी किया जाना है। हालांकि, कुछ मामलों में इसमें छूट है।

30 जून को ओपन होगा पीकेएच वेंचर्स का आईपीओ : 4 जुलाई तक कर सकेंगे अप्लाय, 12 जुलाई को मार्केट में लिस्ट होंगे शेयर्स

मुंबई।
कंस्ट्रक्शन और हॉस्पिटैलिटी फर्म पीकेएच वेंचर्स लिमिटेड का आईपीओ 30 जून को ओपन होगा। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 379 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। पीकेएच वेंचर्स को आईपीओ के लिए पिछले साल जुलाई में मार्केट रेगुलेटर से मंजूरी मिली थी। इस आईपीओ के लिए कंपनी 1.82 करोड़ के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी करेगी। जबकि 77.3 लाख इक्विटी शेयरों को कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे।

12 जुलाई को शेयर मार्केट में लिस्ट होगें शेयर्स

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 30 जून से 4 जुलाई तक बिडिंग कर सकते हैं। 12 जुलाई को कंपनी के शेयर्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। पीकेएच वेंचर्स के आईपीओ में रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 100 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 140-148 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 148 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,800 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1300 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें अपर प्राइस बैंड के हिसाब से 192,400 रुपए खर्च करने होंगे। आईपीओ में 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। कंस्ट्रक्शन, डेवलपमेंट, हॉस्पिटैलिटी और मैनेजमेंट सर्विस के बिजनेस में है कंपनी पीकेएच वेंचर्स कंस्ट्रक्शन, डेवलपमेंट, हॉस्पिटैलिटी और मैनेजमेंट सर्विसेज के बिजनेस में है। वहीं, सिविल कंस्ट्रक्शन बिजनेस से जुड़े काम इसकी सब्सिडियरी और कंस्ट्रक्शन कंपनी गरुड़ कंस्ट्रक्शन संभालती है। कंपनी इस इश्यू के जरिए जुटने वाले राशि में से 124.12 करोड़ का यूज हलाईपानी हाइड्रो प्रोजेक्ट और 80 करोड़ का यूज गरुड़ कंस्ट्रक्शन की कैपिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके साथ ही 40 करोड़ का यूज ग्रोथ, स्ट्रैटजिक इनिशिएटिव और जनरल कोरपोरेट के लिए करेगी।

'फेसवॉच' ने लाखों का नुकसान रोका: स्टोर से सामान चुराने वालों को पहचानकर अलर्ट भेजता है, इससे वॉन्टेड अपराधियों की पहचान भी

लंदन।
लंदन के चर्चित क्यूडी स्टोर्स के सुरक्षा अधिकारी साइमन मैकेंजी एंट्री गेट पर खड़े-खड़े हांफ रहे थे। वे तीन शॉपलिफ्टर्स का पीछा करके लौटे थे, जो वॉशिंग पाउडर के पैकेट लेकर भागे थे। कुछ देर बाद वे स्टोर के पीछे बने रूम में बैठ गए, ताकि अपराधियों के चेहरों को फेसवॉच (फेस पहचानने वाला सॉफ्टवेयर) में सेव कर सकें। इससे अगली बार जब वे लोग फेसवॉच इस्तेमाल करने वाले किसी स्टोर में पहुंचेंगे, तो उस स्टोर के कर्मचारियों को अलर्ट मिलेगा। पुलिस को भी इससे मदद मिल सकेगी। टेक्नोलॉजी में सुधार और लागत में कमी के कारण फेस रिकग्निशन जैसी टेक्नोलॉजी अब सरकारी जांच एजेंसियों तक सीमित नहीं रही है। समस्या पैदा करने वाले ग्राहकों से लेकर शॉपलिफ्टर्स तक की पहचान के लिए भी इसकी मदद ली जा रही है। लाइव फेशियल रिकग्निशन के इस्तेमाल में ब्रिटेन सबसे आगे है। लंदन व कार्डिफ में पुलिस सड़क

पर चलते समय वॉन्टेड अपराधियों की पहचान के लिए यह टेक्नोलॉजी इस्तेमाल कर रही है। मई में चार्ल्स (तृतीय) के राज्याभिषेक के दौरान भीड़ को स्कैन करने में भी इसकी मदद ली गई थी। बायोमेट्रिक्स एवं सर्विलांस कैमरा कमिश्नर फ्रेजर सैम्पसन कहते हैं, 'गति, पैमाने, सटीकता व लागत के मामले में फेस आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी गेम चेंजर हो सकती है।' फेसवॉच की वॉचलिस्ट लगातार बढ़ रही है क्योंकि स्टोर शॉपलिफ्टर्स और संदेहास्पद ग्राहकों की तस्वीरें अपलोड करते हैं। यह डेटा सालभर तक सिस्टम में रहता है। हर बार जब फेसवॉच का सिस्टम शॉपलिफ्टर को पहचानता है, तो इसकी सूचना सुपर आइडेंटिफायर के पास जाती है। यह चेहरे को याद रखने की विशेष प्रतिभा वाला व्यक्ति होता है। सुपर आइडेंटिफायर को कुछ सेकंड में ही फेसवॉच डेटाबेस से इसकी पुष्टि करनी होती है। इसके बाद स्टोर्स को अलर्ट भेजा जाता है। स्टोर संचालक लियाम अर्डर्न मानते हैं कि फेस पहचानने के गोपनीयता जोखिमों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है। आलोचक यह नहीं समझते कि हम कम मार्जिन पर काम करते हैं। अगर शॉपलिफ्टिंग कम नहीं होती तो चीजों के दाम बढ़ाने होंगे या कर्मचारी घटाने होंगे। फेसवॉच सॉफ्टवेयर का आइडिया बार मालिक साइमन गॉर्डन का था। जेबकतरों से सुरक्षा के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ उन्होंने 2010 में यह इनोवेशन किया था। गार्डन कहते हैं,'अपनी मदद खुद करनी होगी।

ट्विटर ने कैरेक्टर लिमिट 25,000 की

सब्सक्रिप्शन लेने वाले यूजर को मिलेगा फायदा, टेक्स्ट के साथ इमेज भी शेयर कर सकेंगे

सैन फ्रांसिस्को।
माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने कैरेक्टर लिमिट को 25,000 कर दिया है। साथ ही यूजर अब कैरेक्टर के साथ इमेज भी एड कर सकेंगे। कंपनी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से इसकी अनाउंसमेंट की है। ट्विटर ने बताया कि इन फीचर्स का फायदा सिर्फ ब्लू सब्सक्रिप्शन प्लान लेने वाले यूजर को ही मिलेगा। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने इस पर अपने एक ट्वीट कर कहा कि, लॉन्ग फॉर्म पोस्ट में सुधार किया गया है।

दो महीने पहले ही 10 हजार की थी कैरेक्टर की लिमिट

इससे पहले कंपनी ने 14 अप्रैल को ब्लू सब्सक्राइबर्स के लिए कैरेक्टर लिमिट को 280 से बढ़ाकर 10,000 किया था। अब ट्विटर पर बोल्ड और इटैलिक जैसी टेक्स्ट फॉर्मेटिंग का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके साथ ही ट्विटर क्रिएटर्स के लिए मोनेटाइजेशन फीचर भी पेश किया था। यानी अब ट्विटर से पैसा भी कमा सकेंगे।

कंटेंट क्रिएटर्स के लिए मोनेटाइजेशन प्रोग्राम कैसे काम करेगा

एलन मस्क ने 14 अप्रैल को ट्वीट करते हुए कहा था कि अपने फॉलोअर्स को लॉन्गफॉर्म टेक्स्ट से लेकर घंटों लंबे वीडियो तक किसी भी मटेरियल का सब्सक्रिप्शन ऑफर करने के लिए अप्लाय करें। सेटिंग्स में बस मोनेटाइजेशन पर टैप करें। मोनेटाइजेशन से की गई कमाई का कोई भी हिस्सा अगले 12 महीनों तक ट्विटर नहीं लेगा। हालांकि एंड्रॉएड और आईओएस 30प्रतिशत फीस वसूलता है। ये चार्ज क्रिएटर की इनकम से डिडक्ट हो जाएगा। वेब पर चार्ज 8प्रतिशत के करीब है।

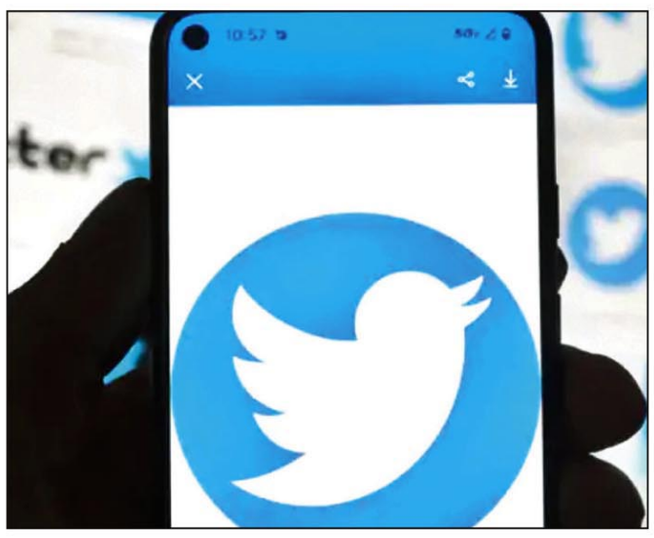

पहले साल के बाद, आईओएस और एंड्रॉएड फीस 15प्रतिशत तक कम हो जाएगी। इसके अलावा ट्विटर वॉल्यूम के आधार पर उसके ऊपर एक छोटी फीस जोड़ देगा। ट्विटर आपके काम को प्रमोट करने में भी मदद करेगा। मस्क ने कहा- हमारा गोल क्रिएटर की समृद्धि को मैक्सिमाइज करना है। किसी भी समय, आप हमारे प्लेटफॉर्म को छोड़ सकते हैं और अपने वर्क को अपने साथ ले जा सकते हैं। ईजी इन, ईजी आउट।

वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन की कीमत 650 रुपए

मस्क 2023 के अंत तक ट्विटर को फाइनेंशियली मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने रेवेन्यू बढ़ाने के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन जैसी कुछ सर्विस को मॉडिफाई किया है। भारत में एंड्रॉयड और आईओएस वाले मोबाइल यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस की कीमत 900 रुपए प्रति महीना है। वेब यूजर्स ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस 650 रुपए महीने में ले सकते हैं।

कॉन्टेंट क्रिएटर्स को विज्ञापन के लिए पैसा देगा ट्विटर

ट्विटर जल्द ही अपने प्लेटफॉर्म पर वेरिफाइड कॉन्टेंट क्रिएटर्स को पेमेंट करना शुरू करेगी। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने 10 जून को ट्वीट कर इसकी अनाउंसमेंट की थी। एलन मस्क ने ट्वीट में कहा, कुछ हफ्तों में क्रिएटर्स के रिप्लाई में दिखाए जाने वाले ऐड्स के लिए उन्हें पेमेंट करना शुरू करेगा। क्रिएटर्स को फर्स्ट ब्लॉक में टोटल 5 मिलियन डॉलर (41 करोड़ रुपए) का पेमेंट किया जाएगा।

कंटेंट क्रिएटर्स ट्विटर के जरिए कमा सकते हैं पैसा

इससे पहले ट्विटर ने 29 अप्रैल को ऑफिशियल अकाउंट से ट्वीट करते हुए बताया था कि दुनियाभर के क्रिएटर्स अब साइन अप कर सकते हैं और ट्विटर पर कमाई कर सकते हैं।

अभिनेत्री कृति ने ओम राउत की तारीफ की, सोशल मीडिया यूजर ने लगा दी उनकी क्लास

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म आदिपुरुष को लेकर काफी विवाद हुआ। ओम राउत के निर्देशन में बनी माइथोलॉजिकल फिल्म में हनुमान जी के डायलॉग को लेकर काफी बवाल मचा। काठमांडू में पहले आदिपुरुष को बैन कर दिया गया था। हालांकि, अब फिल्म पर से अब नेपाल में बैन हट चुका है। अब आदिपुरुष के विवाद के बीच अभिनेत्री कृति सेनन का एक पुराना वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें कृति ओम राउत की तारीफों के पुल बांधती हुई नजर आ रही हैं और उनकी टेक्नोलॉजी को लेकर ज्ञान की तारीफ कर रही हैं। इस वीडियो को देखने के बाद यूजर्स ने कृति को आड़े हाथ लिया है। ओम राउत के बाद अब कृति का एक पुराना वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। कृति आदिपुरुष के डायरेक्टर ओम की तारीफ कर कहती हैं, ये बहुत ही जिम्मेदारी की बात है, लेकिन मैं जानती हूं मैं एक अच्छे हाथों में हूं, जोकि ओम राउत हैं, जो बहुत ही प्रतिभाशाली हैं। मैं बतौर निर्देशक उन्हें बहुत पसंद करती हूं। मुझे लगता है वह तकनीकी रूप से बहुत सही हैं और उनका विजन बिल्कुल ही अलग है, आप यही देख लो (आदिपुरुष), जो वो बना रहे हैं। उनके वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स कृति को खूब खरी खोटी सुना रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, शायद कृति को ये आइडिया नहीं था कि ग्राफिक्स कैसे बनेंगे, लेकिन उन्हें ये पूरा विश्वास था कि निर्देशक की टेक्नोलॉजी को लेकर नॉलेज अच्छी है। लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से स्क्रिप्ट तब पढ़ी ही होगी? वह इतने खराब डायलॉग्स को कैसे अच्छा बता सकती हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, उनका विजन पीएस 3 गेम बनाने का है। कृति ने लगता है कभी भी गेम नहीं खेले। अन्य यूजर ने लिखा, उनका विजन काफी अलग है। सच में बिल्कुल अलग है, इतना ज्यादा अलग कि उन्होंने एक कार्टून शो बना दिया।

दीपिका ने प्रीमैच्योर बेबी को दिया जन्म

- डिलीवरी के बाद पहली बार सामने आई दीपिका

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में प्रीमैच्योर बेबी को जन्म दिया है। दीपिका अपनी डिलीवरी के बाद पहली बार सामने आई हैं और अपना हेल्थ अपडेट दिया है। शोएब इब्राहिम और दीपिका हाल ही में एक प्यारे से बेटे के पेरेंट्स बने हैं। बता दें कि, दीपिका और शोएब ने साल 2018 में शादी की थी। शादी के पांच साल बाद कपल के घर किलकारी गूंजी है। फिलहाल पेरेंट्स बनकर शोएब और दीपिका फूले नहीं समा रहे हैं। शोएब इब्राहिम ने अपने यूट्यूब चैनल पर लेटेस्ट ब्लॉग अपलोड किया है। इसमें उन्होंने बेटे के जन्म को लेकर कई बाते शेयर की हैं। उन्होंने कहा कि मेरे बर्थडे के एक दिन बाद अल्लाह ने मुझे और दीपिका को एक बेटे से नवाजा है। वह प्रीमैच्योर बेबी है तो वो अभी एनआईसीयू में है। डॉक्टर ने बताया है कि उसमें अब हर दिन इम्प्रुवमेंट हो रहा है। डॉक्टर्स ने बताया है कि वो बहुक जल्द ठीक हो जाएगा। शोएब आगे बताते हैं की अब चीजे काफी हद तक ठीक हैं हालांकि अभी पूरी तरह से ठीक नहीं है। दीपिका बहुक ठीक हैं पहले से लेकिन सी सेक्शन हुआ और टांके लगे है तो फिलहाल उन्हें दर्द है। मैं और दीपिका दिन में दो बार उससे मिलने जाते हैं इसके बाद व्लॉग में आगे दीपिका भी नजर आती हैं। वह कहती हैं कि मैं ठीक हूं बस थोड़ा पेन है। सब ख्याल रख रहे हैं। दीपिका आगे कहती हैं कि जब हम दो बार छोटू को देखने जाते हैं तो वो हमारा एनर्जी डोज होता है। एक्ट्रेस आगे बताती हैं कि मैं भी प्रीमैच्योर बॉर्न हूं। मेरी मां इससे बहुत कनेक्ट करती हैं वो कहती हैं कि बिल्कुल दीपिका वाला ही प्रोसेस हुआ है। मैं बहुत प्रीमैच्योर हुई थी और मैं 7 महीने में पैदा हो गई थी। अब बेबी को देखते हैं और हर दिन उसमें सुधार आ रहा है तो ये देखकर अच्छा लगता है। आगे दीपिका ने बताया है कि उनका बेबी बिल्कुल अपने पापा शोएब पर गया है।

अंतिम समय में गिले-शिकवे दूर करेंगे सई-विराट

-शो में नए किरदारों के साथ शुरू होने वाली है कहानी

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे का पॉपुलर शो गुम है किसी के प्यार में में जल्द ही नए किरदारों के साथ नई कहानी शुरू होने वाली है। सीरियल में आतंकवादियों ने सई के गले में टाइमबॉम्ब लगा दिया है, इससे घबराहट के मारे वह बेहोश हो गई है। ऐसे में दर्शक यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि सई और विराट का आखिरी लम्हा कैसा होने वाला है, दोनों के दिलों में बहुत से मलाल हैं लेकिन इन लास्ट मोमेंट में वह एक-दूसरे जी भरके देखना चाहते हैं। विराट जब सभी आंतकियों का खात्मा करके सई के पास पहुंचता, तब तक सई के ऊपर बम फिट कर दिया जाता है। सई की हालत देखकर विराट को कुछ समझ नहीं आ रहा है कि वह कैसे इस मुसीबत से बाहर निकले। विराट सई के शरीर पर लगी बम किट को डिफ्यूज करने की कोशिश करता है लेकिन फिर रुक जाता है कि कहीं डिफ्यूज करने के चक्कर में बम फट न जाए। विराट फोन करके प्लेन में बम स्कॉर्ड भेजने के लिए कहता है, लेकिन तब तक मामला बिगड़ जाता है। ऐसे में विराट को पक्का हो जाता है कि अब कुछ नहीं किया जा सकता और वह अपनी सई को अकेले छोड़कर नहीं जाता है। अपने आखिरी पलों में सई और विराट एक दूसरे को जी भरकर देखना चाहते हैं। सई को जब होश आता है तो वह विराट को देखकर रोने लगती है। यहां दोनों एकदूसरे को गले से लगाते हुए अपने प्यार का इजहार करेंगे। इन्ही सब के बीच एक भंयकर धमाके में पूरा प्लेन उड़ जाता है और सब कुछ खत्म हो जाता है।

फिल्म स्त्री 2 की शूटिंग हुई प्रारंभ

फिल्म स्त्री 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहें दर्शकों के लिए ये एक गुडन्यूज हैं। श्रद्धा कपूर कपूर और राजकुमार राव की साल 2018 में रिलीज हुई स्त्री ने लोगों को कॉमेडी और डर का मजा एक साथ दिया था। लोगों को स्त्री बहुत पसंद आई थी और तभी से फिल्म के दूसरे पार्ट की डिमांड जारी है। मेकर्स ने 15 अप्रेल 2023 को फिल्म के दूसरे पार्ट की अनाउंसमेंट की थी। फिल्म में पार्ट वन के सारे मेन लीड एक्टर्स एक बार फिर नजर आने वाले हैं। फिल्म अगस्त 2024 में रिलीज होगी, तो तैयार हो जाइए एक बार फिर हंस हंस के डर का सामना करने के लिए। बीते सोमवार को राजकुमार राव ने श्रद्धा कपूर कपूर के साथ एक सेल्फी शेयर की और कैप्शन में लिखा है, क्या होगा जब फिर से मिलेंगे स्त्री और पुरुष। स्ट्रीट 2 एक्टर के कैप्शन से ही पता लगाया जा सकता है कि, राजकुमार राव-श्रद्धा कपूर कपूर ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

रामानंद सागर की रामायण का पुनः होगा प्रसारण

-शेमारू टीवी ने की घोषणा

मुंबई (ईएमएस)। रामानंद सागर का लोकप्रिय शो रामायण जल्द ही टेलीविजन पर फिर से प्रसारित होगा। शेमारू टीवी ने घोषणा की कि पौराणिक शो 3 जुलाई से चैनल पर प्रसारित होना शुरू हो जाएगा। प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान अभिनीत आदिपुरुष रिलीज होने के बाद से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म की प्रामाणिकता और तथ्यों के प्रस्तुतीकरण पर सवाल उठाया गया है। रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल ने आदिपुरुष को हॉलीवुड का कार्टून तक कह दिया। अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया ने रामायण में क्रमशः राम और सीता की भूमिका निभाई जबकि सुनील लाहिड़ी ने लक्ष्मण की भूमिका निभाई। शेमारू टीवी के इंस्टाग्राम हैंडल ने टीवी शो का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, विश्व प्रसिद्ध पौराणिक धारावाहिक रामायण सभी प्रशंसकों और हमारे दर्शकों के लिए वापस आ गया है। इसे 3 जुलाई, शाम 7.30 बजे से अपने पसंदीदा चैनल शेमारू टीवी पर देखें।

आदिपुरुष हिंदू महाकाव्य रामायण पर आधारित एक पौराणिक एक्शन फिल्म है। फिल्म ओम राउत द्वारा लिखित और निर्देशित है और टी-सीरीज और रेट्रोफाइल्स द्वारा निर्मित है। हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट की गई इस फिल्म में प्रभास, सैफ अली खान, कृति सेनन, सनी सिंह और देवदत्त नागे हैं। यह फिल्म 600 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट पर बनी है, जो इसे सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक बनाती है। मालूम हो कि 16 जून को रिलीज हुई आदिपुरुष को दर्शकों से काफी खराब प्रतिक्रिया मिली। फिल्म को पूरे देश से नकारात्मक समीक्षा मिली। घटिया वीएफएक्स से लेकर डायलॉग्स तक, फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

मैं अटल हूं की शूटिंग कर रहे पंकज त्रिपाठी

-पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर आधारित है प्रोजेक्टस

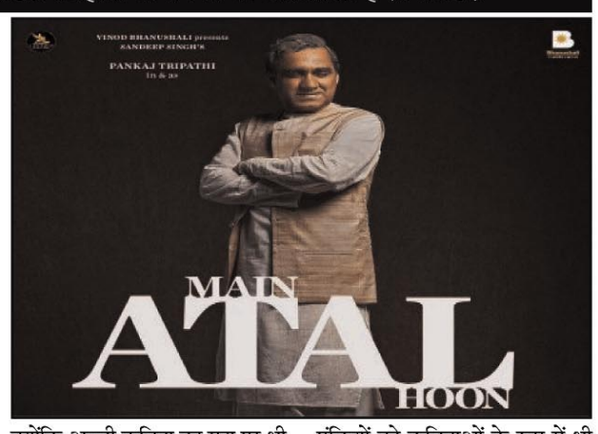

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता पंकज त्रिपाठी पिछले कुछ समय से बड़े पर्दे से गायब हैं। वर्तमान में वे लखनऊ में अपनी फिल्म मैं अटल हूं की शूटिंग कर रहे हैं। यह फिल्म पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर आधारित है। रील और रियल अटल में दो बात समान है, वह है कविता और साहित्य से प्रेम। पंकज कहते हैं, फिल्म मैं अटल हूं के लिए अपने शोध के दौरान, मुझे पता चला, और यह व्यापक रूप से ज्ञात भी है, कि राजनीति और कूटनीति के अलावा, अटलजी एक महान कवि थे और उन्हें साहित्य और भाषा के प्रति भी बेहद प्यार और लगाव था। अपने शोध से मुझे पता चला कि वह अपनी मनःस्थिति को व्यक्त करने के लिए कविता करते थे। मैं उससे जुड़ सका क्योंकि अच्छी कविता का मुझ पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है, खासकर हिंदी कविता का। मैं कुछ महान लेखकों को पढ़ते हुए बड़ा हुआ हूं और कभी-कभी उनसे प्रेरित होकर मैं कुछ पंक्तियों को कविताओं के रूप में भी लिख देता हूं। यह जानकर अच्छा लगा कि ऐसी कविताएँ और कवि हैं जो अटलजी और मुझे आम तौर पर पसंद हैं।

सौम्या सेठ ने कर ली बॉयफ्रेंड से शादी

बालीवुड एक्टर गोविंदा की भांजी सौम्या सेठ ने दूसरी शादी कर ली है। सौम्या पिछले पांच साल से बॉयफ्रेंड को डेट कर रही थी। सौम्या टेलीविजन एक्ट्रेस हैं। सौम्या चक्रवर्ती अशोक सम्राट और दिल की नजर से एवं नव्या..नए धड़कन नए सवाल जैसे टीवी सीरियल्स में काम कर चुकीं हैं। बता दें कि, एक्ट्रेस ने अपनी पहली शादी में काफी मेंटली और फिजिकली ट्रामा सहन किया था, जिस कारण वे अपने पहले पति से अलग हो गईं थीं। मालूम हो कि सौम्या की ये दूसरी शादी है, उनकी पहली शादी से एक्ट्रेस को एक बेटा भी है जो सौम्या के साथ ही रहता है। शुभम चूहाड़िया सौम्या के दूसरे पति हैं। शुभम और सौम्या ने 22 जून को अपने परिवार की मौजूदगी में क्रिश्चिन वेडिंग की। कपल एक दूसरे को पिछले 5 साल से डेट कर रहे थे। शुभम सौम्या के अपार्टमेंट में किराए पर रहते थे और लॉकडाउन के दौरान वे करीब आ गए। शुभम यूएस बेस्ड एक आर्किटेक्ट और डिजाइनर हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना ने कामाख्या मंदिर में यज्ञ और पूजा की

गुवाहाटी, (हि.स.)। अंबुबासी के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने बुधवार को गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ी पर स्थित विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर के दर्शन किये। पुरोहितों के मंत्रों के बीच उन्होंने पूजा-अर्चना और यज्ञ करके मां का आशीष लिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस 'इमरजेंसी' हिरोइन कंगना रनौत बीती रात गुवाहाटी पहुंचीं। मंदिर परिसर में स्थित राज्य सरकार के गेस्ट हाउस में रात बितायी। मां कामाख्या की पूजा करने पहुंची एक्ट्रेस के आने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई, जिसके चलते मंदिर परिसर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मीडिया के साथ ही भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस बीच कंगना ने कुछ पल के लिए पत्रकारों से भी रूबरू हुईं। कंगना ने मुस्कुराते हुए सभी सवालों के संक्षिप्त जवाब दिए। पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कंगना ने कहा कि हर साल उन्हें अंबुबासी के दौरान आने की अदम्य इच्छा होती है, लेकिन यह समय पर नहीं होता। हालांकि, वर्ष 2021 में अंबुबासी के समय पहुंचकर मां की पूजा की। उन्होंने कहा कि कामाख्या मंदिर दुनिया का एकमात्र मंदिर है, जहां योनिपीठ की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा, यह एक पवित्र स्थान है, एक शक्तिपीठ है, जहां ऊर्जा का एक अजीब प्रवाह है। अपनी नई फिल्म 'इमरजेंसी' के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह फिल्म इसी साल 24 नवंबर को रिलीज होगी। उन्होंने इस फिल्म को सभी से देखने का आह्वान किया। अभिनेत्री ने कहा, इस फिल्म से उन्हें काफी उम्मीदें हैं। इस बीच उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, 'आज कामाख्या माई के मंदिर में दर्शन किया.. इस मंदिर में जगतजननी मैया की योनि रूप में पूजा होती है... ये मां की शक्ति का विराट रूप है जहां 'माई को मांस और बलि का भोग लगता है, ये पवित्र स्थान एक शक्तिपीठ है... जहां शक्ति का विचित्र संचार है... कभी गुवाहाटी आना हुआ तो दर्शन जरूर करें...जय माई की'

यार का सताया हुआ है का पोस्टर लॉन्च

अपकमिंग ट्रैक यार का सताया हुआ है का पोस्टर लॉन्च किया है। पोस्टर को लॉन्च करते हुए जो कैप्शन दिया है उससे लगता है कि गाना प्यार और धोखे के बारे में है। एल्बम में एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और शहनाज गिल ने साथ काम किया है। जारी पोस्टर में एक्टर नवाजुद्दीन को नए लुक में देखा जा सकता है। यह पहली बार होगा जब दोनों स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। एक्टर नवाजुद्दीन ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए इसे कैप्शन दिया, मैं पागल हूं, और बहुत पागल, पर ये भी बात है कि दिल सच्चा है, छीन तो लेता तुझे सरेआम मैं, पर मसला ये है कि शौहर तेरा आदमी अच्छा है। नवाजुद्दीन का यार का सताया हुआ है जोहराजबीं एल्बम का गाना है और इसे बी प्राक ने गाया है। गाना 3 जुलाई को रिलीज होगा। इससे पहले नवाजुद्दीन का पहला म्यूजिकल एल्बम बारिश की जाए गाना भी धमाल मचा चुका था और उसे दर्शकों का खूब प्यार मिला था।

टेड धानिक को डेट कर रही जॉय कॉरीगेन

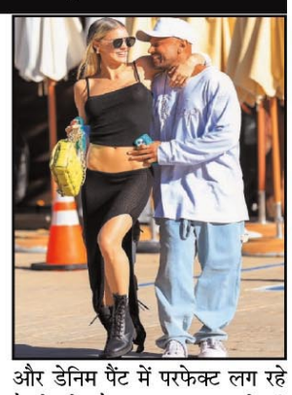

हालीवुड एक्ट्रेस जॉय कॉरीगेन बॉयफ्रेंड टेड धानिक को डेट कर रही हैं। दोनों अक्सररोमांटिक डेट पर स्पॉट होते रहते हैं। अब हाल ही में कपल को नोबू मालीबू बीच पर लंच डेट के दौरान स्पॉट किया गया, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। अमेरिकन मॉडल और एक्ट्रेस को तस्वीरों में देखा जा सकता है कि जॉय कॉरीगेन ब्लैक आउटफिट में बेहद बोल्ड लग रही हैं। क्रॉप टॉप और साइड कट ड्रेस के साथ उन्होंने ब्लैक शूज पेयर किए हैं और टॉप के साथ व्हाइट शर्ट कैरी की है। गोरे मुखड़े पर काला चश्मा और खुले बालों में एक्ट्रेस का स्टाइलिश लुक देखने को मिल रहा है। वहीं उनके बॉयफ्रेंड व्हाइट शर्ट और डेनिम पैंट में परफेक्ट लग रहे हैं। डेट के दौरान कपल एक दूसरे की बाहों में इश्क फरमाता दिखा। जॉय अपने बॉयफ्रेंड की गोद पर चढ़कर रोमांटिक पोज दे रही हैं। साथ ही दोनों लिपलॉक भी करते नजर आ रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6477

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6476 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्दजाल - 7224

बा	ला	सो	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
लां	वि	ज	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गी	स	श	ग	बा	छ	ची	ता	रा	क	का
र	ज	र	ज	त	ज	न	अं	गु	ल	ला
क	खु	दो	प	ल	सिं	का	म	ग	व	हां
जी	द	ल	ति	य	ख	ह	ना	हि	र	ड़ी
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	पु	र	र	ल
क	दे	व	ग	ढ़	ब	क	ग	र	श	ण
ने	बा	गं	न्न	ब्रा	ह	त्या	बा	र	ग	ढ़
तें	दु	ज	प	व	जी	र्त	उ	बें	हा	त
क	दु	म	रा	नी	ल	गा	थ	द	प	थ

शब्द जाल में उड़ीसा के 10 जिलों नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

जगतसिंहपुर, बालासोर, अंगुल, बाउथ, गंजम, कालाहांडी, देवगढ़, बालांगीर, बारगढ़, गजपति

शब्दजाल - 7223 का हल

श	रा	दि	ल	वा	ले	ह	ट	अं	क	र
छ	च	दी	ह	रिं	लै	ता	दि	त	को	घु
स	र	ह	वा	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	वी
पू	म	दा	च	ने	क	ड़	ढा	ल	र	र
त	बॉ	र्ड	र	हा	हु	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ए	ती	ड़	न	ती
ट	र	बु	अं	र	म	ट	पा	ला	ह	क
क	ज	क्ष	ला	क	छ	सौ	न	ग	जू	ट
ह	थो	तें	क	ह	ज	दा	ने	दा	ल	द
र	ल	प	ति	मो	ह	रा	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6177

1	2	3			6	4
	29		37	2	31	
4	3	7		6		5
	29		33		37	
6		2		7	4	3
	33	4	31		30	
7	6			1	3	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6176 का हल

3	4	7	5	2	1	6
1	30	2	36	6	32	3
5	2	6	1	7	3	4
6	38	4	34	1	26	5
4	6	5	7	3	2	1
7	31	3	32	4	30	2
2	3	1	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

सैफ चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में लेबनान से भिड़ेगा भारत

बेंगलुरु।
सैफ चैंपियनशिप में चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। ग्रुप-ए से जहां कुवैत और भारत ने अंतिम चार में जगह बनाई, वहीं ग्रुप-बी से लेबनान और बांग्लादेश की टीम सेमीफाइनल में पहुंची। अब अंतिम चार के मुकाबले में ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप-बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप-ए की दूसरी टीम से भिड़ेगी। यानी कुवैत का मुकाबला बांग्लादेश से और लेबनान का सामना भारत से होगा। दोनों सेमीफाइनल एक जुलाई को खेले जाएंगे। कुवैत-बांग्लादेश मुकाबला दोपहर तीन बजे से और भारत-लेबनान मैच शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा।

भारत और लेबनान दोनों शानदार फॉर्म में - लेबनान ने ग्रुप (बी) स्टेज के अपने आखिरी मैच में बुधवार को मालदीव को 1-0 से हरा दिया। टीम के लिए कप्तान हसन माटूक ने 24वें मिनट में फ्री-किक पर महत्वपूर्ण गोल दागा। इस टीम ने ग्रुप स्टेज के अपने तीनों मैच जीते और शीर्ष स्थान पर रही। वहीं, भारतीय टीम ग्रुप (ए) स्टेज में अपने तीन में से दो मैच जीतने में सफल रही थी। उसने पाकिस्तान को 4-0 और नेपाल को 2-0 से हराया था। कुवैत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था। ऐसे में दोनों टीमों के बीच दिलचस्प टक्कर देखने को मिल सकती है।

दोनों टीमों के बीच हेड टू हेड- भारत ने हाल ही में हुए इंटरकॉन्टिनेंटल कप के फाइनल में लेबनान को ही हराया था और ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब तक दोनों टीमें आठ बार भिड़ चुकी हैं। इसमें से भारत ने दो और लेबनान ने तीन मैच जीते हैं। वहीं, तीन मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। हालांकि, यह एक नॉकआउट मैच होगा, इसलिए इसमें ड्रॉ की कोई गुंजाइश नहीं होगी। 90 मिनट तक मैच ड्रॉ रहने पर मैच 30 मिनट के एक्स्ट्रा टाइम में जाएगा। इसे भी दो हाफ में खेला जाएगा। वहीं, एक्स्ट्रा टाइम में भी स्कोर बराबर रहने पर मैच पेनल्टी शूटआउट में जाएगा।

कब-कब भिड़ीं दोनों टीमें-दोनों टीमों का पहली बार सामना 1977 में प्रेसिडेंट कप में हुआ था। तब भारत ने लेबनान को 4-2 से करारी शिकस्त दी थी। इसके बाद दोनों टीमें 1993 में दो बार फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में भिड़ी थीं। एक मैच 2-2 से ड्रॉ रहा था, जबकि दूसरे मैच में लेबनान ने भारत को 2-1 से हराया था। इसके बाद 2007 में भी इन दोनों टीमों के बीच फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में भिड़त हुई। आठ अक्तूबर 2007 को हुए मैच में लेबनान ने भारत को 4-1 से करारी शिकस्त दी थी। इसके बाद 30 अक्तूबर 2007 को दोनों टीमों के बीच खेला गया मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ था।

19 अगस्त 2009 को दोनों टीमें दोस्ताना मैच में एक बार आमने-सामने आईं। तब लेबनान ने भारत को 1-0 से हरा दिया था। इसके बाद 2023 इंटरकॉन्टिनेंटल कप में दोनों का आमना-सामना हुआ। इस टूर्नामेंट में एक मैच 0-0 से ड्रॉ रहा, वहीं फाइनल में भारत ने लेबनान को 2-0 से हराया। 1977 के बाद टीम इंडिया ने लेबनान पर पहली जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम इस जीत के लय को सैफ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी बरकरार रखना चाहेगी। अब तक ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया ने जिस तरह का खेल दिखाया है, उसको देखते हुए लेबनान के लिए रास्ता आसान नहीं रहने वाला है।

भारत-लेबनान की फीफा रैंकिंग

दोनों टीमों की फीफा रैंकिंग की बात करें तो लेबनान 99वें स्थान पर काबिज है, जबकि भारत की फीफा रैंकिंग 101 है। दोनों टीमों के पिछले पांच मैचों की बात करें तो भारत ने अपने पिछले पांच में से तीन मैच जीते हैं, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे हैं। वहीं, लेबनान को अपने पिछले पांच में से तीन मैचों में जीत मिली है। एक मैच ड्रॉ रहा है, जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश में पहली बार म.प्र. बैडमिंटन लीग आज से इन्दौर में

इन्दौर। मप्र में पहली बार हो रही मध्य प्रदेश बैडमिंटन लीग का आगाज़ शुक्रवार 30 जून से इन्दौर में होगा। एक लाख इनामी इस मध्य प्रदेश बैडमिंटन लीग (MPBL) के लिए चार चयन स्पर्धाएं होगी। पहली बैडमिंटन स्पर्धा 30 जून से 3 जुलाई तक इन्दौर में है। आयोजन सचिव दीपेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि मध्य प्रदेश बैडमिंटन लीग की पहली चयन स्पर्धा इन्दौर बैडमिंटन क्लब में हो रही है, जिसके लिए प्रदेश भर से लगभग 550 प्रविष्टियां आई हैं। 11 वर्ष से 13, 15, 17 और 19 वर्ष बालक और बालिका, पुरुष और महिला एकल के साथ ही पुरुष युगल और मास्टर्स (+40) युगल के मुकाबले खेले जायेंगे। मध्य प्रदेश में पहली बार एक साथ इतने वर्गों के मुकाबले खेले जाएंगे। हरेक स्पर्धा से हर वर्ग के दो-दो खिलाड़ी और जोड़ी का चयन फाइनल्स स्पर्धा के लिए होगा। मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे, जबकि स्पर्धा का औपचारिक उद्घाटन शाम के सत्र में होगा। मध्य प्रदेश बैडमिंटन संगठन ने स्पर्धा के लिए राष्ट्रीय अंपायर इन्दौर के संजीव शर्मा को मुख्य निर्णायक और राष्ट्रीय मैच कंट्रोलर कटनी के शिशिर खरे को मैच नियंत्रक मनोनीत किया हैं। सर्वाधिक 86 प्रविष्टियां 15 वर्ष बालक और 81 प्रविष्टियां 17 वर्ष बालक एकल में आई हैं। 11 वर्ष बालक और बालक भी काफी उत्साहित हैं। 11 बालक एकल में 64 प्रविष्टियां हैं। मुकाबले 5 कोर्ट्स पर होंगे। रोजाना मुकाबले सुबह से रात तक होंगे।

प्रमुख खिलाड़ी चोटिल नहीं हों तो भारतीय टीम मजबूत रहेगी : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है अगर प्रमख खिलाड़ी चोटिल नहीं रहें तो भारतीय टीम मजबूत हो जाएगी। कपिल ने टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की फिटनेस पर चिंता जताई और कहा कि चोट से पहले भी कई खिलाड़ियों का करियर खराब हुआ है। कपिल ने कहा, चोटें हर खिलाड़ी के जीवन का हिस्सा है पर मुझे उम्मीद है कि स्थिति सुधरेगी अभी कई भारतीय खिलाड़ी चोटिल हैं। मुझे विशेष रुप से हमेशा हार्दिक के लिए चिंता होती है क्योंकि वह बहुत जल्दी ही चोटिल हो जाते हैं। अगर वो सभी खिलाड़ी फिट हो जाएं तो भारत की टीम सबसे पक्की बन जाएगी। अभी चोटिल होने के कारण ही केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह भी टीम से बाहर हैं। वहीं भारतीय टीम चाहती है कि 2020 विश्व कप से पहले उसके प्रमुख खिलाड़ी अपनी पूरी फिटनेस हासिल करके लौट आएं। पांड्या आईपीएल में गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के बाद से ब्रेक पर हैं। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2023 के फाइनल में प्रवेश किया पर चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों 5 विकेट की शिकस्त झेलनी पड़ी थी। पांड्या अब वेस्टइंडीज दौरे पर खेलते हुए दिखेंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में पांड्या उप-कप्तानी की जिम्मेदारी निभाते हुए नजर आएंगे।

दूसरे एशेज टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के खराब प्रदर्शन से निराश हुए पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में टीम की कमजोर गेंदबाजी पर सवाल उठाये हैं। इसी कारण मैच के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच विकेट पर 339 रन बना दिये। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ ने 85 जबकि एलेक्स कैरी ने 11 रन बनाये। पीटरसन ने अपनी टीम के खिलाड़ियों की आलोचना करते हुए कहा, आप 390 पर पारी घोषित नहीं कर सकते। आपको लगता है कि ऑस्ट्रेलिया आज पारी घोषित कर रहा है? आपको लगता है कि ऑस्ट्रेलिया आज 390 रन बना रहा है और कह रहा है इंग्लैंड, जाओ बल्ला लेकर आओ? कोई मौका नहीं है। टी ब्रेक के दौरान भी पीटरसन दो सत्रों में किए गए मेजबान टीम प्रदर्शन से नाराज नजर आये। पीटरसन ने कहा, यह निराशाजनक है, बिल्कुल निराशाजनक। बादल छाए हुए हैं, आपके पास ऐसा विकेट है जो आपके गेंदबाजों के अनुकूल है और इसके बाद भी आपके गेंदबाज 78, 79, 80 मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, सुबह इंग्लैंड के गेंदबाजों को उन सीढ़ियों पर यह कहते हुए होना चाहिए था कि हम ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करना चाहते हैं, हम ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने के लिए बेताब हैं।

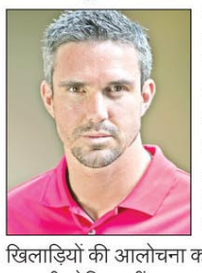

3 जुलाई 2023 से शुरू हो रहा है विंबलडन

जोकोविच नहीं, अल्काराज होंगे शीर्ष वरीय स्वियातेक महिलाओं में होंगी नंबर-वन

लंदन।
विंबलडन में इस बार 23 बार के ग्रैंड स्लैम और गत विजेता विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच नहीं बल्कि स्पेन के 20 वर्षीय कार्लोस अल्काराज शीर्ष वरीय होंगे। जोकोविच को दूसरी वरीयता प्रदान की गई है। विंबलडन के आयोजक ऑल इंग्लैंड क्लब ने इस बार पेशेवर टेनिस संघ (एटीपी) महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) की रैंकिंग को वरीयता दी है, जिसके अनुसार विश्व नंबर एक अल्काराज और महिलाओं में चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता 22 वर्षीय पोलैंड की इगा स्वियातेक को शीर्ष वरीयता प्रदान की गई है।

सोमवार को विश्व नंबर एक बने हैं अल्काराज

11 जून को पेरिस में फ्रेंच ओपन के रूप में रिकॉर्ड 23वां ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच उसके बाद से कोई टूर्नामेंट नहीं खेले हैं, जबकि अल्काराज हाल ही में क्वींस क्लब टूर्नामेंट जीतकर विश्व नंबर एक बन बैठे। उन्होंने सोमवार को नंबर एक की गद्दी से जोकोविच को उतार दिया।

जोकोविच नंबर दो स्थान पर खिसक गए। विंबलडन में पिछली बार रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित करने के चलते एटीपी और डब्ल्यूटीए ने रैंकिंग अंक नहीं दिए थे, जिसका गत विजेता जोकोविच को फायदा नहीं मिल पाया था। जोकोविच पिछले चार बार से विंबलडन जीतते आ रहे हैं। वह यह खिताब सात बार जीत चुके हैं।

मेदवेदेव, सबालेंका भी खेलेंगे

आयोजकों ने इस बार रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति प्रदान की है, जिसके चलते रूस के दानिल मेदवेदेव को नंबर तीन और महिला वर्ग में बेलारूसी की आर्यना सबालेंका को तीसरी वरीयता प्रदान की गई है। एकल मुकाबलों का ड्रॉ शुक्रवार को निकाला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट सोमवार यानि तीन जुलाई से शुरू हो रहा है। दो बार के विजेता और विश्व नंबर 39 इंग्लैंड के एंडी मरे को कोई वरीयता नहीं दी गई है। 2002 से 2019 तक ऑल इंग्लैंड क्लब विंबलडन और ग्रास कोर्ट टूर्नामेंटों में दिखाए गए प्रदर्शन के हिसाब से रैंकिंग प्रदान करता था, लेकिन उसके बाद से उसने एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग को प्राथमिकता देनी शुरू कर दी। महिलाओं में गत विजेता कजाखस्तान की एलीना रिबाकीना नंबर तीन वरीय होंगी।

भारतीय फुटबॉल टीम पांच साल में पहली बार टॉप-100 में, इंटरकॉनिटनेंटल कप जीतने का मिला फायदा

नई दिल्ली।
भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए गुरुवार (29 जून) का दिन खुशखबरी लेकर आया। टीम इंडिया फीफा की ओर से जारी ताजा रैंकिंग में टॉप-100 में शामिल हो गई है। भारतीय टीम की इससे पहले रैंकिंग 101 थी। वह पांच साल में पहली बार टॉप-100 में शामिल होने में सफल हुई है। भारतीय टीम को भुवनेश्वर में हुए इंटरकॉन्टिनेटल कप जीतने का फायदा मिला। उसने इस टूर्नामेंट के फाइनल में लेबनान को 2-0 से हराया था।

इंटरकॉन्टिनेटल कप के फाइनल में मिली हार के कारण लेबनान को तीन स्थान का नुकसान उठाना पड़ा और उसकी रैंकिंग 99 से 102 की हो गई है। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग 94 रही है। भारतीय टीम इस वक्त सैफ चैंपियनशिप में खेल रही है, जहां उसे शनिवार को लेबनान के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना है।

इगोर स्टिमैक की कोचिंग में टीम में दिखा सुधार

भारतीय टीम 15 मार्च 2018 को 99वें स्थान पर थी। उसके बाद से टीम इंडिया के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी देखने को मिली। इसका खामियाजा यह हुआ कि टीम की रैंकिंग काफी नीचे गिरती चली गई। जब से क्रोएशिया के इगोर स्टिमैक टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से टीम के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला है। अब वह टॉप-100 में भी शामिल हो गई है।

अर्जेंटीना पहले स्थान पर

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना की टीम पहले पायदान पर है। उसने लियोनल मेसी की कप्तानी में पिछले साल के अंत में विश्व कप अपने नाम किया था। फ्रांस दूसरे, ब्राजील तीसरे, इंग्लैंड चौथे और बेल्जियम पांचवें स्थान पर है। क्रोएशिया छठे, नीदरलैंड सातवें, यूरो चैंपियन इटली आठवें, क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल नौवें और स्पेन 10वें पायदान पर है। अमेरिका की टीम को दो स्थान का फायदा हुआ है। वह 13वें से अब 11वें नंबर पर आ गई है।

एशियाई टीमों में जापान सबसे आगे

एशियाई टीमों की बात करें तो जापान सबसे आगे 10वें स्थान पर है। इस मामले में भारतीय टीम 18वें क्रम पर है। पाकिस्तान की बात करें तो वह 201वें स्थान पर है। एशियाई टीमों में वह 44वें पायदान पर है।

लायन लगातार सौ टेस्ट खेलने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने

लंदन।
ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में मैदान में उतरते ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। लायन लगातार 100वां टेस्ट खेलने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने हैं। इससे पहले किसी ने भी टेस्ट प्रारूप में लगातार 100 मैच नहीं खेले हैं। वहीं बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक इस मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने लगातार 159 टेस्ट खेले हैं।

वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलन बॉर्डर हैं। बॉर्डर ने 153 टेस्ट खेले हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ही मार्क वॉ हैं। वॉ ने 107 टेस्ट खेले हैं जबकि भारत की ओर से एकमात्र बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी इस सूची में शामिल हैं। गावस्कर ने लगातार 106 टेस्ट खेले हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने लायन को लगातार सौ टेस्ट खेलने वाले पहले गेंदबाजी बनने पर बधाई देते हुए उनकी लंबी उम्र की कामना की है। इसके साथ ही उनकी फिटनेस और फॉर्म की भी जमकर प्रशंसा की है। कमिंस ने कहा, यह न केवल इस बात का प्रमाण है कि नाथ दीर्घायु और फिटनेस और फॉर्म के मामले में कितने अच्छे हैं बल्कि 100 टेस्ट खेलने में सक्षम होने का अर्थ है कि आपको सभी हालातों में शामिल किया जा रहा है। लायन ने अब तब कुल 121 टेस्ट मैचों में 30.99 की औसत से 495 विकेट लिए हैं।

एशियाड में क्रिकेट टीम भेजने को लेकर विचार करेगा बीसीसीआई: गेम्स मीटिंग 7 जुलाई को; चीन में टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे मैच

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इंडिया के एशियन गेम्स में खेलने को लेकर 7 जुलाई को मीटिंग करेगा। एशियाड चीन के हांगझोऊ शहर में 23 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक होगा। 2014 के बाद इस साल फिर 2022 एशियन गेम्स में क्रिकेट को शामिल किया गया है। इसमें मेंस और विमेंस के टी-20 मुकाबले होंगे।

अब तक तीन बार एशियाड में क्रिकेट लिया गया है, लेकिन भारत ने एक बार भी अपनी टीम नहीं भेजी है। हालाकि, अगर भारतीय टीम जाती भी है, तो टीम का बी स्क्वाड जाएगा। क्योंकि मुख्य टीम आगामी एशिया कप और वर्ल्ड कप की तैयारियों में जुटी होंगी। इस साल भारत के एशियन गेम्स के क्रिकेट इवेंट में हिस्सा लेने की बहुत संभावना है। क्योंकि पिछले कुछ समय से बीसीसीआई 2028 ओलिंपिक्स में भी क्रिकेट को शामिल करने के निरंतर प्रयास कर रहा है। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने 2022 में मल्टीस्पोर्ट इवेंट बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लिया था।

2010 ग्वांगझू चीन और 2014 इंचियोन साउथ कोरिया एशियाड में भी मेंस और विमेंस क्रिकेट इवेंट हुए थे। 2010 में बांग्लादेश ने मेंस और पाकिस्तान ने विमेंस कैटेगरी में गोल्ड जीता था। वहीं, 2014 में श्रीलंका की पुरुष और पाकिस्तान की महिला टीम चैम्पियन बनी थी।

2010 एशियाड में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, चीन, हॉन्गकॉन्ग, मलेशिया, नेपाल और मालदीव की मेंस और पाकिस्तान, बांग्लादेश, जापान, चीन, नेपाल, थाईलैंड, हॉन्गकॉन्ग और मलेशिया की महिला क्रिकेट टीमों ने 2010 एशियाड में हिस्सा लिया था।

श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हॉन्गकॉन्ग, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, दक्षिण कोरिया, चीन और मालदीव की पुरुष और पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, चीन, हॉन्गकॉन्ग, जापान, नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया और दक्षिण कोरिया की महिला क्रिकेट टीमों ने 2014 एशियाड में हिस्सा लिया था। इसके बाद 2018 में क्रिकेट को एशियन गेम्स में नहीं लिया गया था।

एशियाड के अलावा विदेशी टी20 लीग में भाग लेने के लिए रिटायर्ड खिलाडियों पर नीति, सय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी, बीसीसीआई के मीडिया पार्टनर, वर्ल्ड कप के लिए टूर पैकेज ऑपरेटर पर चर्चा और मेंस, विमेंस टीम के प्लेयर कॉन्ट्रैक्ट को ले कर चर्चा होगी।

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अजिंक्य रहाणे को उपकप्तान बनाने पर उठाए सवाल, पूछा-

क्या यह जडेजा को मौका देने का सही वक्त नहीं?

लंदन।
भारत को 12 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके लिए टीम का एलान कर दिया गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियशिप के नए साइकिल में खेलने उतरेगी। वहीं, 18 महीने बाद टीम में वापसी करने वाले अजिंक्य रहाणे को उपकप्तान बनाया गया है। रहाणे को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली इस फैसले से हैरान हैं। उन्होंने चयनकर्ताओं के इस फैसले पर सवाल उठाए हैं और साथ ही चयन प्रक्रिया में 'स्थिरता और निरंतरता' की मांग की है।

रहाणे से डेढ़ साल पहले छीनी गई थी उपकप्तानी

35 वर्षीय रहाणे पिछले डेढ़ साल से टीम से बाहर थे, लेकिन इस महीने की शुरुआत में ओवल में 89 और 46 के स्कोर के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे। वापसी करने के सिर्फ एक टेस्ट के बाद अंतरिम चीफ सेलेक्टर शिव सुंदर दास की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय चयन समिति ने रहाणे को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए रोहित शर्मा के डिप्टी के रूप में नियुक्त किया। 2021 में इंग्लैंड टूर पर रहाणे उपकप्तान थे। तब टेस्ट सीरीज में फेल रहने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसी साल के अंत में टेस्ट सीरीज से पहले रहाणे से उपकप्तानी छीन ली गई थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद रहाणे को टीम से भी बाहर कर दिया गया था।

जडेजा को उपकप्तानी का दावेदार मानते हैं गांगुली

यह पूछे जाने पर कि क्या इस भूमिका के लिए शुभमन गिल जैसे किसी खिलाड़ी को तैयार करने का सही वक्त नहीं था? इसके जवाब में गांगुली ने कहा- हां, मुझे ऐसा लगता है। हालांकि, गांगुली ने न ही रहाणे के फैसले को खराब बताया, न ही इसे अच्छा बताया है। उन्होंने कहा- मैं यह नहीं कहूंगा कि बीसीसीआई ने एक कदम पीछे लिया है। आप 18 महीने तक टीम से बाहर रहे हैं, फिर आप एक टेस्ट खेलते हैं और आप उपकप्तान बन जाते हैं। मुझे इसके पीछे की विचार प्रक्रिया समझ में नहीं आती है। रवींद्र जडेजा हैं, वह लंबे समय से टीम के साथ हैं और टेस्ट मैचों में उनका खेलना निश्चित है। वह एक मजबूत दावेदार हैं।

पुजारा को लेकर यह बोले गांगुली

भारत के सबसे बेहतरीन टेस्ट कप्तानों में से एक रहे गांगुली ने कहा- टीम में वापस आना और 18 महीने के बाद सीधे उपकप्तान बनना, मुझे समझ नहीं आता। मेरी एकमात्र बात यह है कि चयन में निरंतरता होनी चाहिए। भारतीय चयनकर्ताओं ने चेतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गज बल्लेबाज को बाहर करके बदलाव का कदम उठाया है और गांगुली चाहते हैं कि भारत के लिए 100 से अधिक टेस्ट खेल चुके खिलाड़ी के साथ क्लीयर कम्यूनिकेशन होना चाहिए। गांगुली ने कहा, 'चयनकर्ताओं को पुजारा के बारे में स्पष्ट विचार रखना चाहिए। क्या चयनकर्ता चाहते हैं कि पुजारा फिर से कभी टेस्ट खेलें या वह युवाओं के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। इस बारे में पुजारा से स्पष्ट बातचीत होनी चाहिए। पुजारा जैसे खिलाड़ी के साथ यह खेल नहीं किया जा सकता कि उन्हें चुना, फिर ड्रॉप किया, फिर चुना और फिर ड्रॉप किया। अजिंक्य रहाणे के साथ भी ऐसा ही है।

मोटी महिलाओं के बच्चों में होता है ऑटिज्म का खतरा

मोटापे और मधुमेह की शिकार महिला के गर्भ में पल रहे शिशु में छठे महीने के दौरान आकार बढ़ने की पांच गुणा ज्यादा संभावना होती है। एक अध्ययन के अनुसार ऐसी महिलाओं के गर्भस्थ शिशू में ऑटिज्म का खतरा भी चार गुना बढ़ जाता है।

महिलाओं पर शोध के बाद सामने आया नतीजा

मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के बच्चों के 'ऑटिज्म' के साथ जन्म लेने का खतरा चार गुना अधिक रहता है। ये बात अनुसंधानकर्ताओं ने 1998 से 2014 के बीच मां और बच्चे की 2700 से अधिक जोड़ियों का अध्ययन करके पता लगाई है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह दोनों से ग्रस्त होने वाली मां जिन बच्चों को जन्म देती है, उनमें ऑटिज्म का खतरा स्वस्थ मां से पैदा हुए बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक होता है। वहीं गर्भवती महिला को इनमें से कोई एक समस्या, मोटापा अथवा मधुमेह होने पर बच्चों में ऑटिज्म का खतरा दोगुना होता है।

क्या है ऑटिज्म

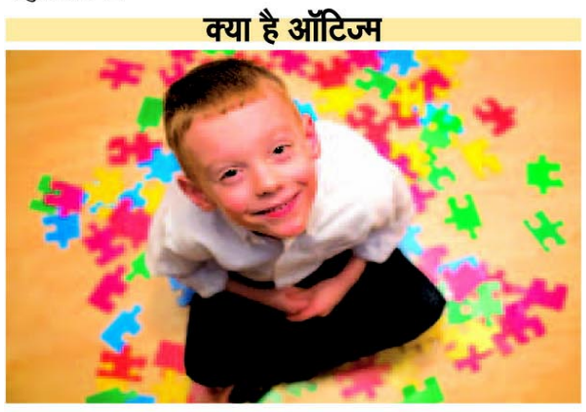

ऑटिज्म एक ऐसा रोग है, जिसमें रोगी बचपन से ही परिवार, समाज तथा बाहरी माहौल से जुड़ने की क्षमताओं को गंवा देता है। यह एक तरह का न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर है, जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है। इसे ऑटिस्टिक स्पैक्ट्रम डिसॉर्डर कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं या उनका आईक्यू सामान्य बच्चों की तरह होता है, लेकिन उन्हें बोलने और सामाजिक व्यवहार में दिक्कत होती है। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सीखने-समझने में परेशानी होती है और वे बार-बार एक ही तरह का व्यवहार करते हैं।

मेटाबालिक हेल्थ पर बुरा असर पड़ने का नतीजा

जनरल में प्रकाशित अपने लेख में कहा कि यह बहुत आश्चर्यजनक नहीं है। कई अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह से भ्रूण के विकास और उनके मेटाबोलिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि गर्भवती महिलाओं में मोटापा और मधुमेह जन्म लेने वाले बच्चे के तंत्रिका तंत्र के विकास पर भी प्रभाव डालता है। अध्ययन से हालांकि यह साबित नहीं होता है कि मां का मोटापा और मधुमेह बच्चे में ऑटिज्म की बीमारी का कारण बन सकता है। डा. वांग का कहना है कि इसे साबित करने के लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है।

एक्टिव रहें, धीमी शुरुआत करें

जो लोग आमतौर पर कसरत नहीं करते, उन्हें धीमी शुरुआत करनी चाहिए। उन्हें अपनी गति और कसरत का वक्त भी धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। हफ्ते में ढाई घंटे कोई शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य बनाएं। इसके लिए चाहें तो वॉकिंग भी की जा सकती है। हफ्ते में पांच दिन रोजाना आधा घंटा पैदल चलना अच्छा रहेगा। इसके साथ ही अगर वक्त की कमी के चलते आप एक साथ तीस मिनट नहीं चल सकते हैं।

नाखून चबाने से होती है ये लाइलाज बीमारी

हम अक्सर अपने आस-पास लोगों को नाखून और उसके आस-पास की स्किन चबाने देखते हैं। वैसे तो नाखून की स्किन चबाना हमें आम सी बात लगती हैं लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि इस गंदी आदत की वजह से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। इससे पेट संबंधी परेशानी होना स्वाभाविक है। इससे पाचन शक्ति भी कमजोर होती है। नाखून चबाने से अन्य भयानक रोग भी हो सकते है।

आइए समझें गुस्से का मनोविज्ञान

क्रोध एक प्राकृतिक भावना है। ईसा पूर्व 200 वर्षो से 200 ईसवी तक के काल के बीच लिखे गए नाट्य शास्त्र में क्रोध को एक 'रस' या नैसर्गिक भाव कहा गया है।

अमेरिकन फिजियोलॉजिकल एसोसिएशसन ने 'गुस्से को विपरीत परिस्थितियों के प्रति एक सहज अभिव्यक्ति कहा गया है। इस उग्र प्रदर्शन वाले भाव से हम अपने ऊपर लगे आरोपों से अपनी रक्षा करते हैं। लिहाजा अपनी अस्तित्व रक्षा के लिए क्रोध भी जरूरी होता है। आधुनिक जीवनशैली किसी भी व्यक्ति को तनाव में धकेल सकती है। अब जबकि हजारों लोगों को अपने रोजगार और घरों से हाथ धोना पड़ रहा है और यहां तक कि सेवानिवृत्त लोगों की सुरक्षित राशियां भी बाजारी उथल-पुथल के कारण गायब होती जा रही हैं - इस लिहाज से इस काल को 'ऐज ऑफ एनग्जाइटी' या व्यग्रता का युग कहा जा सकता है। इसके विपरीत, यह भी सच है कि कुछ लोग चाहे उनकी आर्थिक या पारिवारिक स्थिति कैसी भी हो, हमेशा तनाव में रहते हैं। दरअसल, वह पैदाइशी तनावग्रस्त होते हैं।

क्या आपको गुस्से की समस्या है?

गुस्से को पहचानने की जरूरत है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें ये बातें है

- धैर्य की कमी
- खाना जल्दी खाना
- बैचेनी
- काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन
- गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना

गुस्से पर करें काबू

- गुस्से पर नियंत्रण रखने के लिए बेहतर है कि आप सकारात्मक और क्रिएटिव काम करें
- गुस्सा होने पर किसी म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट को बजाएं
- कमरे को साफ करें, पिक्चर देखने जाएं, थोड़ा घूम आएं
- कुछ भी ऐसा करें जिससे आपका ध्यान कुछ देर के लिए बंट जाएं
- मजाक तनाव दूर करने का सबसे बेहतर तरीका है।
- शोध दर्शाते हैं कि तनाव को दूर करने के लिए पानी पीना चाहिए। यह तनाव को दूर करता है
- समय पर खाना खाने से, कसरत करने से और पर्याप्त आराम करने से गुस्सा कम आता है
- योगा, मेडिटेशन और कांगनेटिव तकनीक भी तनाव और गुस्से को दूर करने में कारगर है

ज्यादा टीवी देखना

हिंसक प्रोगाम देखना, क्राइम शो आदि बच्चों के मन-मस्तिष्क को पूरी तरह प्रभावित करते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कई बार युवा हिंसा के प्रति संवेदनशील नहीं रहते और उन्हें किसी कार्य का प्रतिरोध करने के लिए गुस्सा नाजायज नहीं लगता।

बेचैनी और तनाव भी बढ़ाते हैं क्रोध

तनाव डर से अलग होता है। इनसान या किसी अन्य जीवित प्राणी को डर उसके सामने मौजूद किसी चीज से लगता है। इसके विपरीत तनाव में व्यक्ति अपनी निर्णय करने की क्षमता को लेकर उलझा रहता है। व्यक्ति इस दौरान 'तब क्या होगा' के भंवर में फंसकर रह जाता है। लेकिन जब डर कामकाज से उलझने लगता है तो तनाव 'क्लीनिकल एनग्जाइटी डिसॉर्डर' का रूप ले लेता है, जिसके अपने कई रूप हैं जिनमें पैनिक, सोशल एनग्जाइटी, फोबिया, ऑब्सेसिव-कम्पलसिव, पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस और सबसे ऊपर एनग्जाइटी डिसॉर्डर हैं। चिंता दिमाग में एमिग्डला में अत्यधिक हलचल के कारण उत्पन्न होती है जो दिमाग के बीच का हिस्सा होता है। दिमाग का यह हिस्सा नएपन और किसी खतरे का सामना होने की सूरत में सजग होता है। अपने साधारण कामकाज के दौरान एमिग्डला नए वातावरण के प्रति शारीरिक क्रियात्मक उत्तर देता है। इस क्रिया में भावनात्मक अनुभवों की स्पष्ट यादें होती हैं। लेकिन कगान के अध्ययनों के मुताबिक विशिष्ट मानसिक बनावट वाले लोगों में एमिग्डला अतिक्रियात्मक होता है।

दिमाग को ठंडा रखें

अकसर गुस्से के दौरान किसी को समझाने के लिए कहा जाता है कि अपने दिमाग को ठंडा रखो। हाल ही एक शोध में एक बात सामने आई है कि अगर दिमाग को ठंडा रखा जा सकें तो हृदय और पक्षाघात के खतरों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। छात्र हैरिस ऐसे ही शोध में लगे हुए है। उन्होंने ऐसा कूल हेलमेट डिजाइन किया है जो कि हाइपरथैमिया को प्रेरित करने के काम आता है। आप भी इस बात से वाकिफ होंगे कि माथे पर ठंडा कपड़ा रखने से सिरदर्द में आराम मिलता है।

ये हैं गुस्से के प्रमुख कारण

नींद

सोना अचेतन की अवस्था होती है। सोने से शरीर के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। सोने के दौरान लगातार इस्तेमाल होने वाले मांसपेशियां और जोड़ रिकवर होते हैं। रक्तचाप कम होता है और हृदय गति कम होती है। उसी दौरान शरीर में ग्रोथ हार्मोन का स्रवण होता है। इस दौरान ही दिमाग रोजमर्रा की सूचनाओं को एकत्रित करने का काम करता है। तनाव, लंबे समय तक कार्य, जीवनशैली के कारण सोने की समस्याएं होती है। बिना पूरी नींद के दिमाग और शरीर सही तरीके से फंक्शन नहीं कर पाता। पर्याप्त नींद न लेने से कई तरह की बीमारियां होती है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद और आराम आवश्यक है।

पूरी नींद लें

- कॉफी, चाय, कोला, चॉकलेट का सेवन सीमा में करें। निकोटीन, एल्कोहल और कैफीन से आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती।
- अपने दिमाग और शरीर को रिलैक्स होने का समय दें।
- मेडिटेशन करें, किताब पढ़ें, संगीत सुनें और एरोमाथेरेपी करें।
- सोने और जागने की दिनचर्या बनाएं।

शारीरिक अवस्था- कुछ स्थितियां जैसे कि एडीडी (एडिशन डेफिसिट डिअसॉर्डर)की वजह से लोग चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। हार्मोनल असुंतलन और हृदय रोगों की वजह से भी लोग जल्दी आपा खो बैठते हैं।

अकेलापन

किसी नई जगह पर अकेले रहना गुस्से का एक कारण होता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जिन लोगों के दोस्त कम होते हैं सामान्यतः उन्हें गुस्सा जल्दी आता है। ऐसे बच्चे जो कि न्यूक्लियर फैमिली में पैदा होते हैं और उनके माता या पिता में से कोई एक मानसिक रूप से पीड़ित होता है। मानसिक अनियमितता की वजह से वे गुस्सैल हो जाते हैं। वे गाली देने लगते हैं, भाई-बहन से मारपीट करने लगते हैं, चीजों को तोड़ते हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि अगर आपका बच्चा गुस्सा ज्यादा करता है मतलब वह कहीं न कहीं हताश है।

महत्वाकांक्षा

कारपोरेट दुनिया ने प्रगति के दो पैमाने बना दिए है पहला प्रदर्शन और दूसरा कम समय में काम को बेहतर तरीके से कर सकने की क्षमता। इस पैरामीटर पर खरा उतरने की कोशिश में कई बार लोग हताश और गुस्सैल प्रवृत्ति के हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि दूसरों की भावनाओं की क्द्र न करना, लोगों के अभिवादनों के प्रति संवदेनशीलता कम होना, भौतिक सुख-साधनों को पाने का लालच ज्यादा बढ़ना हमेशा गुस्से का कारण बनता है। आज के दौर में कई प्रोफेशन ऐसे हो गए हैं जिनमें कई बार उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ता है और उनकी सही-गलत बातों को मुस्कराकर सुनना पड़ता है। ऐसे में कई बार कुछ न कह सकने की हताशा गुस्से में परिणित हो जाती है।

गुस्सा बिगाड़ता है सेहत

गुस्सा वातावरण को तो खराब करता ही है। आपकी सेहत को भी नुकसान पहुंचाता है। गुस्सैल लोगों के फेफड़ों का फंक्शन खराब करता है साथ ही इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है।

इसकी वजह से आप तनाव से होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। गुस्सैल व्यक्ति खुद को तो नुकसान पहुंचाता है, अपने आसपास के माहौल को भी बिगाड़ता है। एक बुरा पहलू ये है कि गुस्सा करने वाले व्यक्ति को इस बात का इल्म तक नहीं होता कि वह गुस्सा है लेकिन सुखद पक्ष ये है कि गुस्से को नियंत्रित और मैनेज किया जा सकता है।

इस पैशन से पचास बीमारियां

नौजवानों का पैशन है बाइक ड्राइविंग। हैवी ट्रैफिक के बीच घंटों तेज रफ्तार में ड्राइविंग जिस्म पर भारी पड़ती है और दिमाग पर भी। शहरी बाइकर्स के लिए तो यह समस्या और अधिक है क्योंकि शहर की भीड़-भाड़ ड्राइविंग को न सिर्फ जोखिम भरा बना रही है, बल्कि सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। जिस्म और दिमाग दोनों इसके शिकार हो रहे हैं।एक अंदाजा है कि महानगरों में नौजवान रोजाना औसतन 60 से 100 किलोमीटर तक बाइक भगाते हैं। लड़कियां भी इस मामले में कहीं पीछे नहीं हैं। लड़कियां रोजाना 40 से 60 किलोमीटर तक गाड़ी चलाती हैं। अब तो स्कूल-कॉलेज जाने के लिए भी लड़के-लड़कियां दुपहिए दौड़ाने लगे हैं। इन सबका नतीजा यह हो रहा है कि छोटी उम्र में ही दस तरह की शारीरिक व मानसिक परेशानियां होने लगी हैं।

आंखों को लगी नजर

बाइक सवारों की आंखों को बहुत कुछ झेलना पड़ता है जैसे धूप, हवा, धूल, धुआं और यहां तक कि हवा में उड़ने वाले कीट-पतंगे भी। आंखों में बहुत ज्यादा हवा, धूल, धूप लगने से 'टरेजियम' की समस्या पैदा हो जाती है। इससे आंखों से लिसलिसा पदार्थ निकलने लगता है जिसकी वजह से जलन, खुजली और लालिमा की समस्या पैदा हो जाती है। वहीं लगातार ड्राइव करने की वजह से आंखें शुष्क हो जाती हैं और उनमें जलन होने लगती है। कई बार ड्राइव करते समय दिखना भी बंद हो जाता है।

टेढ़े बैठे तो नाजुक गर्दन गई

करीब दस हजार लोगों में शोध करने पर पाया गया कि गर्दन की समस्याएं अक्सर ठीक ढंग से सवारी (बॉडी का सही पॉस्चर न होना) न करने की वजह से होती हैं। इसमें हेल्मेट को ठीक से न पहनना एक बड़ा कारण माना जाता है। इसकी वजह से कभी-कभी गर्दन में दर्द होने लगता है। ऐसा खासकर तब होता है जब हेल्मेट सिर पर काफी आगे की तरफ हो। अगर हेल्मेट आगे की ओर से नीचे झुका हुआ है तो बाइक सवार को सामने देखने के लिए अपना सिर उठाकर रखना पड़ता है।

कॉरपल टनल सिंड्रोम के लक्षण

- सिर एवं अंगुलियों में दर्द, हाथ एवं पैर की अंगुलियों में सिहरन, अंगुलियों का सुन्न होना, ग्रिप (पकड़) का ढीला होना, हाथों और कलाइयों में दर्द की शिकायत का बढ़ना आदि।

बचाव के टिप्स

- लेटते समय अपने हाथ के नीचे तकिया रखें।
- अपने हाथों का अत्याधिक इस्तेमाल न करें।
- केवल एक ही हाथ से काम न करें।

ऐसे करें बचाव

ज्यादा बाइक चलाने से होने वाले पीठ दर्द से बचा जा सकता है। लगातार एक घंटा बाइक चलाने से बचें। अगर किसी वजह से एक घंटे से अधिक बाइक चलानी पड़ भी रही है तो बीच में एक ब्रेक लें। रुक कर अपनी टांगों की स्ट्रैचिंग करें। ड्राइव करते वक्त अपनी पोजीशन समय समय पर बदलते रहें। ध्यान रखें कि ऐसा करते समय वाहन पर आपके नियंत्रण में कोई कमी न आए। रेड लाइट शरीर को आराम देने के लिए सही जगह है, जहां आप अपने हाथों, कंधों और पैरों को हिला-डुला कर उन्हें सुन्न होने से बचा सकते हैं।

क्लच से कलाई का कबाड़ा

यह कलाई और हाथों में होने वाला एक दर्द विकार है। कॉरपल टनल हाथों की पतली हड्डियों और कलाई के ऊतकों द्वारा बनाई गई एक सुरंग है। यह सुरंग आपकी मंझली तंत्रिका की हिफाजत करती है। मंझली तंत्रिका अंगूठे, तजर्नी, मध्यमा और अनामिका तक संवेदन का अहसास कराती है, लेकिन जब कलाई की नाजुक हड्डियों और स्नायु पर दबाव पड़ता है तो सूजन बढ़ने लगती है। दबाव पड़ने की सूरत में इससे संबंधित विभिन्न हिस्से सुन्न पड़ने लगते हैं। बाइक चलाने वालों में यह समस्या अधिक देखने में आती है। अंगुलियों का सुन्न होना एक खतरनाक लक्षण है। अक्सर इसका संबंध कॉरपल टनल सिंड्रोम से होता है। बाइक चलाते समय कलाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कैसे करें बचाव

- ड्राईविंग करते समय अपना पॉस्चर सही रखें।
- यह सुनिश्चित करें कि बाइक चलाते वक्त आपका हेल्मेट आपके सिर पर ठीक तरीके से फिट हो और उसका झुकाव आगे की ओर न हो।
- गाड़ी चलाते वक्त भारी बैग को अधिक समय तक एक ही कंधे पर ना लटकाए रहें। उसे दोनों कंधों पर बारी-बारी से टांगें।
- मसाज कराने और गर्म पानी से नहाने से रोगी को तात्कालिक आराम मिल सकता है।
- पर्याप्त मात्र में कैल्शियम और विटामिन डी लेना चाहिए तथा नियमित रूप से व्यायाम करें।
- यदि आपके कंधे में सूजन, अंगुली में झनझनाहट, गर्दन दर्द या सिर दर्द है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें क्योंकि इसका संबंध आपकी बाइक ड्राइविंग से हो सकता है।

रेसिपी

सोया दही वड़ा!

सामग्री

1 कप सोयाबीन सोया बड़ी, 2 - आलू (उबलें), 1 - प्याज (बारीक कटा हुआ) , 2 - हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) , 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर , 1/4 टी स्पून अदरक कूटा हुआ , 1/4 कप ब्रेड , क्रम्ब्स स्वादानुसार,नमक , दही के लिए सामग्री, 1 टीस्पून राई ,1 टीस्पून उडद दाल, 1 टीस्पून अदरक, कद्दूकस किया हुआ, 7-8 करीपत्ते , 2 कप बटरमिल्क ,4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर , आधा टीस्पून चाट, मसाला , तेल व घी

विधि

एक बाउल लें उसमे स्टफिंग की सभी सामग्री को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बना लें। अब इन गोलों को सुनहरा होने तक सेंकें। अब तैयार गोलों को अलग रख दें। अब एक पैन ले इसमें घी डालें और गर्म होने पर राई डाले। फिर इसमें उडद दाल, करीपत्ता डालें। फिर इसे भी अलग रख दें। अब दही का मिश्रण तैयार करने के लिए बटरमिल्क को अच्छे से फेंट लें फिर इसमें सभी मसाले और नमक को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को बाउल में डालकर इसमें तैयार गोलों को डालें। ऊपर से इसमें इमली की चटनी डालें और 20 मिनट के लिए फ्रिज में रखे। अब लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला से गार्निशें करके सर्व करें।

आलू की खीर

सामग्री

दूध आधा लीटर
आलू 1
शक्कर स्वादानुसार
थोड़ा सा केसर
मिक्स ड्रायफ्रूट्स 2 टेबलस्पून कटे हुए

विधि

सबसे पहले दूध को गाढा होने तक उबालते रहें। अब आलू को मीडियम साइज में काट लें। आलू को काटने के बाद में इनहें घी में लाइट फ्राई करें। अब इसमें केसर व शक्कर मिलाकर शक्कर के पिघलने तक पकाएं। फ्राई किए हुए आलू व ड्रायफ्रूट्स मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। अब आलू की खीर को फ्रिज में ठंडा करने के लिए रखें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**